



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21] नई दिल्ली, शनिवार, मई 24, 1980 (ज्येष्ठ 3, 1902)

No. 21] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 24, 1980 (JAISHTHA 3, 1902)

इस भाग में भिन्न पट्ट स्थाया हो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-3, दिनांक 22 अप्रैल 1980

सं० ए०-II/46/74—श्री स्वेन्द्र सिंह प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय, को दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 31-3-1980 (अप्रारूप) से अगले आदेशों तक मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पव पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० डी० मनचन्द्रा
निदेशक

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1980

सं० 75 पी० आर० एस० 053—श्री रमेश चन्द्र, पाई० ए० एस०, (यू० पी० : 1961) सचिव केन्द्रीय सतर्कता आयोग की सेवाएं 1 मई, 1980 पूर्वाह्न से उत्तर प्रदेश शासन के निवर्तन पर रखी जाती है।

श्री रमेश चन्द्र, आयुक्त, गोरखपुर डिवीजन, गोरखपुर नियुक्त किये गये हैं।

ओम प्रकाश शर्मा
निदेशक

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय

एवं प्र० य० य० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1980

सं० ए०-19021/1/80-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ए० एस० आंलक, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-1971) को दिनांक 10-4-1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुनिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 मई 1980

सं० ए०-19021/3/80-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जसपाल सिंह (आंध्र प्रदेश-1970) को

दिनांक 3-5-1980 के प्रपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

(महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 अप्रैल 1980

संख्या [ग्रो० दो०-1424/77-स्थापना]—मेजर अजायब सिंह ने पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्ति पर उप-पुलिस अधीक्षक, ग्रो०सी०, ए० डब्ल्य० एस०, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 24-2-1980 (प्रपराह्न) को स्थाग दिया है।

के० आर० के० प्रसाद,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019 दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० ई०ब्र०16013(2)/79-कामिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री प्रकाश सिंह आई० पी० एस० (य०-टी०-64) ने दिनांक 11 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से के० ग्रो० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक महानिरीक्षक के पद कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-16018/2/79-कामिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री डी० के० भिन्ना ने दिनांक 31 मार्च, 1980 के प्रपराह्न से के० ग्रो० सु० ब० यूनिट ए० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट (फायर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 10/37/70-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक (सामाजिक अध्ययन) और इस समय उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थे आधार पर कार्यरत श्री इ० रामस्वामी को उसी कार्यालय में तारीख 10 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अस्थाई क्षमता में नियमित आधार पर अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर पदोन्नति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रामस्वामी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 2 मई 1980

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री बी० पी० घन्दक को मध्य प्रदेश,

भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में 8 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री घन्दक का मुख्यालय रायपुर में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री आर० सी० शर्मा को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में 22 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री शर्मा का मुख्यालय ग्वालियर में होगा।

दिनांक 5 मई 1980

सं० 11/102/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एस० पी० ग्रोवर को पंजाब, अण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो पूर्णतः अस्थाई और तवर्धे आधार पर उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ग्रोवर का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री ग्रोवर को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102-79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, लक्ष्मीपुर, कर्वा-रती में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री श्रलोक [कुमार दत्त को उसी कार्यालय में तारीख 5 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तवर्धे आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री दत्त का मुख्यालय क्यारती में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री दत्त को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर पद निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के

विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रश्न I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री फूल सिंह को उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 16 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अधिविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अधिविधि पहले हो पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय मुरादाबाद में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री सिंह को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएँ उस ग्रेड में वरिष्ठता प्राप्त और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

पी० पदमनाभ,
भारत के महापंजीकार

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद,
दिनांक 30 अप्रैल 1980

सं० पी० भी०-३/1071—श्री एस० के० आनंद, फोरमेन (उत्पादन) को स्थानापन्न रूप से सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर बेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-४०-१२०० में दिनांक 5-5-1980 (पूर्वाह्न) से 7-6-1980 से तदर्थ आधार पर पदोन्नति किया जाता है यह सहायक कार्य प्रबन्धक का रिक्त स्थान श्री एम० पदमनाभन सहायक कार्य प्रबन्धक के अवकाश पर जाने के कारण हुआ है।

दिनांक 2 मई 1980

सं० एम० 16/1070—श्री बी० एल० शर्मा फोरमैन (मैकेनिकल) को स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता (मैकेनिकल) के पद पर बेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द०-रो०-४०-१२०० में दिनांक 4-5-1980 से 6-6-1980 से तदर्थ आधार पर पदोन्नति किया जाता है। यह सहायक अभियंता का रिक्त स्थान श्री एन० पी० सिंग, सहायक अभियंता (मैकेनिकल) के अवकाश पर जाने के कारण हुआ है।

श० रा० पाठक
महा प्रबन्धक

महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व काश्मीर
श्रीनगर, दिनांक 25 अप्रैल 1980

सं० प्रश्ना० I/60(65)/80-81/347-49—महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने अन्य आदेश होने तक इस कार्यालय

के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री आर० के विशिष्ट को 17 अप्रैल 1980 (पूर्वाह्न) से प्रभावी, स्थानापन्न हैसियत में लेखाधिकारी के रूप में पदोन्नत किया है।

एच० पी० वास
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन एवं अधिकरण)

कलकत्ता-700001, दिनांक 2 मई 1980

प्रश्ना० I/1038-XVI/323—महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारियों के पूर्णतया अस्थायी पदों पर 28-4-1980 के पूर्वाह्न या जिस दिनांक से वे सचमुच लेखा अधिकारियों की हैसियत से कार्यालय महालेखाकार प्रितीय, पश्चिम बंगाल/कार्यालय लेखा निदेशक, केन्द्रीय कलकत्ता में कार्यभार सम्भालें (इनमें से जो बाद में हो), अगली आदेश सक नियोग करते हैं :—

संवंशी

1. समरेन्द्र साहा
2. हरेंद्र नाथ हालदार
3. पुलिनविहारी भंडल
4. मणि लाल भंडल

यह साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि यह प्रोत्तिष्ठित कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमें में विनिर्णय की समाप्ति होने तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य व दूसरों के विरुद्ध दायर किए गये 1979 के सी० आर० केस नं० 14818 (एन) के अस्तित्व फैसले के अधीन है।

सुधा राजागोपालन
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रश्ना०)

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 184 73/प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा से श्री सतीष कुमार झोगरा का त्या ग पत्र पहली फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

दिनांक 2 मई 1980

सं० 68012(6)/79/प्रश्ना० I—राष्ट्रपति, श्री एस० कृष्णामाचारी, स्थाई लेखा अधिकारी को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनष्ठि समयमान (700-1300) में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए दिनांक 2 अप्रैल 1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० पी० राव
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय	उद्योग मंत्रालय	
भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा	वस्त्र आयुक्त का कार्यालय	
आडनस फक्टरा बांड	बम्बई-20, दिनांक 28 अप्रैल 1980	
कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1980	सं० सी० ई० आर०/2/80—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/77 दिनांक 15-4-77 में, जो अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/79 दिनांक 17-12-1979 द्वारा संशोधित की गई थी, निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—	
सर्वेश्वरी	उक्ता अधिसूचना के पैरा 5 स्पष्टीकरण (3) टिप्पणी (1) में “ताने में 28 से लेकर 80 का उंट” के स्थान पर “ताने में 28 और 80 का उंट के बीच” ये शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे।	
(1) ग्रभिरंजन बोस, स्थायी सहायक स्टाफ अफसर	20 मार्च 1980	म० वा० चैंपुरकर संयुक्त वस्त्र आयुक्त
(2) बोमकेश मानिक, स्थायी सहायक स्टाफ अफसर	20 मार्च 1980	
(3) रघुनाथ दासगुप्ता, स्थायी सहायक स्टाफ अफसर	20 मार्च 1980	
(4) बी० कैलाशम, स्थायी सहायक स्टाफ अफसर	20 मार्च 1980	
(5) पार्वती कुमार गोस्वामी, स्थायी सहायक स्टाफ अफसर	20 मार्च 1980	
(6) गिर्मल चन्द दास, स्थायी सहायक स्टाफ अफसर	20 मार्च 1980	
(7) प्रशान्त कुमार मल्लिक, स्थायी सहायक स्टाफ अफसर	20 मार्च 1980	
(8) रंजीत कुमार दास, स्थायी सहायक स्टाफ अफसर	29 मार्च 1980	
	बी० के० मेहता सहायक महानिदेशक आर्डनेंस फैक्टरियां	

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1980
आयात-नियंत्रित व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/956/72-प्रशासन (राज) — राष्ट्रपति वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय, वाणिज्य विभाग के श्री एम० ई० थोमस, उप सचिव को मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित के कार्यालय में 7 अप्रैल 1980 के अपराह्न से संयुक्त मुख्यनियंत्रक आयात-नियंत्रित के रूप में नियुक्त करने हैं।

सी० बैंकटरामन
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

सं० सी० ई० आर०/2/80—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/77 दिनांक 15-4-77 में, जो अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/79 दिनांक 17-12-1979 द्वारा संशोधित की गई थी, निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—
उक्ता अधिसूचना के पैरा 5 स्पष्टीकरण (3) टिप्पणी (1) में “ताने में 28 से लेकर 80 का उंट” के स्थान पर “ताने में 28 और 80 का उंट के बीच” ये शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे।
इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
कलकत्ता-700016, दिनांक 29 अप्रैल 1980
सं० 2983ए/ए-32013 (ए० ओ०) 78-80/19ए—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री जे० सी० सर-कार को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 22-3-1980 के पूर्वाह्न से पदोन्धति पर नियुक्त किया जा रहा है।
सं० 2995ए/ए-32013 (ए० ओ०) 78-80/19ए—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एस० एम० लाहिड़ी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 24-3-1980 के पूर्वाह्न से पदोन्धति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 2 मई 1980

सं० 3469वी/ए-32013 (4-डिलर)/79-19वी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (ड्रिलर) को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान

में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवेश होने तक प्रत्यक्ष के सामने दम्भिः तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है:—

नाम	कार्यभार-ग्रहण तिथि	
1	2	3
सर्वश्री		
1. एच० एल० भट्टाचार्य	21-1-80	(पूर्वाह्नि)
2. जे० के० शोम	17-1-80	(पूर्वाह्नि)
3. एस० के० मुखर्जी	21-1-80	(पूर्वाह्नि)
बी० एस० कृष्णस्वामी महानिदेशक		

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 2 मई 1980

सं० 5/16/70-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के स्थायी छायाग्राहक श्री डी० आर० हलदानकर को दिनांक 8-10-1979 के पूर्वाह्नि से तदर्थी आधार पर समान कार्यालय में समाचार अधिकारी के पद पर आगले आवेश तक नियुक्त किया है।

न० ना० शर्मा
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कूते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० ए० 19021/2/80-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जी० एस० अग्रवाल को 10 मार्च, 1980 पूर्वाह्नि से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० धोष
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1980

सं० 34-24/69-प्रशासन-1—सेवा निवृति की आयु हो जाने पर सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली की उपचर्या अधीक्षक श्रीमति ए० रत्ना 29 फरवरी, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गई है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1980

सं० ए० 19025/19/80-प्रशा० III—संघर्षोक सेवा आयोग की नियुक्तियों के अनुसार श्री अजय कुमार शर्मा को इस निदेशालय के अधीन गुन्टूर में तारीख 31-3-1980 (पूर्वाह्नि) से आगले आवेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० ए० 19024/6/79-प्र० त०—श्री आर० रामकृष्ण, वरिष्ठ रसायनज्ञ को दिनांक 14-4-1980 (पूर्वाह्नि) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तीन माह से अधिक अवधि के लिए नहीं अथवा जब तक नियमित प्रबन्ध नहीं किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हों, स्थानापन्न मुख्य रसायनज्ञ के रूप में बम्बई में नियक्त किया जाता है।

बी० एल० मनिहार
प्रशासन निदेशक
जले कृषि विपणन सलाहकार

कृषि एवं सहकारिता विभाग

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1980

मि० सं० 12-9/77-स्या० (I)—कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग की विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री कृष्ण कुमार शर्मा, वर्तमान नियमित रूप से स्थानापन्न उपनिदेशक (प्रशासन) की विस्तार निदेशालय, कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय सें, अधीक्षक (ग्रेड I) जी०सी०ए० समूह (बी) राजपत्रित (लिपिक वर्गीय) के स्थायी पद पर रूपये 700-30-760-35-900 के बेतनमान में 6-8-1974 से मौलिक नियुक्ति की गई है।

बड़ी नाथ चड्ढा
निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 25 अप्रैल 1980

मं० पी०पी०इ०डी०/3/(236)/80-प्रशासन 5967—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को फरवरी 1, 1980 के पूर्वाह्नि से

अगले आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता—ग्रेड "एस०बी०" नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान पद
1	2	3
सर्वश्री		
1. बी० एस० फावडे	नक्षानवीस भी० (स्थायीकत)	म० वि० घटे प्रशासन अधिकारी

नरोरा, परमाणु विद्युत परियोजना
नरोरा, दिनांक 29 अप्रैल 1980
क्र० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(168)/80-एस०—नरोरा
परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य अभियंता राजस्थान
परमाणु विद्युत परियोजना के निम्नलिखित स्थानापन्न वैज्ञा-

1	2	3
सर्वश्री		
2. सी० एस० ग्राटारडे	नक्षानवीस "सी०" (स्थाई नक्षानवीस "बी०")	
3. सी० जान मैथ्यू	वैज्ञानिक सहायक "सी०" (स्थायीकत नक्षानवीस "बी०")	

निक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० को नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रत्येक व्यक्ति के नाम के सम्मुख दी गई तिथियों से अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं :—

क्र०	नाम	वर्तमान पद	पी० पी० ई० डी० समूह में प्राप्त स्थायी पद	कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1. आर० के० शर्मा	एस० ओ०/एस० बी०	सहायक फोरमैन		1-4-80
2. राजिन्द्र प्रसाद	एस० ओ०/एस० बी०	सहायक फोरमैन		2-4-80
3. कलवत सिंह	एस० ओ०	ड्राफ्टसमैन बी०		7-4-80

एस० कृष्णन
प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियंता

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० पी० ए० आर०/0704/4332—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने स्थायी अपर डिवीजन क्लर्क श्री आर० व० रविशंकर को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 19-9-1979 से 7-10-1979 पर्यन्त स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० एस० आर० मूर्ती के अवकाश ग्रहण करने के कारण की गयी।

दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० ना० ई० स०/पी० ए० आर०/0705/5603—
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री एस० रंगराजन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 18-12-1979 से 17-2-1980 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों तक—जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न सहायक लेखाकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० आर०/0705/5603—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री प्रभानन्द भट्ट को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 22-11-1979 से 17-12-1979 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखाकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० पी० ए० आर०/1603/198—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थाई सुपरवाइजर (सिविल) श्री टी० जगन्नाथ राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 1-8-1978 से स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता (एस० बी०) के पद पर आगामी आदेशों तक के लिए नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० आर०/1603/199—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थाई सुपरवाइजर (सिविल) श्री टी० जगन्नाथ राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 1-8-1979 से स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता (एस० बी०) के पद पर आगामी आदेशों तक के लिए नियुक्त किया है।

दिनांक 10 फरवरी 1980

सं० पी० ए० आर० : 0705/963—प्रधिसूचना सं० ना० ई० सं० 0705/5604, दिनांक 22-12-1979 के क्रम में नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री सी० आर० प्रभाकरन की स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर नियुक्ति को दिनांक 18-12-1979 से 29-12-1979 पर्यन्त आगे बढ़ा दिया है।

दिनांक 21 फरवरी 1980

सं० पी० ए० आर०/0704/1241 : नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थाई आशुलिपिक और्योगिक (एस०जी) श्री भ० ल० गणपति शास्त्री को दिनांक : 18-2-1980 से 3-4-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति किया है। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री वी० आर० विजयन के प्रशिक्षणार्थ गमन के कारण की गई।

दिनांक 26 मार्च 1980

सं० ना० ई० सं० : पी० ए० आर० : 0705 : 1922—प्रधिसूचना सं० ना० ई० सं० पी० ए० आर० : 0705 : 5603 दिनांक 22-12-1979 के क्रम में नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री एस० रंगराजन की स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 18-2-1980 से नियुक्ति को आगामी आष्टशेषों तक के लिए आगे बढ़ा दिया है।

यू० वासुदेवा राव,
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 1 मई 1980

सं० रा०प०यि०प०/भर्ती०/2(22)/80/स्थ०/23—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परियोजना के स्थायी लेखापाल श्री डी० के० सेन को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में तारीख 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक लेखा अधिकारी-II के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद-500 016, दिनांक 2 मई 1980

सं० प० ख० प्र०-८(१)/८०-भर्ती—इस कार्यालय की दिनांक 18 अप्रैल, 1980 की समसंख्यक प्रधिसूचना के क्रम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री सोमनाथ सचदेव, हिन्दी अनुवादक की सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर की गई पूर्णतयः अस्थायी नियुक्ति, जो श्री आर० एन० दे, सहायक कार्मिक अधिकारी

के छुट्टी पर जाने के कारण की गई थी, की अवधि को एतद्वारा 4 अप्रैल, 1980 के अपराह्न तक बढ़ाते हैं।

सं० प० ख० प्र०-८(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक श्री टी० य० नारायण को उसी प्रभाग में श्री के० आर० बालसुब्रह्मण्यम, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 5-4-1980 के पूर्वाह्न से प्रगते आदेश होने तक के लिये पूर्णतयः अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-८(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक श्री लक्ष्मी नारायण को उसी प्रभाग में श्री के० आर० बालसुब्रह्मण्यम, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 28-4-1980 के पूर्वाह्न से 31-5-1980 के अपराह्न तक की अवधि के लिए पूर्णतयः अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०प०पी०पी०, दिनांक 18 अप्रैल 1980

सं०-टी०ए०पी०एस०/1/19(1)/76-आर०—मुख्य अधीक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री य० रा० वेलणकर, अस्थायी सहायक लेखापाल को इसी बिजलीघर में दिनांक 11 अप्रैल, 1980 से 31 मई, 1980 तक के लिए तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० टी० प० पी० एम०/1/19(1)/76-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जगदीश प्रसाद खंडेलवाल, अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी को इसी बिजलीघर में दिनांक 11 अप्रैल, 1980 से 31 मई, 1980 तक के लिए तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी- नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अप्रैल 1980

मं० टी०प० पी० एम०/1/34(1) 77-आर० (खंड-IV)—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री व० वि० तम्हाणे, भाषा परमाणु अनुसंधान केंद्र में ट्रेड्रूम मैन “डी” तथा तारापुर परमाणु बिजलीघर में ट्रेड्रूम मैन “जी” को इसी बिजलीघर में रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनक्रम में अस्थायी क्षमता में दिनांक 1 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता घेड (एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1980

सं० ए० 32013/3/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन मुख्यालय के श्री ए० आर० गर्ग, सहायक निदेशक संचार को दिनांक 8-2-1980 से अन्य आदेश होने तक नियमित रूप से उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली
निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1980

सं० ए० 24013/2/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने रेडियो निर्माण और विकास एकक, मफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के श्री ए० के० अग्रवाल, तकनीकी अधिकारी का दिनांक 21-11-1979 (अपराह्न) से स्थागण्ड मंजूर कर लिया है।

सं० ए० 38015/7/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 31-10-79 की अधिसूचना सं० ए० 38015/7/79-ई० सी० की लाइन चार में उल्लिखित तारीख के स्थान पर 2-7-79 (अपराह्न) प्रतिस्थापित कर पढ़ा जाए।

दिनांक 3 मई 1980

सं० ए० 32013/11/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संग्राह स्टेशन, मोहनबाड़ी के श्री ए० मौर्छलपन, तकनीकी अधिकारी को 31-3-1980 (पूर्वाह्न) से छः माह की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संग्राह स्टेशन, कलकत्ता में तैनात किया है।

आर० ए० दास
सहायक निदेशक (प्रशासन)

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश

इन्दौर, दिनांक 24 अप्रैल 1980

सं० 6/80—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर के बहुपदीय रेंज-I इन्दौर में तैनात श्री जी० जे० केवलरामानी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी (ख) ने निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 मार्च, 1980 के अपराह्न में भेवामुक्त कर दिये गये।

णिकिन किशिन धर
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 2 मई 1980

मं० 1-टी० आर० (3)/76—राष्ट्रपति, भारतीय नौवहन निगम लिमिटेड, बम्ब के अधिकारी, कप्तान बी० सी०

डिपैवा को प्रतिनियुक्त पर प्रशिक्षण पोत “राजेन्द्र” में तारीख 27-10-1976 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर नाटिकल अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० ए० सिधू
नौवहन उप महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 1/229/69-ई० सी०-9—इस विभाग के स्थानापन सहायक वास्तुक श्री ए० आर० मेहता वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 29 अप्रैल, 1980 (अप०) को सेवा निवृत हो गए। 30 अप्रैल को कार्यालय में छुट्टी है।

के० ए० अनंतनारायणन्
प्रशासन उपनिदेशक

दक्षिण मध्य रेलवे

रेल नियम

कर्मिक शाखा

सिकन्दराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० पी० (जी०) 185/ई०एल०—श्री ए० पी० शिवन्ना, स्थानापन सहायक विद्युत इंजीनियर को इस रेलवे के विष्णु द्वंजोनियरी विभाग के श्रेणी-II सेवा में 16-4-1979 से स्थायी किया जाता है।

ए० नीलकण्ठ शर्मा
महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 21—भारतीय यान्त्रिक इंजीनियरिंग विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दी गई लिपियों से उम् विभाग के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम	तिथि
1	2	3

सर्वश्री

- जे० ए० आवला 7-4-76
- ए० हांडा 19-1-77 दिनांक 19-1-77 से 31-12-79 सुपरेनुमरी पोस्ट पर
- ए० के० मल्होत्रा 20-10-77 दिनांक 20-10-77 से 31-12-81 सुपरेनुमरी पोस्ट पर

आर० के० नटेसन
महाप्रबन्धक

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

कलकत्ता-27, दिनांक 28 अप्रैल 1980

सं० जी-65/बी(गोप०)---महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री दिस्तीपति मुखर्जी, वैज्ञानिक सहायक (विद्युत), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत) के पद पर सामयिक रूप से दिनांक 8-4-80 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

सं० जी-65/बी(गोप०)---महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री बी० कौ० विश्वास वैज्ञानिक सहायक (विद्युत) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत) के पद पर दिनांक 8-4-80 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

ए० बनार्जी,

उपनिदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

आयकर आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1980

आयकर राजपत्रित स्थापना

सं० प्रशा० राज० 173-4/79(1)---आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां अधिनियम) 1 की धारा 117 की उपधारा (2) से प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, श्री एम० एल० सी० डिसूजा, आयकर

आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई ने निम्नलिखित हिन्दी अनुवादक को हिन्दी अधिकारी और आयकर निरीक्षकों को आयकर अधिकारी श्रेणी-2 के रूप में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किया है।

सर्वश्री

- | | | | |
|------------------------|----------------|---------|-----------|
| 1. एम० एल० शर्मा | हिन्दी अनुवादक | 20-9-79 | पूर्वाह्न |
| 2. के० एम० बरसीबाला | निरीक्षक | 7-1-80 | , |
| 3. एल० पी० सोनेजी | , | 4-1-80 | , |
| 4. एस० प्रार. चौकेकर | , | 5-1-80 | , |
| 5. एन० ए० गंगावने | , | 3-1-80 | , |
| 6. एस० डी० न्यायनिगुनि | , | 7-3-80 | , |
| 7. ए० बी० सरदेसाई | , | 7-3-80 | , |

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई विल्ली, के पत्र एफ० नं० 22/3/64-प्रशा०-५ दिनांक 25-4-75 के अनुसार वे दो वर्षों की अवधि के लिए परिविक्षा के अधीन रहेंगे। यदि जल्दी हुआ तो यह परिविक्षा की अवधि ऊपर लिखित अवधि से आगे भी बढ़ाई जा सकती है। इस पद पर उनकी पुष्टि और या उन्हें रक्षा यथा परिविक्षा की अवधि के सफल समापन पर निर्धार करेगा।

3. उनकी नियुक्तियां बिल्कुल अस्थायी और अनंतिम हैं और इना सूचना किसी भी समय समाप्त करनी पड़ सकती है।

एम० एल० सी० डिसूजा
आयकर आयुक्त

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लधियाना

लघियाला, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० एसएनजी/50/79-80—आतः, मुझे, सुखदेव
चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विवास करने
का कारण है कि स्थावर समति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खेतीदार भूमि 26 बीघा 16 बिस्ता है तथा जो गांव बहादुरपुर डाकखाना वहादुरपुर, जिला संग्रहर में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुभूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संग्रहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकरण के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तररक्तों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी शाय की वाचत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ~~प्रौद्योगिकी~~

(v) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे प्रत्यारूप द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

1. श्रीमति दलीप कौर पुत्री श्री हजूरा सिंह निवासी गांव व डाकखाना बहादुरपुर, संगरूर (अंतरक)
 2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री दलबारा सिंह निवासी गांव व डाकखाना, बहादुरपुर, संगरूर (अंतरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वानु सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्त्री

खेतीधार भूमि 26 बीगा 16 विस्ता जो कि गांव बहादुरपुर, जिला संग्रहर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संग्रह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1587, अगस्त 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लधियाना

दिनांक : 2 अप्रैल, 1980

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज, लुधियाना]

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

निदेश सं० सीएचडी/199/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1215 है तथा जो
सेक्टर 34-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेजर नन्दा कुमार नेयर पुत्र के० आर० के० नेयर
10-2-317/22- विजय नगर कालोनी हैदराबाद द्वारा
जनरल पावर आफ आटारनी श्री बी० सी० मदोक पुत्र श्री
रस्त लाल निवासी मकान नं० 15, टाईप 3, कैनाल कालोनी,
माडल टाउन, अम्बाला सिटी। (अन्तरक)

2. श्री जगपाल सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह निवासी
मकान नं० 202, सेक्टर 22-ए चण्डीगढ़ (अंतरिती)

3.*—

4. डिप्टी सेक्रेटेरी ऐजूकेशन डिपार्टमेंट पंजाब गवर्नरमेंट,
चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1215 सेक्टर 34-सी चण्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1127, अगस्त 1979 में
दर्ज है।

सुखदेव अन्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल 1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निवेश सं० सीएचडी/175/79-80—अरा॒ मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पालात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी संख्या रिहायशी प्लाट नं० 1833 है तथा जो
सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्न या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अरा॒ मुझे, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार सिंका पुन लाल चरणजीत
लाल निवासी चौदावार कटक (उड़ीसा) द्वारा स्पैशल पावर
आफ अटारनी श्री दर्शन लाल सचदेवा पुन श्री गोपाल दास
मकान नं० 285 सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़। (अंतरक)

2. श्री दिनेश कुमार (माईनर) पुन श्री दर्शन लाल
द्वारा माता व नेचुरल गार्डियन श्रीमति सचिली देवी पत्नी श्री
दर्शन लाल, 285 सेक्टर 20-ए चण्डीगढ़ (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1833 सेक्टर 34-डी चण्डीगढ़
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 1031, अगस्त, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सुधियाना

लुधियाना दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/180/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और यिसकी मंडग मकान नं० 1648 है तथा जो सेक्टर 7-मी,
चाण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपात्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चाण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नौनिहान मिह पुत्र श्री इन्द्रजीत मिह, निवासी 10-
बबर लैन, नई जिल्ही।
(अंतरक)

2 श्री राम प्रकाश पुत्र श्री वरकूत राम, श्रीनृति सोमा
रानी पत्नी श्री राम प्रकाश, मकान नं० 1648, सेक्टर 7-सी
चाण्डीगढ़।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

मकान नं० 1648, सेक्टर 7-मी, चाण्डीगढ़ (जायदाद जैमा)
के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चाण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संरक्षण
1058, अगस्त 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० सीएषडी/345/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 333 है तथा जो सेक्टर 33 ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्तिविभाग उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्री, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डॉक्टर जोगिन्द्र सिंह पुरी पुत्र वीवान सिंह पुरी निवासी ई-476, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा स्पैशल पावर ग्राम अटारनी श्रीमति इन्द्रजीत गिल पत्नि श्री गुरुदेव सिंह गिल मकान नं० 228, सेक्टर 21-ए चण्डीगढ़ (अंतरक)

2. श्री गुरुदेव सिंह गिल पुत्र श्री जसमेर सिंह गिल निवासी मकान नं० 228 सेक्टर 21-ए चण्डीगढ़। (अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तकनीन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्र या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदौकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 333, सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़ जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1890 सिस्तर 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्तम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल, 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट ८०० ए०० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० पीटीए/262/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि इथावर संभवि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी में रिहायशी बवाटर नं० 404 है तथा जो
क्रिपरी टाऊन, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (प्रत्यक्षी) और अन्तरिकी (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा आय गया प्रतिफल, निम्नलिखित चारों से
उक्त प्रत्यक्षित में बास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया
है।

(क) प्रत्यक्षित में दूई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या धन्य बास्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के शब्दोंनार्थे अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उप-भारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, वर्चावः—

1. श्रीमति हन्द्रकौर पत्नी श्री हरिन्द्र मिह बवाटर नं०
404, क्रिपरी टाऊन, पटियाला, अब बासी मकान नं०
1000, खातीवाला टैक हन्द्रौर (एम० पी०) (अंतरक)

2 श्री चरण सरन हरि सिंह पुत्र श्री आनंद सिंह
बवाटर 11 एक क्रिपरी टाऊन, पटियाला (अंतरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के
लिए राय गढ़िया करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई सी प्रावेतः—

(क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना
को तामोल से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंत्रि में
हितबद्ध किसी प्रथा अवित्त द्वारा, घोड़ोद्धनामी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही प्रथा होगा, जो उस
अध्याय में दिया जाय है।

अनुसूची

रिहायशी बवाटर नं० 404 क्रिपरी टाऊन, पटियाला
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3236 अगस्त, 1979 में दर्ज
है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल, 1980।

मोहर :

प्राप्ति शाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेण सं० सीएचडी/197/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 325 है तथा जो सेक्टर 33-ए
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), उजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, उजिस्टीकरण अधिनियम, 1998 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख 8/79
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ये कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन करदेने के अन्तरक के व्याप्ति में कमी
करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए: भौद्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य व्याप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आदिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लै० कर्नैन अमर सिंह सभरवाल पुत्र श्री सुन्दर सिंह
निवासी मकान न० 80, अलेगढ़ा रोड, अम्बाला कैन्ट क्षारा
स्पैशल पावर आफ अटारनी श्री भुला सिंह पुत्र श्री लिया
सिंह निवासी मकान न० 526, सेक्टर 20-ए चण्डीगढ़
(अंतरक)

2. श्री तरसेम सिंह, गुरबचन सिंह, महिन्द्र सिंह, सरबन
मिह पुत्र श्री भुला सिंह, 325 सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़
(अंतरिती)

जो यह सूनना आयी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए व्यवहारित करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घासेप :—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्य
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन मूल्य के राजपत्र में प्राप्त गन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में
परिचायित है, वही अर्थ होगा जो उस
व्यापाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 325 सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा
कि उजिस्टीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख
संख्या नं० 1123 अगस्त 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 2 अप्रैल, 1980।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लघियाना

लघियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निवेश सं० राज/123/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बूथ नं० 113 है तथा जो शार्पिंग सेन्टर
राजपुरा टाउनशिप में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3—76GI/80

1. श्री बीर भान पुत्र श्री पुन्न राम निवासी मकान नं० 224/7, सितर मंजिल, सरहिन्दी बाजार पटियाला (अंतरक)
2. श्री महेश कुमार पुत्र श्री आसा नन्द श्रीमति जानकी देवी पत्नी श्री आसा नन्द निवासी 2903, राजपुरा टाउन-शिप (अंतरिती)
- 3 श्री राजकुमार बूथ नं० 13, शार्पिंग सेन्टर, राजपुरा टाउनशिप (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बूथ नं० 13 शार्पिंग सेन्टर, राजपुरा टाउनशिप (जाय-
दाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यालय
के निलेख संख्या नं० 2246 सितम्बर 1979 में दर्ज
है।)

सुखदेव च.द.
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लघियाना

तारीख : 2 अप्रैल, 1980

मोहर :

प्रस्तुप जाई० टी० एन० पृ०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० सीएचडी/212/79-80—उक्त मुझे सुखवेद
चल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सख्त प्राविकारी का धृति विभास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका डांचन बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट नं० 195 है तथा जो सेक्टर 33ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9/79

को पूर्वोक्त अधिनियम के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर अन्तरित से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) दो बोन एवं अनारग के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वाहादि-रूप से है। इसे किया गया है:—

(क) अन्तरण में जुँ किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के अन्तर्य में जमीन करने या उससे वसने में सुविधा लिए; और/या

(१) ऐना किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों अर्थात्:—

1. लेफ्टीनेंट कर्नल कर्म नारायण गुजराल पुत्र श्री राम नारायण गुजराल निवासी जे/4, मालवा नगर एक्स्टेंशन, नई दिल्ली
(अंतरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुन्ह पुत्र श्री कर्म सिंह निवासी मकान नं० 463, 37ए, चण्डीगढ़
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेश के संबंध में जोई भी प्राप्तेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या हस्तांशी अवधियों पर सूचना जो तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य अवधि द्वारा अधोलिखित के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रभुता शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 195 सेक्टर 33ए चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1208, सितम्बर 1979 में दर्ज है।

सुखवेद धन्म
सख्त प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 2 अप्रैल, 1980

मोहूर:

प्रस्तुत आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निवेदण सं० सीएचडी/204/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1846 है तथा जो सैक्टर 34डी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय चण्डी-
गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रेमचन्द्र विजेश्वर पुत्र श्री सरकारु मल वासी
रेलवे रोड खन्ना जिला लुधियाना दारा जनरल अटार्नी
श्री सतपाल पुत्र श्री सरकास मल वासी रेलवे रोड खन्ना
(अन्तरक)

2. श्री गुरसेवक सिंह सेबों पुत्र कैप्टन जामीर सिंह
पी०सी०एस० निवासी मकान नं० 2524 सैक्टर 19 सी
चण्डीगढ़।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1846 सैक्टर 34डी चण्डीगढ़ जायदाद जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता चण्डीगढ़ कार्यालय में विलेख
संख्या 1163, अगस्त 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल 1980

माझूर:

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० सीएचडी/191/79-80—अतः मुझे सुखदेव

चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० (अनेकसी) 152, प्लाट नं०
9 है तथा जो गली जे, सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है
(और इसमें उपाखद अनुसूची में और प्रैण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अगस्त 79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय को आबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति तारा दुदेजा पत्नी श्री जे० एन० दुदेजा निवासी
मकान नं० 155, गलफ लिंग, नई दिल्ली-3 (अंतरक)
2. श्री जसपाल सिंह बनदोना पुत्र श्री कर्म सिंह बनदोना
मकान नं० 64, सेक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ (अंतरिती)
3. श्री शादी लाल निवासी मकान नं० 152 प्लाट नं.
9, गली जे, सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है।)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 152, प्लाट नं० 9, गली जे सेक्टर 27-ए,
चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1110, अगस्त 1979
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 2 अप्रैल, 1980।

माहेश:

प्र० अरुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अप्रैल 1980

निदेश सं० एलडीएच/287/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव अन्द

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-XVII-9/15-सी है तथा जो मुहूला संदीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः:—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री हंस राज पुत्र श्री चिरंजी-लाल निवासी मकान नं० बी-XVII-49/15-सी, सन्दीप नगर, लुधियाना। (अंतरक)

2. श्री सरदार सिंह पुत्र श्री किंगन सिंह निवासी मकान नं० बी-XVII-49/15-सी सन्दीप नगर, लुधियाना (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-XVII-49/15-सी, सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना।

(जायदादा, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2327, अगस्त, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 3 अप्रैल, 1980

मोहर:

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अप्रैल 1980

निक्षेप सं० एलडीएच/288/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 264-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० B-XVII-49/15-ती
है तथा जो सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपावढ़ प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 8/79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

1. श्री नरिंद्र कुमार पुत्र श्री हंस राज निवासी बी-
XVII-49/15-सी, सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना
(श्रतरक)

2. श्री सरदार सिंह पुत्र श्री किशन सिंह निवासी मकान
नं० बी-XVII-49/15-सी, सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधि-
याना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-XVII-49/15-सी, सन्दीप नगर,
सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2328 अगस्त 1979
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 3 अप्रैल, 1980

मोहर:

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 3 अप्रैल 1980

निवेश सं० टीपीए/11/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेतीबाड़ी भूमि 56 कनाल है तथा जो गांव छिलवा (नाभा) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय तापा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, जिनमिलिका उद्देश्य से उक्त प्रतिशत निवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं हिला गया है:—

(क) अन्तरण न हुई जिसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिली ग्राम या निमी ग्रन या प्रग्र प्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या | किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री नाजर सिंह पुत्र श्री वचन सिंह निवासी गांव छिलवा ज़ररन अटारनी श्री करतार सिंह पुत्र श्री चूहड़ सिंह गांव छिलवा (नाभा) (अंतरक)

2. सर्वश्री हरदेव सिंह, गुरुदेव सिंह पुत्र श्री मोहन्नर सिंह निवासी गांव छिलवा, नाभा (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृग द्वी

खेती बाड़ी भूमि 56 कनाल जो कि गांव छिलवा नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तापा के कायालिय के विलेख संख्या नं० 1256, अगस्त 1979 में दर्ज है।)

सुखदेवचन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयकर (निरीक्षण)
प्रजन रज, लुधियाना

तारीख : 3 अप्रैल, 1980

मोहर :

प्रश्न प्राईंट टी०एन० एस०—
आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, भवायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अप्रैल 1980

निदेश सं० एम्केएल/7/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खेतीबाड़ी भूमि 26 बीघा 11½
बिस्ता है तथा जो गांव हाथन (मालेरकोटला) में स्थित है
(और इसे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मालेरकोटला में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के निरंतर आयकर आयुक्त नहीं किया
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई निसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी निसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मालीना आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निश्चियां जाता चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रोमति जन कौर विधवा श्री मद्देला निवासी गांव
हाथन, मालेरकोटला
(अंतरक)

2. श्री गुरनाम मिह पुत्र श्री लाल सिंह निवासी गांव
हाथन, मालेरकोटला
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी रुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यशाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविकार्त्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकार्त्यों में से किसी अविकार्त्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविकार्त्य द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीबाड़ी भूमि 26 बीघा 11½ बिस्ता जो कि गांव हाथन, मालेरकोटला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2480, अगस्त, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 3 अप्रैल 1980

मोहर :

प्रूल्य आइ० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 25 फरवरी 1980

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/118/79—80—
अतः मुझे एस० के० बिलग्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी संलग्न सत्रे नं० 56, है तथा जो मौजा यवत-
माल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 13-8-79

को पूर्वांकित सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अद्: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
4—76GI/80

- (1) 1. इसमार्ईक भाई अमृ तेली,
2. श्री चुनी लाल अतुलाल शर्मा, दोनों रहने वाले
सरदार पटेल, चौक यवलतमाल (अन्तरक)
- (2) 1. श्रीमति गीताबाई पुरुषोत्तमदासजी खोटीबाल,
2. श्रीमति द्वौपदीबाई राधेश्याम जी अग्रवाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य जमीन 25.4 एकड़ि सत्रे नं० 56, मौजा यवन-
माल।

एस० के० बिलग्या
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज नागपुर

तिथि 25-2-80

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 25 फरवरी 1980

निदेश सं० फा० सं० आई० ए० सी० /अर्जन/119/79-80—
अतः मुझे एस० के० बिलम्बा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी फील्ड नं० 54/4, प० ह० नं० 34 है तथा जो दिगोरी ता० तथा जि० नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कायलिय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य पासिलियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उपन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधौत —

1. दी असोसिएटेड फैडस कोओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि० नायक रोड, महाल नागपुर (प्रस्तरक)
2. भागाम वर्गीय आदिकासी मंडल फैलैट नं० 624-ए, नेहर नगर सक्करदारा, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तिप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्पत्ताधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध निरी प्रथा व्यक्ति द्वारा अबोहस्तान्तरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपूर्व ग्रन्तों और पर्वों का, जो उक्त प्रतिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्धित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फील्ड नं० 544, प० ह० नं० 34, (1 21 फ्लैट्स)
मौजा दिगोरी, ता० जिला नागपुर।

एस० के० बिलम्बा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 25-2-1980

मोहर :

प्रलूप थाई० टी० एन एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज नागपुर
नागपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निदेश फा० सं० प्रा० आय० ए० सी०/अर्जन/120/79-80—अतः
मुझे, एस० के० बिलम्बा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी पा० ह० नं० 5 खेत नं० 179/9 है तथा
जो बाड़ी नागपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बावेत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपशारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री तुलसीराम काशीनाथ देवदानकर, रहने वाले बाड़ी
ता० तथा जि० नागपुर (अन्तरक)
2. श्री संत ज्ञानेश्वर गृह निर्माण सहकारी संस्था,
हनुमान नगर, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुबूद्धी

जमीन पा० ह० नं० 5 फील्ड नं० 179/9 (जमीन
1.50 एकड़) मौजा बाड़ी ता० तथा० जि० नागपुर ।

एस० के० बिलम्बा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 26 फरवरी, 1980

मोहर :

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निदेश फा० सं० आय० य० सी०/अर्जन/121/79-80—प्रतः
मुझे, एस० के० बिलध्या,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वां के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 106ए, मकान नं० 105 है
तथा जो लकड़गांग नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 6-8-1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आशार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूरे यह विवाद करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नहीं गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी भार की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्ताव के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा ब्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन: यद्यपि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वां के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वां की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात्—

1 श्री दयाराम जै० राजेंद्र, "धनुकुड" प्लॉट नं०
31/10 स्वस्तिक कोओपेरेटिव हाउसिंग सोसायटी, छापरनगर,
पुराना भागदगंज, नागपुर। (अन्तरक)

2 श्रीमति देवीबाई चंद्रुलाल सुगंध, प्लॉट नं० 106ए,
गुडी महाराज गुरुद्वारा के पास, कोटा कालोनी, लकड़गांज
नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी डाकिनियों पर सूचना
की तापोन से 30 दिन की अवधि, और भी प्रबंध बाद
में समाप्त होनी हौं, के भी 10 पूर्वोक्त अधिनियमों में से
किसी अधिकत द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

दावोदारण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और शब्दों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 106ए, मकान नं० 105 (1764स्केम्पर फीट)
लकड़गांज लेआउट, कोटा कालोनी नागपुर।

एस० के० बिलध्या,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 26-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ८८० ८८०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 फरवरी 1980

फा० सं० आय० ए०सी०/अर्जन/122/79-80--- अतः
मुझे, एस० के० बिलब्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 47, मकान नं० 954 है तथा
जो नागपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पुण्य
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायालिय नागपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 9-8-79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री महादेवराज अपाऊजी निवास, शांति नगर, सर्कल
नं० 11/17, नई इतवारी स्टेशन, नागपुर (अन्तरिक्षः)

2. श्रीमति कंचन गौटी मनसुखलाल ठाकरा, जायदाद
स्कूल के पास, बाडर रोड, महाल, नागपुर (अन्तरिक्षः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

अनुसूची

एक आय० टी० प्लाट नं० 47 मकान न० 954 सर्कल
नं० 5/10 वार्ड नं० 24, जुना बगडगंज रोड, नागपुर ।

एस० के० बिलब्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 27-2-1980 ।

मोहर :

प्रकल्प आई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 फरवरी 1980

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/123/79-80—अतः
मुझे, एस० के बिलम्ब्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि आयकर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 22 है तथा जो धरमपेठ नागपुर में
स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख 13-8-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) पीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दरेंग से उत्तम अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित
नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से बुरी किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के प्रतीत अधिनियम व्यक्तियों, जयों :—

1. श्रीमति अरुणी शतीश मोहिले, रिजनल आफिसर
फील्डसेंसर बोर्ड, 44, ब्लाक 'सी', टाईप-5, हैदराबाद हैड्स,
नेपन रोड, मुंबई-36
(अंतरक)

2. श्रीमति कैलाश बनवारीलाल नागपाल, "शांति
भवन" गुरुनन्दा स्कूल के पास, कछड़ी बौक, नागपुर
(अन्तरक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत
के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आलोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
पीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में में किसी अवित
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बातर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, प्रधोहृष्टा-
भारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही बर्द द्वारा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुख

3/5 भाग प्लाट नं० 22 (2979 वर्ग फुट) मौजा पुटाला,
धरमपेठ, नागपुर।

एस० के० बिलम्ब्या
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 27-2-1980।

मोहर :

प्रलेख प्राई० टी० १०० ए० स० ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 फरवरी 1980

फा० स० आई० ए० सी०/अर्जन/124/79-80—
श्रृङ्खला : मुझे ए०स० के० बिलद्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पारवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिवाता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी प्लाट सं० 38 है तथा जो नागपुर में विभिन्न है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तय पाया गया प्रतिकरण विभिन्न उद्देश्य से उक्त अन्तरग निवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग में हुई किसी आय की वाचन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नहीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, किन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आयकर अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, प्रश्ना:—

1. श्री जयप्रकाश नारायण राधाकिसनजी गुप्ता, प्लाट नं० 9-बी, तिलक नगर, नागपुर (अन्तरक)
2. मेसर्स कोशल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, प्लाट नं० 39, नवनिर्माण हाउसिंग सोसायटी लेश्वाडा, नागपुर (अंतरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए जारीकार्यालय द्वारा रखा हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन प्राप्ति के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ निमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकारण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 38 का भाग, हिन्दुस्तान हाउसिंग कंपनी लेश्वाडा जो अमरावती रोड, नागपुर में स्थित है।

ए०स० के० बिलद्या
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 27-2-1980।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज नागपुर

नागपुर-10, दिनांक: 28 फरवरी 1980

फा० सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/126/79-80— अतः, मुझे, एस० के० बिलया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपो के विवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी सं० प० ह० न० 6, खेत नं० 60 तथा 60/2 है तथा जो वधामना, ता० जि० नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण। अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-1979

दो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के चिह्न की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिपत्ति अधिक है और प्रतिफल (अग्ररकों) और प्रतिपत्ति (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश से उक्त प्रतिफल निवित में वास्तविक रूप से कथित तरी किया गया है:—

(क) प्रतिफल में हुई किसी भाष्य की धारा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रसिद्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनुरक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार सर्व में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गणपत पुड्डलीक भेडे, वधामना तह० जिला नागपुर। (अन्तरक)

2. श्री रामकुमार रामबोध तिवारी, प्लाट नं० 160, वारांग नगर, नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्थानिकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अस्याय 20-क में परिचारित है, वही अर्थ होगा, जो उस अस्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य जमीन जिमका खेत नं० 60 तथा 60/2 है, प० ह० न० 6 नथा जो, ता० वधामना में है, तथा जि० नागपुर में है।

एस० के० बिलया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 28-2-1980

मुहर :

बहुप धाई० दी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
268-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 28 फरवरी, 1980

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/127/79-80—प्रतः,
मुझे, एस० के० बिलद्या,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा पया है), की धारा 268-प
के प्रधीन सकल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी मकान सं० 1-2-245 है तथा जो शिवाजी
नगर नांदेड में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नांदेड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तित की गई है पीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्याह प्रतिकरण प्रतिक्रिया है और अन्तरक (बग्गरकों) पीर
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, विभिन्नतिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही हिसी आव की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के
वायिक में कठी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी हिसी आव या हिसी बत वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बड़कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रत्यारिती हारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

उक्त प्रधिनियम की धारा 268-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 268-प की उपचारा (1)
के अधीन, विभिन्नतिक अवक्षियों अर्थात्:—

5—76GT/80

1. श्री मोहम्मद क्षहीरउद्दीन मोहम्मद नसीरुद्दीन कुरेशी,
नांदेड।
(अन्तरक)
2. श्रीमती नूरजहां बेगम मोहम्मद अब्दुल करीम सीदूदीकी,
इतवारा, नांदेड।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी घम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित है,
वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यु० मकान नं० 1-2-245, शिवाजी नगर, नांदेड।

एस० के० बिलद्या,
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 28-2-1980

मोहर:

पूर्वप धाई० टी० एम० प्रब०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-II, बंबई

बंबई, दिनांक 1980

सं० ए० आर०-II/2816.4/प्रा० 79—अतः, मुझे, ए० एच० तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का लाभण है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 16 (पार्ट) सी० टी० एस० नं० 997/2 (पार्ट) प्लाट नं० 12 सी० टी० एस० नं० 997 और 997/1 है तथा जो जुहू तारा रोड में स्थित है (ओर इससे उपार्थ अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीष्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-79 (विलेख सं० एस० 310/78) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयाग्रूहिक नियम का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रगतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रगतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) प्रगतरण से दुई किसी आय की वार्षत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पन्तरक के वायित्व में कठीन करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, पै, उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. डाक्टर मुराद डी० उमरीगर। (अन्तरक)

2. मैमर्स फिरोज ईस्टेट प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में ने किसी अवित्य द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अवित्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरता:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस/310/78/बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 18-8-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-II, बम्बई

तारीख :

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

1. मालती श्रांगमा 2. जयश्री (अन्तरक)

2. श्री जोसफ मात्यु (ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोषीन-16, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 322/79-80—अतः मुझे के०
नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 4-8-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

Right over 58.5 cents of land with buildings as per
schedule attached to doc. No. 2829/79.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

के० नारायणा मेनोन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-9-1979

मुहर:

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन्. एस.—

1. श्री जोसफ मलाय

(अन्तरक)

2. जार्ज तोमज

(जूनियर)

(प्रत्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय होना है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम्,

कोचीन-16 दिनांक 12 मार्च 1980

निवेश सं० एल० सी० 404/79-80—अतः मुझे बी०
मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो विजयपुरम
विल्लेख में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय कोहम में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/8/79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

7 cents of land in Sy. No. 67/1A/3 of Vyayapuram
Village.

बी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिका०।
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज एरणाकुलम्

तारीख 12-3-1980

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

कोचीन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निदेश सं० एल० सी० 407/80—81—अतः मुझे
वी० मोहन लाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

प्रौढ़जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोटपुरम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
रिंगित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय कोडूनालूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन 8-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवातः:—

1. श्री यूसफ (अन्तरक)

2. श्री देवसी और फिलोमिना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यालयित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरिती अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्यों द्वारा प्रवोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

33 Cents of land with buildings as per Schedule attached
to doc No. 1929/79.

तारीख: 8-4-1980

मोहर:

प्रस्तुत थाई. टी. एन. एस.-----

1. श्री कें० सी० वलसन

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमति डी० ए० शारदा

(ग्रन्तरक्षिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोषीन-15, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निवेश सं० एल० सी० 408/80-81--अतः, मुझे, वी०
मोहन लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो लोकमलेखरम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडनालूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 4-8-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

23 Cents of land with buildings as per schedule attached
to doc No. 1908/79.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8-4-1980

मोहन:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

एरणाकुलम-16, विनांक 8 अप्रैल 1980

निवेश सं. एल. सी. 409/80—81—अस: मुझे
वी. मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ए के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है, और
जिन्हीं में अनुभूति के प्रयोग है, जो तिरुवनन्तपुरम में स्थित
है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय वनगान्तूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथानुभूति पंरति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के शीब्र ऐसे प्रत्यरोग के निःतप पाया गया प्रति-
कार विनाशित उद्देश से उक्त प्रत्यरोग विक्षित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय पाराहर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 127)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्राहक प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के प्रत्युपरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपाधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जानावीयम (अन्तरक)

2. श्री कें सी. चान्दी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
मर्यादा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No.
1993.

वी. मोहनलाल
संकाय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-4-1980 ।

मोहर:

प्रकरण नं. ३०१० एल० एस० ८८०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
26७-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

कोटीन-15, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निवेश सं० एल० सी० 410/80/80—८१—प्रत मुम्बे
वी० मोहनलाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
वी० धारा 26७-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वायत्र दर्शन, विस्ता अधिकार वाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम
में स्थित है (और इससे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेनगानून
में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन 2-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उक्ते वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, विनालिकित उद्देश से उक्त प्रस्तरक विनालि में वास्तविक
रूप से कमित नहीं किया जाता है।—

(क) अस्तरक से ही किसी वाय की वादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय वा किसी छन या वस्त्र वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे प्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26७-व के प्रस्तरक में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26७-व की उक्तारा (1) के अधीन,
विनालिकित अक्षितियों, अवार्ति:—

१ श्रीमति जानादीपम

(अन्तरक)

२ श्री जोजे मात्यू

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतीन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी आत्मेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें अक्षितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से
किसी अक्षित होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वायत्र सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अक्षित होता प्रश्नोद्घस्तानी के पाल
विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बधाय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही पर्व होगा, जो उक्त प्रधाय में
दिया जाता है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No.
1994.

बी० मोहनलाल
मध्यम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज एरणाकुलम

तारीख : 8-4-1980
मोहर.

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1980

आरो० ए० सी० नं० 1036—अतः मझे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो में स्थित है
(और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (108 का 16) के अधीन
9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

'व्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रथति:—

6-76GI/80

1. श्रीमति बी० कामेश्वरमा, शिवाजी सैटरप्रंदर, विजयवाड़ा
(अन्तरक)
2. श्रीमति माजेटि बेबी सरोजिनी विजयवाड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की प्रतिधिया अनुसन्धानी अधिकारीयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रतिधियि, जो
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (व्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में
हृतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी के पालिक अंत 30-9-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6580/79 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति ।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्रस्तुत प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1037—अतः मझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उत्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रयोग सभान प्राधिकारी को, पढ़ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उत्तिवाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नरसारावपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरित (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय नाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्ता प्रन्तरण निम्निन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यात् :—

1. (i) श्री ताडेपल्ली शंजनेया सास्त्री, (ii) ताडेपल्ली सुब्रह्मण्यम () श्रीमति ताडेपल्ली मानिक्याशा (iv) श्रीमति ताडेपल्ली सीतारामा सास्त्री (v) ताडेपल्ली हनमंता सास्त्री नरसारावपेट । (अन्तरक)

2. श्री मेल्ला चेश्वर दीमोल्टा गुप्ता, मेजट व गार्डियन दीराज-नेमुलु नरसारावपेट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावधान में प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सरदोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथा होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

नरसारावपेट रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 4378, 4381 और 4379 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-4-1980
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री सिंहश तिरुमलाराव, (ii) सिंहेश नरसिंहाराव,
(iii) सिंहेश रमेश विजयवाड़ा। (अन्तरक)

2. मेसर्स पापुलर शॉ मार्ट, विजयवाड़ा। (अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निवेश सं. आर० ए० सी० नं० 1038—अतः, मुझे, के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है, जो

में स्थित है (और इससे उपायद्रू अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 9/79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की था नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषु.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहु विस्तृत अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक अंत 15-9-70
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5872 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-4-80

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

प्रूल्प आर्द्ध. टी. एन. एस. —————

1. चौ० तिश्मलाराय, मेसर्स पापुलर शू मार्ट, विजयवाड़ा
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स पापुलर शू मार्ट गांधीनगर, विजयवाड़ा
(अंतरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 अप्रैल 1980

सं० आर० ये० सी० न० 1039—अतः मुझे के० के०
बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 9/79 :

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हार्दि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5871 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 14-4-1980।

मोहर :

प्रलेप मार्गी० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद
हैदराबाद दिनांक 14 अप्रैल 1970

सं० आर० ये० सी० नं० 1040—अत् मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में भर पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 9/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, भर्ता:—

1. श्री काटेपुडि रामाक्रिष्ण्या रामूलवाडी मंदिर के पास,
पटमठा विजयवाड़ा
(अन्तरक)

2. श्री चलुवादि सत्यनारायण गुलाबचंद स्ट्रीट, विजय-
वाड़ा
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षियाँ द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अविक्षियाँ द्वारा अद्वौहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाश्चिम अंत 30-७-७९
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6686 में निगमति अनुसूची
संपत्ति।

के० के० वीर
सभम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14-4-1980 ।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद घिनाक 14 अप्रैल 1980

आर० ए० सी० नं० 1041—प्रतः मुझे के० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय गंगूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिष्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

1. ऐकजिक्यूटिव आफिसर श्री जगन्नाथ स्वामी श्री आज्ञ
नेयास्वामी और वेंकटेश्वरस्वामी द्रस्ट, गुंटूर (अन्तरक)

2. श्री टी० पी० षन्मुखम संदर पिल्लै नं० 3 नानाराज
नायुड स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्म में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी
अन्य अविक्षित द्वारा, अवोहस्ताकारी के वृत्तास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

“

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक 31-8-1979 में
पंजीकृत वस्तावेज नं० 5069 में निगमति अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-4-80

मोहर :

प्रकरण नं. ३१० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के प्रभीन सूचना

भारत भूस्कार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं. आर० ए० सी० नं० 1030—आम॑ मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की बारा 269-व
के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एषए से अधिक है।

और जिसकी सं० है, जो

स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम है वृथमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यसापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य पे उक्त प्रत्यरूप निकित में आसानीक रूप से
कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यरूप से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या .

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविमा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रविनियम जो भारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अथवा :—

1. श्री सत्यद मोहन्मद आली, विजयनगरम (अन्तरक)
2. श्री पेंटपाटि विजयनगरम (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तासंबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी
अवित्यों की होती हो;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी
अन्य अवित्यों की होती हो, जो उस अवधाय में दिया गया है।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों की यहां सभी, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिमाणित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिष्ठ अंद 15-8-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3055 में मिगमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 21-3-1980

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० ए० एस०-----
आमकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की आरा
269-प (1) के प्रत्येक संचाला

भारत सरकार

अर्जन रेण, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निरेश सं० आर० ये० सी० नं० 1031—प्रतः मुझे के०
 बीर
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के
 अधीन सकाम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो में स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यरक (प्रस्तरकों) और अभ्यन्तरी (अभ्यन्तरितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिशत, जिसनिवित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित वें वास्तविक रूप से कठित माही किया गया है:-

- (क) अस्तरज मे हुई किसी आय की वाचत, उक्त अधिनियम के प्रभाव कर देने के अन्तररक के वापिस्य मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अम्य आहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त प्रविनियम की वारा 269-ए के प्रत्युमरण में, ये, उक्त प्रविनियम की वारा 269-ए की अपवारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त हैं।—

1. श्री वेनिगल्ला प्रभाकराराव विजयवाडा (अंतरक)
 2. श्री आगे सीतापतिराव, विजयवाडा (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अंतर्गत कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप । ।

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किमी यथ्य व्यक्ति द्वारा, यद्योग्यताशरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्राकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रन्थिनियम के अध्याय 20-क में परिचारित है, बहो पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુભૂતિ

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिश ग्रांत 30-8-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5191 में निर्गमित अनसूची
संपत्ति।

के० के० वीर
समाज प्राधिकारी
सहायक आवकार भ्रायुक्त (निरीकण)
अर्जुन रेण्डैदरबाद

दिनांक : 21-3-1980
मोहर :

प्रस्तुप आइ०. टी. एन. एस.-----

1. श्री बंला शिवप्रसाद, तेलागुयापालम (अन्तरक)

2. श्रीमति मन्मेष अमरेश्वरी निङुबोलु (अन्तरिस्ती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1032—ग्रतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो
स्थित है (और इससे उपाधद अनसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोनूर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन 15-8-1979
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एमें इस्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या;

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

7-76GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयहाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भैं हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भैं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पोनूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1058 में निर्गमित अनसूची
संपत्ति ।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 21-3-1980

मोहूँ;

प्रकृष्ट प्राई. टी.एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन मूच्चा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं. आर० ए० सी० नं. 1033—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोश्चर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ८५ के दृश्यमान प्रतिफल के त्रिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभे के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तररु) और अन्तरितो (अन्तरितिग) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नहीं पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से नहिं नहिं दिया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई निमी आय नी बाबा उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशासा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बोंडल सौमय्या, तेलगायापालेम गांव, पोश्चर तालूक (अन्तरक)

2. श्रीमति उप्पाला वसुदरा देवी, गोवाडा नेताली-तालूक (अन्तरिती)

ने यह पूर्वान्तर रुपों रुपों पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति का अर्जन के सम्बन्ध में नोट यो ग्राहक :—

(क) इस मूच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या उक्त सम्पत्ति अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी अर्थात् बाबू में समाप्त होती है, के नोटर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस मूच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किये प्रत्येक अविक्षित द्वारा, प्रवासीकारी के पास लिखित में किए जा नहेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रव्याप्त 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अव्याप्ति में दिया गया है।

अनुसूची

पोश्चर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं. 1059 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 21-3-1980

मोहूर:

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 1034—ग्रतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, नथा जो मैं
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से
अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेहापुरम,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 31-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिकोण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टिकोण का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(र) अन्तरण न हुई फिरी आय की जावा उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्त्र
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; प्रीर/या

(छ) ऐसी फिरी आय या फिरी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तोर्ता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों पर्याप्त:—

1. (i) जंगारेड्डी माधवाराव (ii) जे० गोपालराव
(iii) जे० वेंकटराव (सन्स आफ लक्ष्मणराव) (iv) जे०
वेंकटराव सन आफ कोटव्या (v) जे० कोटेश्वरराव (vi)
वेंकटरमनम्मा (जे० वेंकट राव के बेटे, मजकूस) (vii) येलि-
सेट्टी विजयकुमारी वल्लभूर (viii) देवल्ला गुरराजु (ix)
डंडवल्लि सत्तिराजु (x) नक्कलापुडि बापिराजू (xi) जे०
श्रीधर (मैनर) वै गाडियन माधवराव (xii) रमेश (xiii)
नामेश (xiv) श्रीनिवास मैजर सन्स आफ वेंकटराव मजकूस
(अन्तरक)

2. श्री मट्टे आदिनारायण, एम० नागार्जुण, पेदापुरम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नात्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किस अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अवोहस्ताशरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेहापुरम रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 31-8-79
में पंजीयन कुल दस्तावेज नं० 1800 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 21-3-1980।

मोहर:

प्रस्तुति प्राइंटी ट्री० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधार
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षक)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिसंबर 21 मार्च, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1035—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ब के अधीन
सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सदृश्यता, जिसका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रविष्ट है
और जिसकी सं० है, तथा जो में
स्थित है (और इससे उपायद्रव्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 31-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रतिक्रिया (अन्तररक्षा) और प्रतिरक्षा (प्रतिरक्षित)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा आय गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) का उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती
द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पर, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब की उपलाय (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

1. श्रीमति दवारंपूडि भानुमति काकिनाडा (प्रत्तरक)

2. श्री कोरा भास्कारा नारायनामूर्ति और कोरा प्रभा-
पूर्णमामा, काकिनाडा (प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों सुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेण ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अविक्षितों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में फिर आ सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
वया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक अंत 31-8-79
में पंजीकृत वस्तावेज नं० में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षक)

अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख 21-3-1980
मोहर :

प्रकृष्ट शार्ट टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० NV 1/80-81—अत मुझे, के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष(1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 357/1 है, जो मलकाजीगीरी सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1979 अगस्त को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी उसके या उससे जचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम द्वी धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष(1) की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जातः—

1. श्री एम० एस० राजू जी०पी०ए० महमद घरराद अली खान नं० 32 उपरगुड़ा हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरक)

2. इन्डस्ट्रियल बरकरास और बीकर सेक्सन कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि० प्रेसीडेंट श्री टी० येलया 805 एस० आर० टी० शान्तनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उपमन्दी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा अधोदृष्टाभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हप्तोकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृती

कृषि जमीन सं० नं० 357/1 जो मौलालि गांव हैदराबाद ईस्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 8085/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्रस्तुत बाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 प्रप्रल 1980

ग्राह० ये० सी० नं० 2/80—81—ग्रत मुझे के० के०
बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अन्तर्न सभी प्राधिकारी को पहले विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, रिपोर्ट बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है।

और जिसकी सं० नं० 357/1 है, जो मौलालि गांव हैदराबाद ईस्ट में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को वर्तमान सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित का गई है और मुक्त यू० विश्वास करने का कारण है कि वायापूर्वी भवासि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त यमारण निवारण में वास्तविक काम में रथित नहीं हिता है।--

(क) अन्तरण से दूरी की आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिन के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अतिरेकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिहाने में सुविधा के लिए।

उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 268 की उपधारा (1) के अन्तर्न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

1. श्री एम० एम० राजू, जी० पी० ए० श्री खुशीद अली खान, 32-1, उपरीगुड़ा में रहते हैं (अन्तरक)

2. इन्डस्ट्रियल क्लिकरस सेक्शन कोग्रेसरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० जिसके प्रेसीडेंट टी० यदुव्या गौड घ० न० 805 एसआरटी शान्तनगर हैदराबाद में है। (अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिराली जमीन सं० नं० 357/1 जो मौलालि गांव हैदराबाद ईस्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन न० नं० 7813/70 उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में है हुआ है।

के० के० वीर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एस० एम० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर० य० सी० न० 3/80-81—अतः मूझे, के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 357/1 है, जो मौलाली गांव, हैदराबाद ईस्ट में स्थित है (और इससे उगाढ़ ग्रन्थुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविनाशी, प्रयोगः—

1. श्री एम० एस० राजू, जी० पी० ए० मोहम्मद सुजाद अली खान और दूसरे घर नं० 32 उप्पारगुडा हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. हॉल्डिंग बरकरास और वीकर्स सेक्शन कोप्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोमायटी लिं० जिसके प्रेसीडेंट श्री टी० एलप्यागोड़, घ० नं० 805 एस० आर० टी० शान्त नगर, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रमेण के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तो हरणः—इसमें प्राप्त गच्छों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त प्रधान में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

जमीन जो सर्वे नं० 357/1 (पार्ट-2) में है, विस्तीर्ण 14, 400 वर्ग मौलाली गांव, हैदराबाद ईस्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 8010/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में हुआ है।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्रस्तु पाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

गार्डीन, पश्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर० य० सी० नं० 4/80-81—प्रा॒ मुझे, के०
के० वी०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पर बात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन नक्श प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिपला उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० 6-1-298/3/ए और थी है जो अंकटापुरम कालोनी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रगत
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो वृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तित्व की गई है और पुस्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का
प्रभव प्रतिगत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और पन्त्रिति (प्रत्यारितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तथा वाया वाया प्रतिकर, विनिविक्त उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण,
निविक्त में वास्तविक करने के लिए नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
घोटाया

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, जिसमें
में सुविधा के लिए;

प्रा॒ पर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रनुनरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1)
के प्रधीन, विनिविक्त वर्कियों, पर्यात :—

1. श्रीमति इमलाक्ष्मीनिसा बेमम पत्नि सत्यद अक्सर अली
खान, घ० नं० 1-4-1760/1 वी बाकाराम हैदराबाद में
रहते हैं।
(अन्तरक)

2. श्री एम० ए० साफिद (2) एम० ए० सोभी, (14-
ए, अन्सी लाल पेठ) घ० नं० 6-1-298/3 ए और थी, अंकटा-
पुरम कालोनी, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यकालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेषः—

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
मिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

घ० नं० 6-1-298/3/ए और थी अंकटापुरम कालोनी,
पदमाराबनगर, सिकन्दराबाद, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं०
2003/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में हुआ
है।

के० के० वी०
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्रस्तुत भाईड़ दो० एन०एम०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का प्राप्त
269-व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

दिवंश सं० ग्राह० ये० सी० नं० 5/80-81—यतः मुझे,
के० के० भीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन समस्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० हाल नं० 4 में है, जो 4-1-938/आर-9
और 10 तिलक रोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायालिय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्य में हमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; भीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961
प्रतिक्रिया अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा ने निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, ग्रथीत :—

8-76GI/80

1. मेसर्स श्री कृष्णा कन्स्ट्रक्शन कं० 5-8-612 आविद
रोड में है।
(अन्तरक)
2. श्री भीर विकार मुलतान 5-1-683 कट्टलमन्डी हैदरा-
बाद में रहते हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त 'सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कायालियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्तरी अवितरणों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भावत पूर्वोक्त
अधिनिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भैं दिन वदा
किसी भी व्यक्ति द्वारा, अधीक्षातरी के पास
विवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों घोरदां का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भावित है, वही पर्याय होगा, जो उन अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक हौल विल्डिंग नं० 4-1-938/आर-9 और 10
के चौथी मंजिल पर है। जो कृष्णा काम्लेक्स बिल्डिंग तिलक
रोड पर है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4847/79 से
जाइट उप रजिस्ट्रार कायालिय हैदराबाद में हूँगा है।

के० के० भीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद
तारीख 2-4-1980
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर ये० सी० नं० 6/80—81—ग्रतः मुझे के० के० वीर

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिवाहा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी० 1 है, जो एस० पी० रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ग्राम्यस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए सम्पत्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से पर्याप्त है और सम्पत्तक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रभारण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्ननिम्नित्र उद्देश से उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं रखे हिस्सा गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
ग्रीष्म/पा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथम ग्राम्यांकों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा ग्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग में ग्रन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्ननिम्न व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्रीमति दिलावर बानू पर्सि के० ए० सिद्धीकी घर नं० 8-2-542/2 जो रोड नं० 7 बज्जारा हीलज, हैदराबाद में रहते हैं।
(ग्रन्तरक)

2. श्री मुमताजीबुद्दीन जी० पी० ए० डॉ० महमद मुनीरीहीन फ्लैट नं० सी० 1 जो दिल्लू आपार्टमेंट बेगमपेट सिकन्दराबाद में रहते हैं।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति ने प्रत्यंते सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित नं० किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमापित है वही प्रयृ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी०-1 जो दिल्लू आपार्टमेंट बेगमपेट सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० सं० 4466/79 से जाइन्ट उप रजिस्ट्रार हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्राहर आई० टी० एन० एस०----
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 प्रप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 7/80-81—अतः मुझे, के० बीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो दिल्ली आपार्टमेंट सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रगत 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र० प्रतिगत प्रधिक है और प्रतिफल (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसार, अधीन, निम्नलिखित अन्तरण, प्राप्ति:—

1. दिल्ली आपार्टमेंट्स, 4-1-877 तिलक रोड हैदराबाद (अन्तरक) में है।
2. श्रीमति रामा राव 27-सी वेस्ट नेहरू नगर सिकन्दराबाद में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरहांधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तानी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थगीरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अधार 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उक्त प्रधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 पहली मंजिल दिल्ली आपार्टमेंट में एस० पी० रोड सिकन्दराबाद। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 40003/79 से जाइट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुई है।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख 2-4-1980
मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 8/80-81—अतः मुझे,
के० के० वीर

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट भी है, जो दिल्ली आपार्टमेंट सिकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह
प्रतिगत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यात्रा गया
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से ऊर्ध्वा नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी ग्राम की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उपर्युक्त बचतों में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, प्रयत्नः—

1. विल आपार्टमेंट्स मेनेजिंग पार्टनर श्रीमति दिलबर
बानू 8-2-542/1 रोड नं० 7 बन्जारा हिल हैदराबाद
में है।
(अन्तरक)

2. श्री महमद आली खान 5-3-835 नल्लाकुन्टा हैदराबाद
में रहते हैं
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेयः—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित
हैं, वही प्रत्येक होगा, जो उपर्युक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लौट बी-1 जो सर्वे नं० 69 रसुलपुरा सिकन्दराबाद में है
जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3970/79 से जाईंट उप
रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है

के० के० वीर
सभाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 2-4-1980

मोहरः

प्रकृष्ट प्राइंटी टी.एस.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदाएँ

269-घ (1) के मध्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 9/80-81—अतः, मुझे, को० के० वीर,

आयकर अधिनियम 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-घ (1) पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26-घ के प्रधीन सत्त्वन प्राधिकारी को, यह विश्वाम करन का कारण है कि सराव सम्पत्ति, असवा उन्नत बाजार मूल्य 25,00/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० जे/3 है, जो दीलु अपार्टमेंट्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के 11 ग्राहिरा को गई है और मुझे उक्त विश्वाम करने का कारण है कि यथागूर्खीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य। उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत भावना है भारत सरकार (भारतको) और घन्तरिं (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अस्तिरण के निए नव पारा वा शर्तानुसार, निम्नलिखित उद्देश से उन अन्तर्यामिकियों में वास्तुकिय व्यवस्था की जिगाबदा है—

(क) भारत में ही निवी वाप की वाक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उक्त वाक्त में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंवा धारा वा किंतु धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया गया थाहिए था, जिसमें से स्विकार के लिए।

अब, अब, उक्त अधिनियम 1922 का अनुसरा 103-ए में, मैं, उक्त अधिनियम 1922 की उपरांत (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. श्रीमती दिलावर बानू पति के० ए० सीहीकी, बनजारा हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री अहमद बलीयीदीन, 12-2-837/3, आसिफ नगर, हैदराबाद। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी हि॒के उक्त सम्पत्ति के उक्त के लिए लागाहिया करना है।

उक्त निर्दिश के उक्त के उक्त में रा. ना ग्राहितः—

(क) इस सूचना के उक्त वाक्त में ग्राहित की गयाह से 45 दिन की अवधिया उसमन्वयों अवधियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मापात होती है, के भी उक्त पूर्णांक अवधियों में किसी अवधि नहीं।

(ख) इस सूचना के उक्त वाक्त में ग्राहित की तामील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितपद्ध किए अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताकरी के पा लिखित में किए जा सकें।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम द्वारा प्रयोग 205 में परिभाषित है, वही अन्य होगा, जो उक्त प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए०/३ दूसरे मन्जिले पर रसूलपुरा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4247/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख : 2-4-80

मोहर:

प्र० रुप आर० टी० एन० प० स० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापक
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 10/80-81—अतः, मुझे,
के० के० और
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापक
269-प(1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है, जो बनजारा हिल्स में
स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्णरूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिक्रिया के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

घटा: अब, उक्त अधिनियम की व्यापक 269-प के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की व्यापक 269-प की
उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित घटितीयों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जीरा अलम बरदार (2) मुमताज हसन, 11-5-
405, रेजिस्ट्री, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री के० रामगोपाल रेडी प्लाट नं० 60—श्रीनगर
कालोनी, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी घटितीयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिधि वाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त घटितीयों में से
किसी घटित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद किसी
प्रथम घटित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पाय लिखित
में किए जा सकें।

स्थानोकरण - -इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही
अर्थ होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 विस्तीर्ण 816 वर्ग यार्ड, रास्ता नं० 3, बन्जारा
हिल्स, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2176/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० और
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 2-4-1980

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 11/80-81—अतः मुझे, के०
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 6-1-114/1 है, जो दमाराप नगर में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क्क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती श्रीनाथीराय चौधरी पत्नि श्री ए० के० राय चौधरी
म० न० 4 अजीजकार्ट रोड, कालोनी, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. डॉक्टर शोरले सुन्दरराज 6-1-114/1 पदमाराउ नगर
सिकन्दराबाद । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी या
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अर नं० 6-1-114/1 पदमाराउ नगर, सिकन्दराबाद
रजिस्ट्री घस्तावेज नं० 1916/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2 अप्रैल, 1980
मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमति विमलान्ती बेंकटम्मा 19/4 बरकतपुरा
हैदराबाद
(अन्तर्रक्ष)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्रीमति पेद्दी कनकातारा पति श्री राजव्या रामपालजी-
गांव मेडनेल तालूक
(अन्तर्रक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० य० सी० म० 12/80-81—अतः मुझे के०
के० बीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी सं प्लाट नं० 8 है, जो मेन प्लाट नं० 10
ललपेट में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;उप प्लाट नं० 8 मेन प्लाट नं० 10 में है सरवे नं० 182
बैकम्पानुन्डा लालगुडा—सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज
नं० 1933/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।के० के० बीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादअत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—तारीख : 29-4-1980
मोहर :

प्रधाप प्राई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं. आर. यॉ. सी. नं. 13/80—81—प्रत: मुझे के०
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है नि स्थावर सम्भाल, विषया उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है।

और जिसकी संख्या सरवे नं. 141/4 है, जो नादरगुल
जिला रंगारेड्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ग्राहक 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वद्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया अनियन्त्रित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विधि में शाहदिल रूप में कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बादत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यह: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उच्चारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामभाई पिता रणछोड़जी पठेल 9-10 सरजन
सोमाईटी, जाकतनका अथवा लाइन, सूरत, गुजरात। (अन्तरक)

2. श्री एम. वेस्कटराऊ पिता जनारदन राऊ 10-2-4
ईस्ट मरिड पल्ली सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अवधि में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में नमान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्धताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्थानीयता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों 'ओ' वर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्त्य होंगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

कृषि जमीन सरवे नं. 141/4-नादरगुल हैदराबाद
ईस्ट में जिला रंगारेड्डी वस्तावेज सं. 8246/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक-24-1980

मोहरः

प्रकल्प पार्टी० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० आर० य० सी० नं० 14/80-81—अतः मुझे के० के० थीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवाहम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे नं० 141/3 है, जो नादरगुल गाँव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रमाणक के दायरेय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्रत्यक्ष कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहा किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणत:—

1. श्री बलबधाई, घर नं० 9-10-सुराजन सोसाईटी
गुजरात। (अन्तरक)

2. श्री एम० वेंकटराऊ, 10-2-4-ईस्ट मारेडपल्ली सिकन्दरा-
बाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी अधिकारी पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी प्रथम अधिकारी, अधोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर वर्णन का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन सरवे नं० 141/3 नादरगुल गाँव। हैदराबाद ईस्ट रंगारेड्डी जिला में 8.12 एकड़ रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 8245/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० थीर,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 2-4-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

1. श्री यासकी सनगथ्य पिता नारायण धोबीगल्ली
तनदूर। (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री गोपी किशन बलदेवा तनदूर। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी०न० 15/80-81—अतः मुझे के०
के० बीर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानवर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4-1-88 है, जो गनबाजार तानदूर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तानदूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानवर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
या है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;मलगी नं० 4-1-88 गर्वज बाजार तानदूर में रनगाररेही-
जीला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 851/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय
तानदूर में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-4-80

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्डारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

1. श्री मही रंगनाथ साई गुन्टूर सुदर्शन होटल ।
(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जी० एस० रेही सूयपिट नालगोंडा । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निकेश सं० आर० ये० सी० नं० 16/78-79—अतः मुझे
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 48 है, जो आदर्शनगर में स्थित
है (श्री इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भै समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुली जमीन नं० 48 आदर्श नगर कालोनी हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4913/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर० ए० सी० नं० 17/80—81—प्रतः मुझे के०
के० थी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269ग
के अधीन सभी प्राविधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/-ना ए
से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1218/6/2/बी है, जो बेगमपट
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपांडड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अगस्त 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुप्रवाह प्रतिशत अधिक है
और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियाँ)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव गया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में किसी नहीं गा उत्तो बनने में युक्तिवा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुषिधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात्:—

1. श्रीमति जैबाधरजाना मैसर्स ए० पी० कनस्ट्रक्शन कम्पनी।
10-3-304/12 हुमायूंनगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमति वी० ऊमारानी 6-3-1218/6/2/बी ऊमा-
नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीनर पूर्वोक्त अविक्तियों में
से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य वयक्ति द्वारा अप्रोह्याक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अधार्य 20 के परिभाषित है वही
प्रथम होगा जो उन अधार्य में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-1218/6/2/बी- ऊमा नगर-बेगमपेट-
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2146/79 उप रजिस्ट्री कार्या-
लय कैरताबाद में।

के० के० थी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 2-4-1980

मोहर:

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं ० आर० य० सी० न० 18/८०-८१—अतः पश्चे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
से के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० 12-२ - ८२६/२ है, जो गुडीमल्कापुर में स्थित है
(और इससे उपावन्न अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी जिसी आय पा किमी धन या अन्य आस्तिदों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. डॉक्टर महमद अनवर हुसैन 12-२-८२६/२ गुडी-
मल्कापुर हैदराबाद (अन्तरक)
- 2. श्रीमति पतीमा बेगम पति मक्सूद अहमद 12-२-८२६/२
गुडी मल्कापुर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं ० 12-२-८२६/२ गुडीमल्कापुर हैदराबाद रजिस्ट्री
दस्तावेज नं ० 4786/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
में।

के० के० वीर

सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 2-४-१९८०

मोहर:

प्रकृति प्राइडो० ११० ए५०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 19/80-81—अत. मुझे,
के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8/153 है, जो गड़ी अन्नागम गांव में स्थित
है (और इससे उपाख्य अन्नसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्नरक्त (अन्नरक्तों) और अन्तरिती (अन्नरतियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्नरक्त निकित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रथम के ही किसी आय की आवत, उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रमाण के शायित्व
में कमी करने या उसमें बनने वाली के लिए
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें गार्हीय प्राप्ति अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार्य
अन्नरक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुदिष्ठा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
दण्डादा (1) के अधीन, निम्ननिवित अविक्षयों प्रवर्त्ति :—

1. श्रीमति पी० राजालीलागम्मा अति राज वीरया
8-153 गडी अन्नारम हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमति वीजयाकुमार उपाध्याया 16-2-501/डी/
2 मनकपेट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के पंचम में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस तूदा के राबरद्द में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उन्सबंधी अविक्षयों पर सूचना की
नामीन ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
गमाप्त होती है, के भोतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी
शक्ति द्वारा,

(ख) इस तूदा न राबरद्द प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवास की
पूर्ण अवधि द्वारा, अन्नरक्ती के पास लिखित में
कि। जा सके।

इष्टोक्तरण — इसे प्रयुक्त शब्दों 'प्रा' द्वारा का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधानाय 10क में परिचित
है, वह प्रयोगादा जा उक्त मध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-153-गडी अन्नारम लाठ नं० 4-हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 8732/79 उक्त रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० बीर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 2-4-1980

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 20/80-81—अतः मुझे, के०
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सरवे नं० 6, 7, 8, है, जो बहादुरगढ़ा
गाँड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिम
(अन्तर्रातियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ घाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अनीज अजमश खातून 16-11-15/19/2 सलीम
नगर कालोनी हैदराबाद। (अन्तरक)

2. स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद एम्प्लाइज को-ऑपरेटीव
हाउसिंग सोसाइटी लि० बदाबुरगढ़-II, गुनफाऊनडरी, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

जीरायती जमीन सरवे नं० 6, 7, और 8 वीस्टन 9 एकड़
18-गुनटास बहादुरगढ़ा गाँड़ हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 8448/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

माहेश:

पत्र प्राईटी एवं प्रसा—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 1026—अतः मुझे के० के० शीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो प्रकाश नगर राजमन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमन्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुत (प्रस्तुतरकों) और प्रस्तुतिरती (प्रस्तुतरितियों) के बीच ऐसे असंरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त असंरण निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —

(क) अन्तर्गत सुई निसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में दुष्यित्रा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या व्यापक आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दुष्यित्रा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों पर्याप्तः—

10—76GI/80

- 1. श्रीमति वास्तवी जानाकीया पति वेंकटरामाराज-मधीनी तनकु-तालूका।
(प्रस्तुतक)
- 2. श्री रुद्रराजु रामाराजु 13-19-प्रकाशनगर राजमनडी।
(अन्तरिती)

को १५ मून्हा जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के वंशज में छोड़ी भी आक्षेत्र :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्वीरियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें द्वितीय किसी प्रभ्य अस्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रद्दों का, और उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिधावित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4226-अगस्त 1979 के प्रनुसार रजिस्ट्री कार्यालय राजमनडी में।

के० के० शीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रूफ आर्ड. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० श्रार० ये० सी० नं० 21/80//81—अतः मझे के० के०
वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6 श्रीग७ है, जो सोम्पजीगुडा
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है) है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खैरतरबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अगस्त 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जितेन्द्र राय घ० नं० 6-3-1238 सोम्पजीगुडा
हैदराबाद में रहते हैं।
(अन्तरक)
2. श्री धन लक्ष्मी कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी जरिये
सेनेटरी श्री रामकृष्णरेड्डी दुकान नं० 16 इनडोर स्टेडियम
फतेह मैदान हैदराबाद में है।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक समिति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त समिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बूध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6 श्रीर 7 सोम्पजी गुडा हैदराबाद में विस्तीर्ण
1200 बर्गगज है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 2235/79
से उप रजिस्ट्रार कार्यालय खैरतरबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980।

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० ईन० एस०---
अयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर श्राव्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक: 10 अप्रैल 1980

सं० आ० य० सी० नं० 22/80--81--अतःमुझे के०
के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' इडा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 15-8-249, 285, 287 है, तथा जो बेगम
बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपांवड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशन अधिकारी
के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण इसकि व्यापूर्वीन प्रमत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत त अधिक है और
प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरतियों), के बीच
ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उत्तर से उक्त अन्तर निश्चिन में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण या हुई किसी आय का बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन करदेने के अन्तरण के शायद
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
छनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (1) हेमराज, (2) बेहरूलाल (3) सरदार
मल्ह (5) पुनम चन्द (5) दिलीप कुमार यह सभ 15-8-
249, 285 बेगम बाजार में रहते हैं। (प्रत्यक्ष)

2. श्री के० सी० मानिकचन्द गोंग, घ० नं० 10 घरम-
राजा, कोइल स्ट्रीट सैदापेट, मद्रास में रहते हैं। (अन्तरित)

मैं पूर्व सूचना जारी करने पूर्वक सम्पत्ति के प्रमेत के
निए नार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या उत्तममध्ये अविक्षियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवर्तित बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में ने
किनी अविक्षित दारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रद्वारा किसी
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताभरी के पास निवित
में रिए जा नहेंगे।

इत्तीहरण:—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रधाराय 20-क में परिमापित हैं, वही
प्रत्येकांग, जो उक्त प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान घ० नं० 15-8-249, 285, 287,
बेगम बाजार में जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4635/79
से ज्वाइन्ट उप रजिस्ट्रार मोक्षमझाही मार्केट में हुई है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर श्राव्यकृत, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 10-4-1980

मोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांसिय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

मुर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1946

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 23/80-81—प्रतः मुख्य, के०
के० वीर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० Open Plot No 38 है जो आमीरपेंठ हैदराबाद स्थित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नाम है - आद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लिप्रदान में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्ट में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्टयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वातः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

१ श्री के० रवि अकाश (२) श्री के० गाही कुमार
प० नं० ७-१-५०/१/बी आमीरपेठ हैदराबाद में रहते हैं।
(अन्त रक्ख)

2. श्री ताहेर माली पुन श्री गुलाम मली 1-3-176/20/1/
कवाड़ी गडा हैदराबाद 3 से रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहां करता है।

उक्त सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सचिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा वधोंहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુભૂતિ

खुली जमीन नं० 7-1-28/ए आर्मीरेट हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2331/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय खेतरबाद में है।

के० के० धीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त। (निरीकण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

माहिरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० य० सी० न० 24/80-81-~ घर्तः मुझे, के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रयोग सन्तुष्टि का, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय नियम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट न० 90X91 है, जो बाकाराम हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपायकर अनुसूची में आंश पूर्ण-रूप में वर्णित है), रस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदर बद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तर तर या अनियन्त्रित विनियोग उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप लिहित में वर्णित रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर नियमों की वापत, उक्त प्रधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमों करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) दूसी किसी आय या निसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्य कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आय किया जाना चाहिए था, छिनाने में दृष्टिकोण के लिए;

अब; अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरित:—

1 श्रीमति रुद्राक्षी शेट्टी पत्नि श्री बी० राधाशेट्टी प्लॉट न० 12 एम० बी० 1 ऑफिसरस कालोनी बाकाराम हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरित)

2. श्रीमति के० कमलम्मा पत्नि श्री के० शिवाभुषणाचारी नामा उमान स्ट्रीट बेलारी (2) श्रीमति के० सावित्री पत्नि के० सुदूरम्प्रम 16-11-310/15/3 सलीनगर हैदराबाद 37 में रहते हैं। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के मन्त्रमध्य में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या नस्पत्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवर्ति शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अवधि अन्तर अन्तरित में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृत्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकें।

उपबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 568 वर्ग गज जो सर्वे न० 90X91 बाकाराम हैदराबाद में प्लॉट न० 52, 53, 54 और 55 हैं। जिनका रजिस्ट्रेशन डां० न० 5040/79 से जारी उक्त रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1980

मोहर: |

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद निक्ष 10 अप्रैल 1980

आरो १० सी० नं० २५/८०-८१—अतः मुझे बौ० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० ५-९-२४/३५, है, जो आदर्श नगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बौ० कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) अवीन अगस्त 1979

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री ग्राय सुब्बाराव आर०/ओ० रामचन्द्रपुरम ईस्ट
गोदावरी जिहा

(2) के० शतुघ्न शर्मा आर०/ओ० रामाराव पेठ काकि-
नाडा में रहते हैं (अन्तरक)

2. श्रीमति राजाराणी मखीजा पत्नि सरदार आम्लोक
सिंह ५-९-२२/३३ आदर्श नगर कालोनी में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

के० नं० ५-९-२२/३३ आदर्श नगर हैदराबाद विस्तीर्ण
३९१ वर्ग गज है। जिसका रजिस्ट्रेशन न्य० नं० ४९३७/७९
से जाइन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980
भोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

रायालय, संत्रायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० य० सी० नं० 26/80-81—अतः मुझे, को०
के० बीर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० पोरशन 1-4-443 है, जो मुरशीदाबाद
हैदराबाद में स्थित है (आगे इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और
अन्तरण (प्रारंभों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृष्टि किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी नियों प्राया या नियों धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या निया जाना चाहिए था, छिनने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरम
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जोहरा सिंहीकी पत्नि श्री महमद मादिकी
घ० नं० 1-4-461 मुरशीदाबाद में रहते हैं (अन्तरक)

2. डॉ० महमद हमाम हानोरे खाटर नं० 3 युनिवर्सिटी
कारारेन उक्त निया युनिवर्सिटी हैदराबाद 6 में रहते
हैं। (अतिरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्ताशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नवमं बंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मापात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्ताशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में हिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

घर का नं० 1-4-443 मुसीराबाद हैदराबाद, विस्तीर्ण
683 स्के० गज। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 5048/79 से
जारी उस रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० बीर

सकाम प्राधिकारी

संत्रायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-4-80

मोहर :

प्रूप लाई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 27/80-81—अतः मुझे के०
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 3-6-140/1/3 है, जो हिमायत नगर
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिम
(अन्तरिमियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तवेद्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वाँ सूचित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थतः:—

1. श्री चन्द्रारेड्डी पुत्र गौर रेड्डी जिरात पेशी जहिराबाद
में जिल्हे में रहते हैं। (अन्तरक)
2. श्री पी० निरूप पुत्र श्री पी० रामचन्द्रा रेड्डी 3-6-
140 हिम्मत नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ गरिता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बर नं० 3-6-140/1/3 हिमायल नगर हैदराबाद में विस्तीर्ण
440 वाँ गज है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4866/79 से
जाइंट उप रजिस्ट्रार हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1980

मोहर:

प्रकृत्य पाई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० 28/80-81—ग्रतः सुन्ने, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-5-141/ई-6 है, जो ईडनबाग रामकोट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के; कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अगस्त 1979 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्बूद्ध प्रतिशेष अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी हिसी अय या हिसी प्रत या 'अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचरण (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

11—76 GI/80

1. श्री नवाब भोजलसा बहादुर घं० नं० 3-5-141/ई-6
इडन बाग रामकोट हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमति नानी बाई पत्नि श्री राम बल्लभ 15-8-333
बेगम बाजार में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई दौ आशेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भोतर पूर्योक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद किसी प्रम्य अवित्य द्वारा, अघोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का हिस्या नं० 3-5-141/ई/6 विस्तीर्ण 396 वर्ग गज ईडन बाग रामकोट हैदराबाद में है और जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 4796/79 से जाइट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
(सक्षम अधिकारी)
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1980

मोहर:

प्रसूत श्राद्ध टॉटो एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 व (1) के अंतर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 29/80-81—अतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अंतर्गत संवाद प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवार मूल्य 25,000/- रु. प्रतिहर है

और जिसकी सं० पोर्शन 3-5-141/ई/6 ईडन गार्डन हैदराबाद स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-मर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तिवार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिवार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गत (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए निरी आय या बाकी उक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किरी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इब, उपर अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपलब्धा (1) अधीनन्तिमनिवित व्यक्तियों, अवधि :—

1. श्री नवाब बोजलझा बहादुर 3-5-141/ई/6 ईडन गार्डन रामकोट हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार घर नं० 15-6-502 वेगम बाजार हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन भी अवधि या उत्तममध्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहोहस्तान्तरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

संलग्नकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रायाय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अ याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का हिस्सा घं० नं० 3-5-141/ई/6 ईडन बाग रामकोट हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा नं० 4797/79 से जाइन्ट उा रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख: 10-4-1980
मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी एन० एम० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त
269-व (1) के प्रधीन युवता
भारत भरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 30/80-81—अतः मुझे, को० वी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व अधीन सभी प्राप्तिकारी को, पहले विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-748 है, जो तुरुप बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इनमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरी अधिनियम के कार्यालय हैदराबाद से भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये प्रभारित की गई है और पुरे पहले विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बाब ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्यय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किनो आप की बाजार, उक्त आंदोलन की प्रधीन कर देने के प्रभारक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में विविध के लिए; और/या

(ख) ऐसी किनी आवय या किसी बन या अन्य घासियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम द्वारा बनार कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के न्योजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आप, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री नन्द महेश चूड़ीन घ० नं० 4-1-648, तुरुप बाजार हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरक)

2. श्री हाजी महमद अली और श्रीमति अमीर बेगम पति हाजी महमद अली घ० नं० 4-1-648 हिन्दुस्तानी लेन तुरुप बाजार हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की नामीत त 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में अमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवित्त होता;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इनबद्द किसी अन्य अधिकारी, अधोधृतान्तरी के पाम लिखित में किए गए संकेते।

संषोधीकरण :—इसमें प्राप्त गढ़ा और दों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाराएँ 20-6 में परिभाषित है, वह अर्थ होगा, जो उन प्रधाराएँ दिया गया है।

अनुसूची

घ० नं० 4-1-343 वि० हिन्दुस्तानी लेन तुरुप बाजार हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4636/79 से जाईंट उपरजिस्ट्रेशन कार्यालय हैदराबाद में हुक्म है।

के० के० वी०
सभी अधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आ० आ० ये० सी० न० 31/80-81—अतः मुझे को०
के० वी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है

और जिसकी सं० न० I-बी-प्लाट है, जो पिन्डर-
घास्ट रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी
के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीरेण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निकित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रतीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रवृत्त उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री भुवनकार मांबाशिवराव 8-2-283/2 शिवाजी
नगर सिकन्दराबाद में रहते हैं (अन्तरक)
2. श्रीमति राधी मधवी पति प्रकाश घ० न० 17
हैदर बस्ती, सिकन्दराबाद में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी अवक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचारित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्मा न० 1 वी० अभिलेस न० 142
पिन्डरघास्ट रोड सिकन्दराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन
डाकू० न० 1931/79 में उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिन्वाबाद
में हुआ है।

के० के० वी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 32/80-81—अतः मुझे के० के० श्रीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं. 7 है जो सं० नं० 29 बेगमपेट सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति मेहरुनिस्सा बेगम 5-5-204 नामपत्ती हैदराबाद (2) श्रीमति नमीम जहान खलुलला आर/ओ आमीर पेठ, हैदराबाद (3) श्री महमद बसलुलला (4) श्री उमरबीन अवधि यह सब 14-4-551/1 याकुल पुरा में रहते हैं (5) श्री सय्यद दुसैन 16-11-1/1 ए मलकपेट हैदराबाद (6) एम० प० गफूर 102/सी० आगामुरा हैदराबाद (7) श्रीर फारुकप्रली खान 9-84 1/21, काकतया नगर कालोनी में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमति इमानी अनुसया पति स्वर्गीया इ० बीरास्वामी, घ० नं० 52 ए से बासटीयन रोड सिकन्दराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममूल्य

प्लाट नं० 7 जो सं० नं० 29 और 189 एम० न० 1-10-69/ए बेगमपेट हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 1900/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-4-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 33/80-81—ग्रतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पत्रम् प्राप्तिशारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिवाना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० एस० 123 है, जो मुसापेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष उत्तिहत से अधिक है और अन्तर्में (अन्तरज्ञों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारी आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति पी० सुजाना पति पी० बी० कोटेश्वर राज 28-29-26-सूर्यराजपेट विजयवाड़ा (बी० पी० नागेश्वर राज)। (अन्तरक)

2. श्री एम सुदरशन राज 3-5-2 कुकटपली हैदराबाद (2) पी० बाशम्या 3-6-7 कुकटपली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगेंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संलग्न :—इन्हें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन जिसका सरबे नं० 123/ये 123/ये 123/वी वेस्टर्न 2561 वर्ग गज मुसापेट हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1762/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद इस्ट में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश मं० आर० ए० सी० नं० 34/80—81—यतः मुझे
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 7-1-27/1 है तथा जो अमीरपेट हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक अगस्त 1979

को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाते में
मूविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री जी० महादेवन (2) एच० नारायण घर
सानताकुञ्ज बास्ट वेस्ट-54 (अन्तरक)
2. श्रीमति सरला कपूर 7 1-27/1 अमीरपेट हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्व करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-27/1 प्लाट नं० 4 अमीरपेट हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2283/79 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदरा-
बाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1980

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 35/80-81—अतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-335 है, जो बिनजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त ममति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० सी० जोगीराजन 8-2-335 रास्ता नं० 3-बनजारा हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह कोहली 8-2-350/6 रास्ता नं० 3-बनजारा हिल्स, हैदराबाद (2) श्रीमति घटरजीत सीमा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बेस्टर्न 403-वर्ग मीटर 8-2-335-रास्ता नं० 3-बनजारा हिल्स, हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2397/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

के० के० वीर

सभी प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर :

प्रकरण नं. ८१० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, उसद्वायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 36/80-४१—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, उक्त विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8-2-120/45 का भाग है, जो बन्जारा हिल्स में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरज लिखित में वास्तविक रूप से उपयोग की गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्—

12—76GT/80

1. श्री वी० श्री रामाराज जी० पी० ए० श्री पी० बुधी राज० 3-4- 490 बरकतपुरा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति टी० लक्ष्मी बाई पति टी० बालागोड
(2) टी० सुवाण गौड 8-2-120/45 रास्ता नं० 2 बन्जारा हिल्स हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी वारेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य अवधि द्वारा, अष्ट्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही प्रयोग जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8-2-120/45 रास्ता नं० 2 बन्जारा हिल्स हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4960/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 प्रप्रैल 1980

निवेश सं आर० ए० सी० सं० 37/80-81—प्रतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-120/45 है तथा जो बन्जारा हिल्स में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का फलद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रूच, निम्नांशिक्त उद्देश से उक्त अन्तरण निक्षिक में ग्रस्तविक रूप से उठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी प्राप्ति की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व भे कमी करने पर उसमें बदलने में मुश्किल के लिए; और/या

(ब) ऐसी निहीं प्राप्ति की धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिपते में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति लक्ष्मीबाई पति कृष्णमूरती 3-4-490 वरकतपुरा हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) श्रीमति टी० सनगम्मा पति टी० बाला शौड (2) टी० प्रमीला 8-2-120/45 बन्जारा हिल्स हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्त अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8-2-120/45 रास्ता नं० 2 बन्जारा हिल्स : हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4959/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-4-1980

मोहर :

प्रसृप शाई० टो० एन० एस०—

आयकर प्रतिनिधि, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सचना

मानव संस्कार

कार्यलय, सहायक आयकर आयकत (मिरीधन)

पर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 10 प्रप्तंशु 1980

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 38/80-81—प्रतः मुद्रे के०
के० शीर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी औ, पहुंच विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विस्तीर्ण उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 7-1-636/6/1 है, जो प्रमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्तसूची में और पूर्णलूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रक्षेत्र परगत 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनद्वय प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (वन्तरकों और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरित के निए वय पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त प्रस्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से उल्लिखित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय छो वावन, उचल अविनियम के पश्चीन कर देने के घट्टरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और/या

(ब) ऐसी फिसी आप या किसी घट पा पर्वत ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ घन-करी द्वारा प्रकट नहीं किए। यथा या या किया गया होइए था, या पाने में सुचिधा के लिए;

अतः इब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अवधि, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्रीमती अमरतुल हमीद पती अब्दुल हसन
 10-3-304/12 हुमायूं नगर, हैदराबाद (ग्रन्तरक)

२. श्री डाक्टर एकसाना मुसवी पति मदुमद रीयामुल
दस्तावेज़ ११-६-१८६, ईश्वराबाद (ग्रन्थालय)

को यह सूचना आये करके पूर्णत उपलिखि के अंत में लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्भविति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की प्रवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकरण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस नूतन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष कीनी प्रथा अनुचित द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साइटोहरण -- इनमें प्रयुक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होता जो उन मध्याय में दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय

प्राप्त नं० 7-1-636/8/1 वेस्टर्न 210 वर्ग याज वहलूल
कागड़ा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5027/79 उपरजि-
स्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर
सप्तम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीकण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक 10-4-1980।

मौद्दुरः

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 39/80-81—यतः मुझे
के० के० वीर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9-45 है, जो गडी अनन्नारम, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थित रूप से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य गे उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० स्वर्णाकुमारी,

9-45, गडी अनन्नारम, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० कानती धर नं० 9-45,
गडी अनन्नारम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।'

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 9-45, प्लाट नं० 86, गडी अनन्नारम, हैदराबाद में है। रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 4882/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-4-80

मोहर :

प्रॅफ प्राइ० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, व्यापार आयकर भाष्यका (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर०ए० सी०न० 40/80-81—यतः मुझे
के० के० वी०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है, जो सरबे 29-189-
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कृत के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत रो
प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और मन्तरितों (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिए के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(ख) ऐसो ही तो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय मापकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
भन्तारता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्का, जिसने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सूचन में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : ~

1. श्रीमती मेहन्तीसा बेगम, पति स्वर्गीय असकुला
श्री 6-दूमरे, 5-5-204, नामपल्ली,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गेटा सावित्री, पति टी० वी० राधाकृष्ण मृत्ती
महूरु नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रन्प व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधाया 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 सरबे नं० 29 और 189 विस्तीर्ण 553 वर्ग
यार्ड, बेगमपेट, सिकन्दराबाद, में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2043/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख 10-4-1980

मानक:

प्रूप बाई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर ० ए० सी० 41/80-81—यतः मुक्ते के०
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सरवे न० 71 है, जो किशनगुडा गंज में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्री एम० विद्या सागर रेडी,
3-2-792, काठीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स एसोशियेटिड, हैन कम्पलैक्स, वी० सत्यानारायन
घर न० 16-11-515/1, दीलसुख नगर, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में वरिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन, सरवे न० 71, किशनगुडा, गंज;
जिला, रंगारेडी बीस्टर्ण 10 एकड़, रजिस्ट्री बस्तावेज न०
1750/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहाय के आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 10-4-80

मोहरः

प्रकल्प आई० टी० एस० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 प्रौल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 42/80-81—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 2142/3 है, जो अनन्तापुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनन्तापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति :—

- 1. श्री जो० सोमी रेही, पिता नागी रेही 13/678, राम नगर, अनन्तापुर। (अन्तरक)
- 2. श्री के० मोहन रेही पिता के० बी० रामाकृष्ण रेही रानाकल कदीरी तालुक, अनन्तापुर। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रत्येक लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में ही आयकर :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवत्रिवाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त संपत्ति के लिए व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरताकारी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्द और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन टी० एस० नं० 2142/3 वार्ड नं० 12 अनन्तापुर रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 5482/79 उप रजिस्ट्रो कार्यालय अनन्तापुर में।

के० के० बी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख 10-4-80
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, मंडायन आयकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 43/80-81—यतः मुझे के० के० वीर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन संशोधनीय कारण को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 26/सी है, तथा जो 10-2-271 नहरूनगर, में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(b) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री टी० एस० नायडु,
26/सी, नं० 10-2-271, नहरूनगर,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री टी० एस० जैसूची, पिता पी० एस० नायडु,
(2) कुमारी टी० एस० धोका, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सर्वे नं० 26/सी, सर्वे नं० 10-2-271 नहरूनगर, सिकन्दराबाद का घर है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2042/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख 10-4-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०— — —

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26८(१) के प्रधीन सूचना

भारत प्रकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 44/80-81—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26८-ब के प्रधीन सभाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 26८-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 26८-ब की उपधारा (१) के प्रधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, प्रयत्निः—

13—76GI/79

1. (१) श्री ए० व्यंकटम्मा
- (२) ए० बाला रेडी
- (३) ए० कृष्णा रेडी
- (४) ए० सुनीथा रेडी
- (५) ए० श्रीधर रेडी
- (६) ए० श्रीकान्त रेडी

घर नं० 1-9-45/47, भोकटा गांव,
सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. मैमसे दो इकरीस माल एम्प्लाइज कोआपरेटिव सोसायटी जरिये के० सी० सेक्सेना सिकेटरी, प्लाट नं० 65, श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाहीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़, जो सर्वे नं० 117 और 118 पेडा भोकटा गांव मिर्नदराबाद कनटोनमेंट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2107/79 में उप रजिस्ट्रार कार्यालय मिर्नदराबाद में अगस्त, 79 में हुआ है।

के० के० वीर
मध्य प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० 45/80-81—यतः मूल्य के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने गा कारण है कि यथापूर्वोक्त भूमिति का उचित बाजार मूल्य, उपरे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नन् पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आरा की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन नह देने के अन्तरक के दायित्व में रुपी रुपने या उपा ब्रवे में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आप या किसी प्रन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस प्रधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनयन में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्यतः—

1. (1) श्री ए० अंकटम्बा
- (2) ए० बाल रेहु
- (3) ए० कृष्ण रेहु
- (4) ए० सुनिया
- (5) ए० श्रीधर रेहु
- (6) ए० श्रीकाम्त रेहु

घर नं० 1-9-7 घोकाथा गांव सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी आई० सी० आर० आई० एस० ए० टी० एमलाईज कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी जरिये के० सी० सक्सेना सिक्रेटरी प्लाट न० 65, श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी नहरे तूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रायेवाहियां करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वमन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी पर से किसी अवक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अधीन 20 न० में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 33 गृन्टे, जो सर्वे न० 119 पैड़ा घोकाथा गांव मिकन्दराबाद कन्टोनमेन्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० न० 2074/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय मिकन्दराबाद में अगस्त में हुआ।

के० के० वीर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-80
मोहर:

प्रसूप आइ० टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० न० 46/80-81—यतः मूल्य के० के० खीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स० खूली जमीन है तथा जो थोटका गांव सिकन्द्राबाद
में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

1. (1) श्री ए० व्यंकटाम्बा
- (2) ए० बाला रेडी
- (3) ए० कृष्णा रेडी
- (4) ए० सुनीता रेडी
- (5) ए० शीघ्रर रेडी
- (6) ए० श्रीकान्त रेडी

घर न० 1-6-45/47 थोकटा गांव सिकन्द्राबाद में
रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इक्षीसल एम्प्लाइज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
जारिये के० सी० सक्सेना, सिक्केटी, प्लाट न० 65,
श्रीनगर, कालोनी, में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़ एक गुंटा, जो सबै न० 117
पेड़ा, थोकटा गांव मिसन्द्राबाद कनटोनमेंट में है जिसका
रजिस्ट्रेशन डॉ० न० 2119/79 ने उन रजिस्ट्रार कार्यालय
मिसन्द्राबाद में अगस्त, 79 में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 17-4-80

मोहरः

प्रकाप प्राईटी एन०एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 47/80 81—यत्. मूल्य के०
के० भीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम रुक्ते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है।

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो भोकटा गांव सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूषमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूषमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत गे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वामनिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बचत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी हिसी आय या नियी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ प्रत्यक्षितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

यहाँ, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ए० व्यंकटम्मा
- (2) ए० बाल रेडी
- (3) ए० कृष्ण रेडी
- (4) ए० सुनीता रेडी
- (5) ए० श्रीधर रेडी
- (6) ए० श्रीकान्त रेडी

घर नं० 1-9-7 थोकटा गांव सिकन्द्राबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इकोजात प्रस्तावित हाउसिंग सोसायटी जरिये के० सी० सक्षमेना, सेक्टरी, प्लाट नं० 65, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यालयों करता है।

उस सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्र हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरता :——इसमें प्रथम गढ़ों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में दिया दुआ है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 30 गुन्डे, जो सबै नं० 119 में बोयमपल्ली सिकन्द्राबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2054/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय मिकन्द्राबाद में अगस्त, 79 में हुआ है।

के० के० भीर
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्रूफ आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० /८०-८१—यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में ग्राम जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिताय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यात्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती ए० व्यंकटम्मा
- (2) ए० बाला रेडी
- (3) ए० कृष्णा रेडी
- (4) ए० सुनीला
- (5) ए० श्रीधर रेडी
- (6) ए० श्रीकान्त रेडी

घर नं० 1-9-45/47 भोकटा गांव सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इक्षीसल एम्प्लाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी जरिये के० सी० सक्सेना, सेकेटरी प्लाट नं० 65, श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तसंची

खुली जमीन विस्तीर्ण 39 गुन्डे, जो भर्वे नं० 118, 119, 120 पेंडा भोकटा गांव मिकन्दराबाद कनटोनमेन्ट में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉक नं० 2090/79 से उपर रजिस्ट्रार कार्यालय में अगस्त, में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० 49/80-81—यतः मुझे, के०
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो थोकटा गाव
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तररक (अन्तररको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के तिरुता गया गग प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उस पन्द्रह प्रतिशत विक्री में वास्तविक रूप से रुक्यित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई निसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतोर प्राप्त हुए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती ए० व्यक्तुम्मा
- (2) ए० बाल रेडी
- (3) ए० कृष्णा रेडी
- (4) ए० सुरीला
- (5) ए० श्रीधर रेडी
- (6) ए० श्रीकाल रेडी

घर नं० 1-9-45/47 थोकटा गांव सिकन्दराबाद
में रहते हैं।

(अन्तररक)

2. दी इकरी जाल एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउर्सिंग सोसा-इटी, जरिये के० सी० सक्सेना, सेकेटरी, प्लाट नं० 65 श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रन्ब में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से किसी अक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना न राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यं अकिंग डारा, प्रत्योदृशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोत्तरण :—इन्हें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उत्त प्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़ गुन्टा जो सर्वे नं० 117 में पेट्टा थोकटा गांव सिकन्दराबाद कनटोनमेंट में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 2138/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त, 79 में हुआ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-80

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० 50/80-81—यतः मुझे के०
के० वीर

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्कूलर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थीकृत भंपति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल पर, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वाई किसी श्राव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निमीं श्राव या निमीं भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों घर्षतः:—

1. (1) श्रीमती ए० व्यंकटम्मा
- (2) ए० बास रेहु
- (3) ए० कृष्ण रेहु
- (4) ए० सुनीला
- (5) ए० श्रीधर रेहु
- (6) ए० श्रीकाल्त रेहु

पर नं० 1-9-45/47 भोकटा गांव सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. वी एमीकल्थर एम्पलाइज को-श्रावरेटिव हाउसिंग सोसाइटी जरिये के० सी० सक्सेना सेक्टरी, प्लाट नं० 65, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के माध्यम से कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीफ के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपति में हिंडबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधीकरण:—इसमें प्रदूष गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़ गुन्डा जो सर्वे नं० 113, 114, 120 न्यू बोयमगल्ली सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 2053/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त, 79 में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०प०न०एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 51/80-81—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन उक्त प्राप्ति तारीख को पहले विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में अधिक है।

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल सं० ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिविदा उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन नारदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी फरने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या या निया जाना चाहिए था, छिनाने में मुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा¹(1) के अधीन निम्ननिविदा व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (1) श्री ए० लक्ष्मा,

(2) ए० बालमनी

(3) ए० चन्द्रामनी

धर नं० 1-9-7 भोकटा गांव सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इकरीजाल एम्प्लाइज को-प्रापरेटिव हाउरिंसिंग सोसायटी जरिये के० सी० सक्सेना, सेकेटरी प्लाट नं० 65, श्रीनगर कालोनी हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य अविक्षिय द्वारा अधिसूचनाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़ सर्वे नं० 119 जो पेट्रा भोकटा गांव सिकन्दराबाद कन्टोनमेन्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 2089/79 से उपर रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त, 79 में हुआ।

तारीख 17-4-80
मोहर :

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निवेश सं० आर. ए० सी० 52/80-81—यतः मझे के०
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संभ्या खुली जमीन है तथा जो टोकटा गांव सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में सारलीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जर्ह है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक
रूप से की गयी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ति:—

14—76GI/80

1. (1) ए० लक्ष्मा

(2) ए० बाल मणी

(3) ए० चन्द्रामणी

घर नं० 1-9-7 टोकटा गांव सिकन्दराबाद में
रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इकरीजात एम्प्लाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी जरिये के० सी० सज्जेना, सेक्टरी प्लाट नं०
65 श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरिती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अस्तिथि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 36 गुन्डे जो सर्वे नं० 120 और 119
पेंडु टोटका गांव सिकन्दराबाद में हैं जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ०
नं० 2073/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में
अगस्त, 1979 में हुआ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-1980

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 प्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 53/80-81—यतः मुझे के०
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो टोकटा गांव सिकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपावन अन्सूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) ए० लक्ष्मणा
- (2) ए० बाल मणी
- (3) ए० चन्द्रामणी
घर नं० 1-१-७ टोकटा गांव सिकन्दराबाद में
रहते हैं। (अन्तरक)
2. वी इकरीजात एम्लाइज को-प्रापरेटिव हाउसिंग
सोसायटी जरिये के० सी० सक्सेना, सेक्रेटरी प्लाट नं०
65 श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 35 गुण्डे जो सर्वे नं० 121 में पेहुं
टोकटा गांव सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं०
2108/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त
1979 में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-1980

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

1. श्री भार० गोपाल

11ए/2, वेस्ट एक्सटेंशन एस्ट्रिया, नई दिल्ली-4

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती जोलिका विद्यार्थी प्लाट नं० 16

सर्वे नं० 74/6 अडगढ़ा ईस्ट मारेडपल्ली सिकन्दराबाद।

(अन्तर्दिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० 54/80-81—यतः मुझे के
के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की छांग 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 16 है, जो ईस्ट मारेड पल्ली,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 16 सर्वे नं० 74/6 तथा 74/10 जो बिल्डिंग के
साथ है। विस्तीर्ण 612 स्क्वायर यार्ड या 512 स्क्वायर मीटर्स,
ईस्ट मारेडपल्ली सिकन्दराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ०
नं० 2009/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में
कुमा है।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निवेश सं. आर. ए. सी. 55/80-81—यतः मुझे, के० के०

बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण,
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो गांधी नगर, भोलकपुर,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मिकन्डराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री बी० पांडरंगराव,

4 असिस्टेंट, जज, सिटी, सिविल कोट, हैदराबाद में
रहते हैं।

(प्रत्तरक)

2. श्री जी० गोपाल कृष्ण रेडी

घर न० 4-2-203 पुराणामोईगड़ा, सिकन्दराबाद में
रहते हैं।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में सभापति होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हित-
बवध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

लेखनीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर न० 6-6-402 गांधी नगर, भोलक पुर सिकन्दराबाद
जिसमें खुली जमीन और पहिली मंजिल विस्तीर्ण 1406 स्क्वायर,
फीट, है। जिसका रजिस्ट्रेशन डा० न० 2013/79 से उप
रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में हुआ है।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रृष्ठ प्राइवे टी० एन० एव० ---

प्रधानमंत्री प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० प्रार० ए० सी० 56/80-81—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन प्रधिनियम' कहा गया है), की वर्ता 269-व के प्रधीन संजाम प्राधिकारी को, यह विवास करने वालारनाहि किंवद्दावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो मलबाडा, वरंगल, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय वरंगल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त संविति के उचित बाजार मूल्य से लम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए असंस्थित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संविति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) प्लॉटर अस्तरिती (अंतर्गतियों) के बीच ऐसे अस्तरण के निए तथ या या प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरक निवित में वस्त्रिका कर्य से कवित नहीं किया जया

1. श्री टी० कृष्णा स्वामी और दूसरे लोग वरंगल में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री के० नरसम्या मसेवाडा, वरंगल में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संविति के अर्जन के निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संविति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अवौद्धारणी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-व में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कवेलू का घर मलबाडा, वरंगल में है जिसका रजिस्ट्रेशन डाकु० नं० 2737/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय वरंगल में हुआ।

(क) अस्तरग से हुई किसी आय की वादत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमो करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, योग्यता-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाव प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

यतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

तारीख : 17-4-1980

मोहर :

प्ररूप आइ० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 57/80-81—यतः मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है जो मुसापेट गांव रंगा रेडी जिले
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के

अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवश्यक था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री टौ० हनुमेश्वा और दूसरे लोग

1. 49, मुसापेट गांव रंगारेडी जिला में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री दीनू भाई डी० देसाई और दूसरे लोग

4-3-314 बैक स्ट्रीट, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जिराली खसकी जमीन मुसापेट गांव ता० हैदराबाद वेस्ट
जिला रंगारेडी जो ग्राम पंचायत मुसापेट में है। जिसका
रजिस्ट्रेशन नं डा० नं० 1915/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय
हैदराबाद वेस्ट में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांग 17 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० 58/80-81—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-636/8/1 है जो बहलोल खान गुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायदूषनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरलालाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त नमानि ता उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का कम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया उत्तिहल, निम्नलिखित उद्देश्य गे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहित नहीं दिया गया है .--

(क) अन्तरा से हुई किसी आय को बाबन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तराल के क्षयित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आयितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ प्रसंस्करिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवादि :--

1. श्रीमती आमतुल हामीद द्वारा ए० पी० कंस्ट्रक्शन कं० मकान नं० 10-3-30/12 दुमायुन नगर, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल डी० देसाई, और दूसरे लोग धर नं० 4-4-322, कोठी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्री के पास तिक्कित में किए जा सकों।

स्वाहा०हरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधान्य 20-क में यथा परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधान्य में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और दो मंजिल घर जो अधूरा बनाया गया है, जिसको पानी का कनेक्शन है प्लाट नं० 7-1-636/8/1 विस्तीर्ण 167 स्क्वायर यार्ड्स या 146.30 स्क्वायर मीटर्स बहु लोलखान गुड़ा आमीर पेठ, हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2425/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय खैरलालाद में हुआ।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 17-4-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 59/80-81—यतः मुझे के०
के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।
और जिसकी सं० 7-1-636/8/1 है तथा जो वहलोल खानगुडा,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आथ-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आमतूल हमीद द्वारा ए० पी० कंस्ट्रक्शन कं०
10-3-30/12, हुमायून नगर, हैदराबाद में रहते
हैं।

(अन्तरक)

2. श्री दिनू भाई देसाई और दूसरे लोग
घर नं० 4-3-314 बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद में रहते
हैं।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या लक्ष्मवन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णस्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और दो मंजिला घर जो अधूरा बना हुआ है जिसको
पानी का कनेक्शन है प्लाट नं० 7-1-636/8/1, विस्तीर्ण
210 स्क्वायर याडेस या 181, 21 स्क्वायर मीटर्स वहलोलगुडा
ग्रामीणपेट, में है जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 2424/79 से
उप रजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में हुआ है।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-4-80
मोहर :

प्र० प्र० प्र० प्र० प्र० प्र०

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रायोगिक, महायह शासक श्रावक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 60/80-81—यतः मुझे, के०
के० वीर

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन पत्रप्राधिकारी को, यह
विवाह करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है जो पंजागुटा, हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिक्रिया का एक ही प्रतिफल से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश उक्त अन्तरण प्रतिक्रिया में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(र) अन्तरण न हुई निसी श्राव की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी श्राव या किसी ब्रन या प्रा. आस्तियों
को, जिन्हें श्रावकर अधिनियम, 1922
(1922 नं 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रा. नर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभागार्थ प्रतिरोधार्थ उठाया गया किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुविधा के लिए;

यतः, प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15-76G1/80

1. श्री एस० निजामुद्दीन अहमद और दूसरे लोग
6-3-248/3/ए-4 काकतिया नगर हैदराबाद में
रहते हैं।

(अन्तरक)

2. मैसर्स विरगो कल्याण कं.
लकड़ी का गुल हैदराबाद (द्वार का बिल्डिंग) में रहते
हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायंवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त समानि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(र) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रतिधि या नत्संश्धी अविक्तियों पर सूचना की
नमीन ने 30 दिन की प्रतिधि, जो भी अवैध बाद में
प्रमाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त छारा;

(ब) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त छारा, अवोद्धस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सब प्लाट्स की जमीन विस्तीर्ण 5016-73 स्कवायर मीटर्स
जो सर्वे नं० 161 पंजागुटा गांव खैरताबाद हैदराबाद में है।
जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 2495/79 से उपरजिस्ट्रार
कार्यालय खैरताबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-1980

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 61/80-81—यतः मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाछात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में प्रधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो मुसापेठ गांव हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अगस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उग्रों दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के चिह्न तथा नाम ग्राम प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्ट
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम कृष्णाराव निम्बाल करघर नं० 3-4-206
लिंगमपल्ली हैदराबाद में रहते हैं।
(अन्तरक)

2. श्री के० किस्ट्या और दूसरे लोग धर नं० 2-87
मुसापेठ हैदराबाद में रहते हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उन स्वाप्त सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोग्यताभारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० जो मर्वे नं० 36/1 में विस्तीर्ण एक एकड़ 2
गुणे मुसापेठ गांव हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं०
1968/79 में उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में
हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्रसूप ग्राही० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

ग्रामन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 62/80-81—यतः मुझे,
के० के० वीर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-प के प्रधीन पश्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो हासमल पेट सिकीन्द्राबाद
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकीन्द्राबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पक्षह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रस्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वापन उक्त, प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, यद्य, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प की उपधारा-
1 के प्रधीन निम्ननिवित अवित्यों प्रथातः :—

1. श्री के० जनधिन रेडी हासमलपेट रोड सिकीन्द्राबाद
में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री एस० बी० आम० एम्पलाईज कोपरेटोर
सोसाइटी एच० ए० एल० केम्पस बालानगर
हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरंवी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही ग्रंथ द्वाग, जो उर अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसारी

200 एकड़ जमीन सर्वे नं० 74, 75 और 79 हासमपेट
रोड सिकीन्द्राबाद कन्टोनमेन्ट में हैं। जिसका रजिस्ट्रे शन डॉ०
नं० 2085/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकीन्द्राबाद
में हुआ है।

के० के० वीर
सभ्यम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)
ग्रामन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80
मोहर :

प्रकाश भाई० ठी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आदा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 63/80-81—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-ए के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है, और जिसकी सं० न० 1-8-54/1/ए है, जो पीड़ित घास्ट रोड सिकीन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसूचित को गई है और मुझे यदृ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यरक (अन्तरकों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरक लिखित में घास्ट-विक का १ लक्ष रुपये किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि छिसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्त्त अनुसूचित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-ए की उपावड़ (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अवैत् ।—

1. श्रीमती के० राजलक्ष्मी और दूसरे लोग ईस्ट मारेड पल्ली सिकीन्द्राबाद में रहते हैं।
(अन्तरक)
2. श्रीमती ए० स्वरूपाराणी जरिए ए० एम० सागर भोलकपुर सिकीन्द्राबाद में रहते हैं।
(अनुरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इन सूचना के राजाश्वर प्रकाशन की आरीक्ष से 45 दिन की अवधि या तरसेवांधी अविक्तियों पर मुच्चा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्ये याइ न समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;
- (ख) इन सूचना के राजाश्वर में प्रकाशन की आरीक्ष से 45 दिन के भीतर ३३। स्थावर सम्पत्ति में हितयद्वं किमी धन्य अविक्त द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधान में दिया गया है।

न० 1-8-54/ए/1 Built न० 37/बी पीनडरघोस्ट रोड सिकीन्द्राबाद उत्तर 25 रोड दक्षिण प्लाट न० 41 पूर्व न० 1-8-54/ए/ पश्चिम प्लाट न० 36, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ न० 20/5/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सीकीन्द्राबाद में अगस्त 79 में हुआ है।

के० के० वीर
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख: 17-4-80
मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 64/80-81--यतः मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० खुली जमीन है, जो मुमापेटगांव हैदराबाद
में स्थित है (और इसने उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्णदत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यात्मक नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपथारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:--

1. श्री टी० हुम्मेया और दूसरे लोग 1-40 मसापेठ
गांव हैदराबाद में रहते हैं।

(प्रतीरक)

2. श्री जयन्ती लाल और दूसरे लोग 8-4-310 मररा गुड़ा
हैदराबाद में हैं।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकर्ता संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकर्ता
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 121/2 और 126/2 विस्तीर्ण 2057
वर्ग गज मुमापेट हैदराबाद वेस्ट तालुक, रंगा रेडी जिले में है
जिसका रजिस्ट्रेशन अं० नं० 1940/79 से उप रजिस्ट्रार
के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-4-80

मोहर:

प्रस्तुत आई० टो० एन० एन०-----

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलोर,

बंगलोर, दिनांक 15 मार्च 1980

निवेश सं० 267/79-80— यतः मुझे एच० तिम्मद्या प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नंबर 234/83, 243, 1, 2, 220, 221, 222 हैं, जो मुदलापुर, अमरावती और होसपेट में स्थित हैं (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय होसपेट अंडर डाक में नंबर 654 दिनांक 20-8-1979 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) प्रा उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविद्यायों, प्रथातः—

1. मैसर्स दि इंडिया शुगर रिफेनरीस लिमिटेड होसपेट। (अन्तरक)
2. मैसर्स पंपसार डिस्ट्रिलरीस लिमिटेड होसपेट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रालय में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति प्रा उत्तरांधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यं व्यक्ति द्वारा, प्रधोरुद्धाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अधार्य 20-क म परिभाषित है, वही प्रत्यं होगा, जो उन अधार्य में दिया गया है।

अनुसूची

(1) 7.42 एकड़ भूमि मदयशाला विलिंडग, स्थिर यंत्र और मशीनें और अन्य विलिंडग सहित जो सर्वे नंबर 243/83 (भागशाह) मुदलापुर में सर्वे नं० 243 (भागशाह) अमरावती में, और सर्वे नंबर 1 (भागशाह) होसपेट में स्थित है।

(2) 11.25 एकड़ भूमि आवासिक मुहल्ला और अन्य विलिंडग जो सर्वे नंबर 1 और 2 (भागशाह) होसपेट में स्थित है।

(3) 18.30 एकड़ जगह जिसका सर्वे नंबर 220, 221 और 222 है और जो अमरावती में स्थित है।

एच० तिम्मद्या
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्राप्तकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीखः 15-3-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/24786/79-80/ए० सी०,
क्यू०/बी०—यतः मुझे, एच० तिम्मव्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, तिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 2/103, 104 है तथा जो पेरीयशा लेन
सक्त पत्रपत्रा रोड़ बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 अगस्त
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकर्ता, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वात्रत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उगारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविनयों, प्रवर्तन:—

1. (1) श्रीमती हमीदा बी० उर्फ प्यारी बी०
(2) श्री अब्दुल गाफूर उर्फ अमीरजान
2/103-104 पेरीयशा लेन सदर पत्रपत्रा
रोड़ कास बंगलूर-560002।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शाहताज बेगम पत्नी अजीजउल्ला, सं० 39
मदर पत्रपत्रा रोड़, बंगलूर-560002।

(अन्तरिती)

3. (1) मैमर्स मानिकलाल ट्रेडर्स।
(2) मैमर्स इंस्ट्रुमेंट्स एण्ड केमीट्रीस (प०)
लिमिटेड।
(3) मावर भाष।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिमापित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 1598/79-80 तारीख 16-8-79]

घर सम्पत्ति सं० 2/103-104, तथा जो पेरीयशा लेन
सदर पत्रपत्रा रोड़ बंगलूर।

एच० तिम्मव्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 13-3-80

मोहर:

प्रृष्ठ पाईंड ८० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राध्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, विनांक 13 मार्च 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/24689/ए० सी० क्ष०/बी०
—यतः मुझे, एच० तिम्मच्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इवाहर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है। और जिसकी सं० 2443 है, तथा जो दूसरा मेन, विनायक नगर टुमकूर (टुमकूर) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में प्रौढ़ पूर्ण रूप से अंकित है), रजिस्ट्रीष्टर्स अधिकारी व कार्यालय, टुमकूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: ग्रन्थ, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अंतीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आई० जी० वन्द्रपा० युव गुरु दशाब्द्यमाणा कृ० सुरेन्द्र एक्सटेनेशन टुमकूर।
(अन्तरक)
2. श्री एच० गुरुनाथ नामत सं० 2443, दूसरा मेन रोड विनायक नगर टुमकूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जानी करके यूवैन सम्पत्ति के अर्जन के लिए जायेवाहिया करता है।

उक्त समानि के अर्जन व वस्तव्य में कोई भी आवेदन नहीं है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू निपी ग्रन्थ डांग अग्रोहस्ताधारी के पाप विविन मेंहि! जा सकेंगे।

संज्ञीकरण:—इसमें प्रत्यक्ष ग्रन्थों प्रौढ़ पर्दा राम, जो आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रथमा अंतरक व अंतरिती द्वारा अप्रौढ़स्ताधारी के अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 1260/79-80 तारीख 24-8-1979]
घर समानि सं० 2443, तथा जो दूसरे मेन रोड विनायक नगर टुमकूर में है।

एच० तिम्मच्या
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राध्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख: 13-3-1980

मोहर:

प्रकृष्ट पाई• डी• एम• प्रस•-----

1. श्री ८० तुस्सैनबा पुत्र सेट अद्यार महमद हाजी,
कनडाका मेंगलूर-२।
(अन्तर्क)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्भायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलुर

बैंगलर, दिनांक 12 मार्च 1980

निवेद सं० सी० आर०-62/24881/ग० मी० बी०ओ०/
बी०—यतः मुझे एच० तिम्मव्या

आयकर प्रविन्दियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्न प्रविन्दियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थानीर पत्ति, जिसका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० बी० एस० 46 है, तथा जो कस्साबा बाजार विलेज मेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाखद्व भ्रन्तमूल्यी में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-अगस्त 1979

को पूर्वोत्तर मध्यप्रदेश के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभासित की गई है परंपरा भवे वह विष्वास रखने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर मध्यप्रदेश जा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मध्यिक है परंतु अन्तर्रक्त (प्रभासितों) और अस्तरिती (प्रभासितियों) के बीच ऐसे गम्भीरण के लिये परंपरा या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभा अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं हित गया है :—

(5) नारेंगे को इसी तिरोंगाली वर्वा का अभियान के पश्चात कह क्षेत्रे के बन्दरखक कर्तव्यतामन्तरे में कुर्गे हास्ते पा उपसे बचने में मुक्किशा के लिए: पार्थ/या

(८) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय धार्य-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किस जाना चाहिए या, छिपाने में मुश्किल के लिए।

अतः पर, उन्हें अभिविषय की धारा २६९-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिविषय की धारा २६९-ए की उपधारा (1) के

16-75 GI'80

गम संस्थानी

(दस्तावेज सं० 330) 79-80 तारीख 24-8-79
 घर सम्पत्ति टी० १०० सं० 46, कंसाना बाजार विलेज
 मेंगलूरु।

एस० तिम्साया सक्षम प्राधिकारी; सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रीजनेन रेजे, बंगलूरु

तिरीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईडी० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वानिप, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश स० सी० आर० 62/25892/ग० सी० क्य०/
वी०---प्रतः मुझे आच० तिम्मम्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी स० 4 है, तथा जो मकाला बसावण टमपल
स्ट्रीट गनीगारपेट नगारथपेट क्रास बैंगलूरु मिटी में स्थित
है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर बैंगलूरु
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21 दिसंबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल हैं तापि अव्यक्तिरित की गई है और मूल यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यथाह प्रतिफल
अधिक है और प्रत्यक्तरक (अस्तरकों) और प्रत्यन्तरिती
(अन्तरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गास्तविह रूप से नথित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में
कभी करने या उगसे बचने में सुविधा के लिए;

गोर/ए।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगों, प्रयत्निः—

1. श्रीमती सत्यालक्ष्मा पल्ली पी० एस० डसाइथाराम्या
षट्ठी स० 227, 3ई मेन रोड, जयानगर बैंगलूरु-11।
(अन्तरक)

2. श्री अजीतनाथ जैन सेवतमबर मूर्ती पूजक संघ मकाला
बसावण टमपल स्ट्रीट नगारथपेट बैंगलूरु-5 60002
रेप्रेसन्ट कर रहे हैं उनके चेयरमेन श्री डनगरेम
दूनमचन्द जी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तासंबंधी अविनियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाढ़ में
मामाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविनियों में से
किसी अविनियोगी नहीं होती होती;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविनियोगी नहीं होती होती, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा भूकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रदृष्ट शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
बहु होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 3122/79-80 तारीख 21-12-1979)
घर सम्पत्ति स० 4 एम० वी० टी० स्ट्रीट गनीगारपेट
नगारथपेट क्रास, बैंगलूरु सिटी।

एच० तिम्मम्या
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

तारीख: 12-3-80

मोहर:

प्रूलप शाही० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयामिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1980

निवेद सं० सी० आर० 62/24801/ए० सी० क्ष०/ बी०—यतः मुझे एच० तिम्मम्या

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के परीक्षण गतिकारी को, यह विश्वास रखने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5 है, तथा जो मकाला वसावण टम्पल स्ट्रीट नगर्थपेट बंगलूर स्ट्रीट में स्थित है (अंतर्दृश्य से दृष्टि दृश्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कायलिय, गांधीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास रखने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश न उक्त प्रधिनियम विभाग में वस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तर्क न हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन रह देने के अन्तरक के वायिक्य में रकमी करने या उसपे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्यातः—

1. श्री रिकबवन्द मंगीलाल सं० 100/1, मामलपेट बंगलूर-2। (अन्तरक)
2. श्री अजीतनाथ जेन सेवतम्बर मूर्ती पूजय संघ मकाला वसावण टम्पल स्ट्रीट नार्थपेट बंगलूर-2। रीप्रेंजंट कर रहे हैं उनके बेयरमेन श्री डुनगमल पूतमचंद जी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में; किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1661/79-80 ता० 21-8-79)

बर सम्पत्ति सं० 5, मकाला वसावण टम्पल स्ट्रीट नगर्थपेट, बंगलूर।

एच० तिम्मम्या
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 13-3-80

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 मार्च 1980

निवेश सं० सी० आर० 62/24777/ए० सी० क्य०/०
वी—यत् मुझे एच० तिम्मम्भा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 108, है, जो ग्यारहां कास रोड, मलेष्वरम்
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ट अधिकारी के कार्यालय, राजाजी
नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 11 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फँटव ह्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर्घ किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम वा घनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती पंकाजन पर्सी श्री टी० एस० राजम सं०
109, ग्यारहां कास रोड, मलेष्वरम बैंगलूर।
(अन्तरक)
2. मास्टर आर० टी० दिनेश माइनर पुत्र श्री एस० रामाचन्द्रन
रीप्रेजेन्ट कर रहे हैं उनके मां जो गारड़ियन हैं
मिसज एण्ड रामचन्द्रन सं० 16, जवाहर रोड
चोककी कोलम मदराय-625002।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
गमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज क्र० 1931/79-80 तारीख 11-8-79)
खाली जगह सं० 108, ग्यारहां कास रोड, मलेष्वरम
बैंगलूर-560003।

एच० तिम्मम्भा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 15-3-1980

मोहरः

प्रख्युप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 28 मार्च 1980

निर्देश सं० 62/171(2)/एक्यू-बी०—यतः मुझे,
ह० तिम्मव्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर समति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अन्नामलै एस्टेट नाम के सम्पत्ति है, तथा जो
होसमाने, वाटेहल्ली और बैठने गांव में स्थित है (और इससे
उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय आरेटली होबली बैंगलूर तालूक हासन
जिला बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 10 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित नहीं है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) न बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखिल में वास्तविक रूप न जवाब नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण में कुछ निसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में जमीन भरने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या किसी घन या ग्राम्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
पुरुषों के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को उधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. (1) श्री एम० एस० पी० राजेस और
- (2) श्री विजयन राजेस "कावेरी पीक एस्टेट
के निवासी ऐरकाड-636601, सेलम जिला
(तमिलनाडु)।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए० एन० कन्नपा चेट्टीयार
- (2) श्री कन्नपा वल्लीयपा।
- (3) श्री के० एन० सुन्दरम्।
- (4) श्री के० एन० रत्नम्।
- (5) श्री के० एन० मीनाक्षी सुन्दरम्।
- (6) श्री के० सुम्मथ्या।
- (7) श्री ए० एन० सुब्रह्मनियन् चेट्टीयार।
- (8) श्री ए० एन० यिवनै आच्ची।
- (9) श्रीमती मीनाक्षी आच्ची।
- (10) श्रीमती ए० एन० प्रेमा।
- (11) श्री ए० एन० नाचियपा।
- (12) श्री ए० कन्नपन।
- (13) श्री ए० नाचियपन, ग्रालियास राजामनी,
- (14) श्री पी० एल० धीवनै।
- (15) श्री ए० अरुणासलम चेट्टीयार।
- (16) श्री ए० ए० आर. मीनाक्षी आच्ची।
- (17) एन०ए०आर० अरुणाचलम्।
- (18) श्री ए० ए० आर० थासीमलाय अ० नं०
1-13 और 15—18 बैंकर्स कल्लाल गांव के
निवासी रामनाथपुरम जिला (तमिलनाडु)
अ० नं० 14, बैंकर नाचियापुरम गांव के
निवासी रामनाथपुरम जिला तमिलनाडु।

(अन्तरिती)

को यह गुरुगा गारा हरण पूर्वोक्त समति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त समति के प्रवृत्ति न सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (१) इस गुरुगा गारा हरण पूर्वोक्त समति की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर
गूबना को जमीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविकल्पों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (२) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समति में हितवद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोदस्ताकरी के पात्र
निखिल में हिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीहरण :—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 365/79-80 ता० 20-8-1979)

"अन्नामलै एस्टेट" नाम के काफी जमीन संपत्ति तथा जो
होसमाने, वाटेहल्ली और बैठने गांव आरेहल्ली होबली, बैंगलूर
तालूक हासन जिला में स्थित है।

जमीन के सर्वे संलग्नाये क्रमपत्र के अनुसार हैं।

ह० तिम्मव्या

तक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 28-3-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईं दी० एत० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालिय, सहायता आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मार्च 1980

निवेश सं० सी०आर० 62/174/2)/79-80/ए०सी०क्य०/दी०

—यतः मुझे, एच तिम्मम्भ्या

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ना धारा 269-प के प्रधीन प्रधान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपति, विवाह उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और इसकी सं अप्राप्ति एटेस्ट नाम की सम्भति है, तथा जो आरेहल्ली गांव बैंगलूर तालूक हासन जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त ग्रन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान रतिकृत, तो यश्चमान प्रतिफल का अद्वैत प्रतिशत प्रतिरित, और इसके अन्तर्गत के लिए तथा पाया जाया प्रतिशत, तो यह उपावद्ध के लिए प्रतिशत विवाह में वापादि. इ। में लिखित तरीं लिया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की धारा, उक्त अधिनियम, 4 प्रधीन कर देने के घन्तावक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आप या किसी धन वा धन्य जास्तियों का अन्दर भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अस्तरिता धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपावाहा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. श्रीमती सोन्दा राजेस।

(2) श्री दयालन राजेस।

(3) श्रीमती हेमा दयालन।

(4) श्री मोहन राजेस।

(5) श्रीमती गौरी पन्डीयानाथन भ० न० 1-5 मोहनाड पीक एस्टेट के निवासी, सेम्मानाथन पोस्ट, एरकांड-636602 (तमिलनाडु)।

(प्रस्तरक)

2. सर्वेश्वी ए० एन०चेट्टीयार।

(2) श्री कपूष्पा वालियप्पाकपूष्पा।

(3) के० एन० सुन्दरम।

(4) श्री के० एन० रत्नम।

(5) श्री के० एन० भीनाक्षी सुन्दरम।

(6) के० एन० सुब्बय्या।

(7) श्री ए० एन० सुब्रमनियम चट्टीयार।

(8) श्री एस० पी० यिवनै आची।

(9) श्रीमती भीनाक्षी आची।

(10) श्री ए० एन० प्रेमा।

(11) श्री ए० एन० नाचियप्पा।

(12) एन० कपूष्पन।

(13) श्री एन० नाचियप्पन अलियास राजामनी।

(14) श्री पी० एल० धीवनै।

(15) श्री एन० अरुनासलम चट्टीयार।

(16) श्री एन० ए० आर० भीनाक्षी आची।

(17) श्री एन० ए० आर० अरुनाचलम।

(18) श्री एन० ए० आर० थानीमलाय अन० 2 से 13 और 15 से 18 तक बैंकरस कलाल गांव के निवासी रामनाथपुरम जिला (तमिलनाडु) अन० 14 बैंकर, नाचियपुरम गांव के निवासी रामनाथपुरम जिला (तमिलनाडु)।

(अन्तर्दिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रवैत के वंशघ में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी पर्यवर्ती द्वारा, अधीक्षनाक्षीरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्यवर्ती होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(वस्तावेज सं० 417/79-80 ता० 20-8-1979)

जीवन के सर्वे संख्यायें क्रपत्र के अनुसार हैं। "भासामले" एस्टेट" नाम के काफी जमीन संपत्ति तथा जो आरेहल्ली गांव बैंगलूर तालूक हासन जिला में स्थित है।

एच० तिम्मम्भ्या

सक्षम प्राधिकार

सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 28-3-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24847/79-80/ए०सी०क्य०/
शी—यतः भूमि, एच० तिम्मथा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 96-ई है, तथा जो पांचवां ब्लाक, जयनगर
एक्सटेंशन में स्थित (और इससे बैंगलूर उपावन्द अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
जयनगर बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती एम० के० पांचवीं देवी, श्री० सी० एन० ऊपवष
के पत्नी सं० 172, पहला ब्लाक (पूर्व) जयनगर
बैंगलूर-560011।

(अन्तरक)

2. शा० पी० श्रीनाथ, श्री एच० पी० पद्मनाभन् के पुत्र
सं० 331 पहला (ए) मैन, पांचवीं ब्लाक,
जयनगर बैंगलूर-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवेहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज 1400/79-80 ता० 16-8-1979)

यह संपत्ति सं० 96-ई, तथा जो पांचवां ब्लाक, जयनगर
एक्सटेंशन, बैंगलूर-11 में स्थित है।

अक्षवन्धी—पूर्व—जगह सं० 135/बी।

पश्चिम—सड़क।

उत्तर—जगह सं० 96/ड।

दक्षिण—जगह सं० 6/फ०।

एच० तिम्मथा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 25-3-1980

नोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैंगलूरु कार्यालय

बैंगलूरु, दिनांक 26 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24850/79-80/ऐ०सी०क्ष०/बी—
यतः मुझे, ह० तिम्मच्या

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिवका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में प्रधिक है

और जिसकी सं० 274/1-ए, है तथा जो नौवां 'अ' मैन रोड दूसरा ब्लाक जयनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अगस्त 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित 'की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के मध्यीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० सी० विजयेन्द्र रेडी, सं० 18, बेल्लारी रोड, सदागिवनगर बैंगलूरु।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बकुल वी० हेमाड सं० 274/1 'अ', नौवां 'अ' मैन रोड दूसरा ब्लाक जयनगर बैंगलूर-11।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 1429/79-80 ता० 20-8-79)
घर की संपत्ति सं० 274/1-अ', तथा जो नौवां 'अ' मैन रोड, दूसरा ब्लाक जयनगर, बैंगलूर-11 में स्थित है।

चक्रबन्धी—पूर्व में संपत्ति सं० 274।

पश्चिम म नौवां 'अ' मैन रोड।

उत्तर में के० सी० सुदर्शन रेडी के संपत्ति।

दक्षिण में आंठबा कास रोड।

ह० तिम्मच्या
सभी प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 26-3-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 27 मार्च 1980

निवेश सं. सी० आर० 62/25068/79-80/ए० भी०
क्ष्य०/वी०—यतः मुझे एच० तिम्मम्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 11, है, तथा जो वेस्ट लिंक रोड मलश्वरम்
बैंगलूर-3 में स्थित है (ओर इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
राजा जी नगर बैंगलूर-3 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 अगस्त 1979

को पब्लिक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ते हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

17-76GI/80

1. श्रीमती एच० एम० पारवातम्मा उर्फ एच० एम०
पारवती पत्नी एच० एस० मनजूनाथ सं० 11
वेस्ट लिंक रोड मलश्वरम बैंगलूर-3।
(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती के० आर० शाश्वीकाला पत्नी वी० शीवाराम०
सं० 27 रेमकोर्स रोड बैंगलूर।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1997/79-80 ता० 27-8-79')
वर मम्पति सं. 11, तथा जो वेस्ट लिंक रोड मलश्वरम
बैंगलूर-3 में स्थित है।

एच० तिम्मम्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 27-3-1980

मोहर:

प्रकाश नार्थ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर-560001, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० 261/79-80—यतः मुझे, एच० तिम्मय्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जिसकी सं० 124, वाड़ नंबर 14 है जो संदूर बल्लारी
जिले में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संदूर
अंडर डाक्युमेंट नंबर 119 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निर्णयित्व उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरके का वायित्व में कमी
करने या उससे बचों में सुविधा के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या या निया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन के निम्नलिखित अवित्यों, अस्ति:—

1. श्रीमती उमिलाराजे वी० घोरपाडे मुख्तारनामा धारक
श्री वी० वाई० घोरपाडे संदूर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती के० एन० सरोजाबाई पत्नी श्री के० एच०
नागराज बेंकटेशपुर बदाव चिन्नवुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां पुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति —

- (क) इस सूचना के राजनीत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संदूर शहर वाड़ नं० 14 क० नं० 124 में स्थित
“अमृत” चलाचित्र मंदिर, विक्रय पत्र में उल्लेखित स्थिर यंत्र
और मशीनों सहित।

एच० तिम्मय्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलोर

तारीख: 12-2-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन संख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

निदेश सं० एलडीएच/325/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मफान नं० 625-ल है तथा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फलस्वरूप प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति शाम कौर पति श्री मंगल सिंह निवासी माल नं० 625-आर, माडल टाउन, लुधियाना द्वारा श्री मंगल सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी 625-आर माडल टाउन, लुधियाना
(अन्तरक)

2. सर्वक्षी सुरिन्द्रपाल सिंह और मोहनपाल सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह निवासी 113, माडल टाउन, लुधियाना। अब 625-एल, माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरम्भांशी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मफान नं० 625-एल, माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है। जायदावा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2709 अगस्त, 1979 में दर्ज है।

सुखदेवचन्द्र
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 2 अप्रैल, 1980

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 5th May 1980

No. F. 2/80-SCA (I).—Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from the forenoon of May 5, 1980 and appointed them substantively to the post shown against each :—

S. No.	Name	Present Post Held	Post to which confirmed
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Sh. Mahesh Prasad	Offg. Deputy Registrar	Deputy Registrar
2.	Sh. A. P. Bhandari	Offg. Deputy Registrar	Assistant Registrar
3.	Miss S. V. Kashyap	Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
4.	Sh. D. R. Luthra	Offg. P. P. S. to Hon'ble the Chief Justice of India	P. S. to the Hon'ble the Chief Justice of India
5.	Sh. Syed Qaiser Karim	Offg. Section Officer	Section Officer
6.	Sh. I. J. Sachdeva	Offg. Court Master	Court Master

R. SUBBA RAO,
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 1st May 1980

No. F. 2/80-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed Shri R. Subba Rao, Officiating Registrar and appointed him substantively to the post of Registrar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of May 1, 1980.

(ADMN. BRANCH I)

The 3rd May, 1980

No. F.6/80-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has ordered that Shri A. P. Bhandari, Officiating Assistant Registrar be promoted/appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of May 1, 1980, until further orders.

MAHESH PRASAD,
Dy. Registrar (Admn.)

ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3 the 22nd April 1980

No. A-11/46/74.—Shri Swinder Singh, Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Delhi zonal office is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Delhi zonal office w.e.f. 31-3-80 (AN) and until further orders.

S. D. MANCHANDA, Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st May 1980

No. 75/PRS/053.—The services of Shri Ramesh Chandra, IAS (UP-61), Secretary Central Vigilance Commission, are placed at the disposal of Government of Uttar Pradesh with effect from 1st May 1980 (forenoon).

Shri Ramesh Chandra has been posted as Commissioner, Gorakhpur Division, Gorakhpur.

O. P. SHARMA, Director
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd May 1980

No. A-19021/1/80-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri A. S. Aulakh, (M.P-1971) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 10-4-1980 and until further orders.

The 5th May 1980

No. A-19021/3/80-Ad.V.—The President is pleased to appoint Sh. Jaspal Singh (A.P.1970) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of 3-5-1980 and until further orders.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 1st May 1980

No. O.II.1424/77-ESTT.—Consequent on the expiry of the period of his re-employment, Major Ajai Singh (Retd) handed over charge of the post of Dy. S. P., O.C. AWS, CRPF, Gauhati on the afternoon of 24-2-80.

K. R. K. PRASAD,
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

No. E-16013(2)/2/79-PERS.—On transfer on deputation Shri Parkash Singh, IPS (UT-64), assumed the charge of the post of Asstt. Inspector-General at CISF HQs, New Delhi with effect from the forenoon of 11th April, 1980.

No. E-16018/2/79-PERS.—On expiry of his term of deputation Shri D. K. Mitra relinquished the charge of the post of Assistant Commandant (Fire), CISF Unit, ASP, Durgapur, w.e.f. the afternoon of the 31st March 80.

Sd/- Illegible Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 29th April 1980

No. 10/37/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion Shri E. Ramaswamy, Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, and at present working as Research Officer (Social Studies) on ad hoc basis in the same office, as Research officer (Social Studies) in the same office, on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of 10th April, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Ramaswamy will be at New Delhi.

The 2nd May 1980

No. 11/123/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri B. P. Chandak, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 8th April, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Chandak will be at Raipur.

No. 11/123/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Sharma, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 22nd March 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sharma will be at Gwalior.

The 5th May 1980

No. 11/102/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Grover, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 14th March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Grover will be at Chandigarh.

The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Grover any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79 Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Alok Kumar Dutta, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Lakshadweep, Kavaratti, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 5 April, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Dutta will be at Kavaratti.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Dutta any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Phool Singh, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 16th April, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Singh will be at Moradabad.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Singh any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

MNISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 30th April 1980

P.F. No. PD-3/1071.—Shri S. K. Anand, Foreman (Production) is appointed on an *ad-hoc* basis to officiate as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 5-5-1980 (F.N.) to 7-6-1980 in the leave vacancy of Shri M. Padmanabhan Assistant Works Manager who is proceeding on leave during the above period.

The 2nd May 1980

P.F. No. M/6/1070.—Shri B. L. Sharma, Foreman (Mech.) is appointed on an *ad-hoc* basis to officiate as Asstt. Engineer

(Mech.) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 4-5-1980 (F.N.) to 6-6-1980 in the leave vacancy of Shri N. P. Singh, Asstt. Engineer (Mech.) who is proceeding on leave during the above period.

S. R. PATHAK,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 25th April 1980

No. Admin-I/60(65)/80-81/347-49.—The Accountant General Jammu and Kashmir has promoted Shri R. C. Vishist, a permanent Section Officer of this office, as Accounts Officer in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th April, 1980 till further orders.

H. P. DAS,
Senior Deputy Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 2nd May 1980

No. Admin.I/1038-XVI/323.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on *ad-hoc* and provisional basis the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 28-4-80 or the date on which they actually take over charge as Accounts Officer in the Office of the A.G.-II, West Bengal/Office of the Director of Audit, Central, Calcutta whichever is later and until further orders :—

1. Sri Samarendra Saha
2. Sri Harendra Nath Halder
3. Sri Palin Behari Mondal
4. Sri Moni Lal Mondal.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the Court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818(N) of 1979.

SUDHA RAJAGOPALAN,
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 29th April 1980

No. 18473/AN-I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri SATISH KUMAR DOGRA, from the Indian Defence Accounts Service with effect from 1st February 1980 (Forenoon).

The 2nd May 1980

No. 68012(6)/79/AN-I.—The President is pleased to appoint Shri S. Krishnamachari, Permanent Accounts Officer, to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700-1300) with effect from 2nd April 1980 (FN) until further orders.

K. P. RAO,
Addl. Controller General of Defence Accounts
(AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 16th April 1980

No. 20/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Staff Officer with effect from the date shown against them, until further orders:—

- (1) Shri Amiya Ranjan Bose, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (2) Shri Byomkesh Manik, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (3) Shri Raghunath Dasgupta, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (4) Shri V. Kailasan, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (5) Shri Paibati Ku. Goswami, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (6) Shri Nirmal Ch. Das, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (7) Shri Prasanta Ku. Mallick, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (8) Shri Ranjit Ku. Das, Pt. ASO, 20th March, 1980.

V. K. MEHTA,
Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 28th April 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/956/72-Admn(G)/2494.—The President is pleased to appoint Shri M. E. Thomas (CSS Selection Grade), Deputy Secretary in the Ministry of Commerce and Civil Supplies, Department of Commerce as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this Office w.e.f. the afternoon of the 7th April, 1980.

C. VENKATARAMAN,
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th April 1980

No. CER/2/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/2/77 dated 15-4-77 as amended by Notification No. CER/2/79 dated 17-12-79, namely:—

In the said Notification in para 5, Explanation (3), Note (1) thereof, for the words "manufactured with warp counts 28 and 80s" the words "manufactured with warp counts between 28s and 80s" shall be substituted.

M. W. CHEMBURKAR,
Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL
(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 29th April 1980

No. 2983A/A.32013(AO)78-80/19A.—Shri J. C. Sarkar, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-710-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary

capacity with effect from the forenoon of the 22-3-1980, until further orders.

No. 2995A/A-32013(AO)/78-80/19A.—Shri S. M. Lahiri, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-710-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24-3-1980, until further orders.

The 2nd May 1980

No. 3469B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—The following Senior Technical Assistants (Drilling) in the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders.

Name & Date of joining

1. Shri H. L. Bhattacharjee—21-1-1980 (FN)
2. Shri J. K. Shome—17-1-1980 (FN)
3. Shri S. K. Mookherjee—21-1-1980 (FN)

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 2nd May 1980

No. 5/16/70-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri D. R. Haldankar, Permanent Cameraman, Films Division, New Delhi to officiate as Newsreel Officer on ad hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 8-10-1979, until further orders.

N. N. SHARMA,
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th April 1980

No. A.19021/2/80-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. S. Aggarwal to the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 10th March, 1980 for a period of one year in the first instance.

N. N. GHOSH,
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 3rd May 1980

No. 34-24/69-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Mis. A. Ratna, Nursing Superintendent, Safdarjang Hospital, New Delhi, retired from Government service on the afternoon of the 29th February, 1980.

S. L. KOTHIALA
Dy. Director administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 6th April 1980

No. A-19025/19/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Ajay Kumar Verma has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in the Directorate at Guntur with effect from 31-3-80 (FN), until further orders.

The 29th April 1980

No. A-19024/6/79-AIII.—Shri R. Ramakrishnan, Senior Chemist is appointed to officiate as Chief Chemist at Bombay

with effect from 14-4-80 (forenoon) on purely short-term basis for a period not exceeding three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

MINISTRY OF AGRICULTURE

VISTAR NIDESHAJAYA

New Delhi, the 28th April 1980

No. F. 12-9/77-Fstt.(I).—On the recommendations of D.P.C. (Group 'B') of the Ministry of Agriculture, Department of Agriculture & Cooperation, Shri K. K. Sharma, presently officiating as Deputy Director (Administration), on regular basis, is appointed substantively to the permanent post of Superintendent (Grade I), G.C.S. (Group 'B') (Gazetted) (Ministerial), in the pay scale of Rs. 700—30—760—35—900, in the Directorate of Extension, Department of Agriculture & Cooperation, Ministry of Agriculture with effect from 6-8-1974.

B. N. CHADHA
Director Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 25th April 1980

No. PPED/3(236)/80-Adm. 5967—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the under-mentioned personnel of this Division as Scientific Officer/Engineer, Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders :—

Sl. No.	Name	Present Grade
(1)	(2)	(3)
1.	Shri B. S. Phawde	Draughtsman 'C' (Quasi-permanent)
2.	Shri C. S. Altarde	Draughtsman 'C' (Permanent D/man 'B')
3.	Shri C. John Mathew	Scientific Asstt. 'C' (Quasi-permanent man 'B')

B. V. THATTE,
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr-202397, the 29th April 1980

No. NAPP/Adm./t (168)/80/5445—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project appoints the following Officiating Scientific Officer/Engineers grade SB in RAPP to Officiate as Scientific Officer/Engineers grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the dates mentioned against each until further orders :—

S. No.	Name	Present grade	Permanent post held in PPED Pool	Date of Assumption of Charge
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(S/Shri				
1. R. K. Sharma	SO/SB	Asstt. Foreman	1-4-1980	
2. Rajendra Prasad	Do.	Do.	2-4-1980	
3. Kalwant Singh	Do.	Draftsman 'B'	7-4-1980	

S. KRISHNAN,
Administrative Officer,
for Chief Project Engineer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 22nd December 1979

No. NFC/PAR/0705/5603.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri S. Rangarajan, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer, on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 18-12-1979 to 17-2-1980, or until further orders, whichever is earlier.

No. PAR/0705/5604.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer, on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 22-11-1979 to 17-12-1979.

The 18th January 1980

No. PAR/1603/198.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri G. Sundararaman, a temporary Supervisor (Civil) to officiate as SO/Engineer (SB) in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, w.e.f. 1-8-1979, until further orders.

No. PAR/1603/199.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri T. Jagannatha Rao, a temporary Supervisor (Civil) to officiate as SO/Engineer (SB) in

Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, w.e.f. 1-8-1979, until further orders.

The 10th February 1980

No. PAR/0705/963.—In continuation of Notification No. PAR/0705/5604 dated 22-12-79, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer from 18-12-1979 to 29-12-1979.

The 21st February 1980

No. PAR/0704/1241.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer for the period from 18-2-1980 to 3-4-1980, *vice* Shri V. R. Vijayan, APO, deputed for training.

The 26th March 1980

No. NFC/PAR/0705/1922.—In continuation of Notification No. NFC/PAR/0705/5603 dated 22-12-1979, the Chief Executive Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Shri S. Rangarajan, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on *ad-hoc* basis, w.e.f. 18-2-80 until further orders.

The 24th April 1980

No. PAR/0704/4332.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri R. V. Ravishanker, a permanent Upper Division Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer, on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, from 19-9-1979 to 7-10-1979, vice Shri P. S. R. Murty, Asst. Personnel Officer, proceeded on leave.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anusakti-323303, the 1st May 1980

No. RAPP/Recit./2(22)/80/S/23.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri D. K. Sen a permanent Accountant of this Project to officiate as Accounts Officer-II in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 1st August, 1978 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 2nd May 1980

No. AMD-8(1)/80-Recit.—In continuation of this Office Notification of even number dated 18-1-1980, Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby extends the appointment of Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity upto April 4, 1980 (Afternoon) vice Shri R. N. Dey, Assistant Personnel Officer, proceeded on leave.

No. AMD-8(2)/80-Recit.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. U. Narayanan, Assistant in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the Forenoon of April 5, 1980 vice Shri R. N. Dey, Assistant Personnel Officer granted leave until further orders.

No. AMD-8(2)/80-Recit.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Lachhmi Narain, Assistant in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the Forenoon of April 28, 1980 to May 31, 1980 (Afternoon) vice Shri K. R. Balasubramaniam, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401 504, the 18th April 1980

No. TAPS/1/19(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer on *ad-hoc* basis from 11-4-1980 to 31-5-1980.

No. TAPS/1/19(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri I. P. Khedelwal, a temporary Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II on *ad-hoc* basis with effect from 11-4-1980 to 31-5-1980

The 25th April 1980

No. TAPS/1/34(1)/77-R(Vol.IV)—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri V. V. Tamhane, a permanent Tradesman 'D' in BARC officiating as Tradesman 'G' in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade (SB) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—

810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980.

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd May 1980

No. A.32013/3/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Garg, Assistant Director of Communication at DGCA Headquarters, to the grade of Deputy Director/Controller of Communication on a regular basis with effect from 8-2-1980, until further orders.

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 2nd May 1980

No. A.24013/2/79-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri A. K. Agarwal, Technical Officer, Radio Construction & Development Units, New Delhi with effect from 21-11-79 (AN).

No. A.38015/7/79-EC.—In this Department Notification No. A.38015/7/79-EC, dated 21-10-79, the date occurring in line four thereof is substituted to read as 2-7-79 (Afternoon).

The 3rd May 1980

No. A.32013/11/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri M. Irrutapah, Technical Officer, A.C.S. Mohanbari to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from 31-3-80 (FN) for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier and to post him at the Aeronautical Communication Station, Calcutta.

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 24th April 1980

No. 6/80.—Shri G. J. Kewalramani, Superintendent, Central Excise, Group 'B' M.O.R.I., Indore in Madhya Pradesh Collectorate, Indore, having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 31st March, 1980.

S. K. DHAR
Collector

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 2nd May 1980

No. 1-TR(3)/76.—The President is pleased to appoint Capt. V. C. D'Paiva an officer on deputation from the Shipping Corporation of India Ltd, Bombay on an *ad-hoc* basis as Nautical Officer on the T.S. "Rajendra" Bombay with effect from 27-10-1976 forenoon until further order.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th April 1980

No. 1/229/69-ECIX.—Shri M. I. Mehta, Assistant Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from

29th April, 1980 (A.N.). (30th April being closed holiday).

K. A. ANANTHANARAYANAN
Dy. Director of Administration

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 10th April 1980

No. P(G)185/EL.—Shri N. P. Shivanna, an Offg Asstt. Electrical Engineer is confirmed in Class II service of the Electrical Engineering Department of this Railway with effect from 16-4-79.

N. NILAKANTA SARMA
General Manager

NORTHERN RAILWAY

HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 26th, March 1980

No. 21.—The following officers of IRSME Department Northern Railway are confirmed in Jr. Scale in that department on this Railway w.e.f. the dates noted against each.

S. No.	Name	Date
(1)	(2)	(3)
1.	Sh. J. S. Bathla . . .	7-4-1976
2.	Sh. S. Handa . . .	19-1-1977 Against Superanu-mary post from 19-1-1977 to 31-12-79
3.	Sh. A. K. Malhotra . . .	20-10-1977 Against Superanu-mary post from 20-10-77 to 31-12-79.

R. K. NATESAN,
General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

Calcutta-27, the 28th April 1980

No. G-65/B(con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri Diptipati Mukherjee, Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Elect.)

in the same office on an *ad hoc* basis w.e.f. 8-4-80 (F/N) until further orders.

No. G-65/B(con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri B. K. Biswas, Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Electrical) in the same office on a regular basis w.e.f. 8-4-80 (F/N).

A. BANERJEE
Deputy Director (Admn.)
for Director General, National Test House,
Calcutta

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Bombay, the 15th April 1980

No. Admn. Gaz. 173-4/79(1)—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the section 117 of the I. T. Act., 1961 (Act. 43 of 1961), I, Shri M. L. C. D'Souza, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay have appointed the undermentioned Hindi Translator as Hindi Officer and Inspectors of Income-tax to officiate as Income-tax Officers Class-II with effect from the dates shown against their names and until further orders :—

Sr. No.		Hindi Translator/ Inspector	Date
1.	S/Shri M. L. Sharma . . .	Hindi-Translator	20-9-1979 (F.N.)
2.	K. M. Barsiwala . . .	Inspector	07-1-1980 (F.N.)
3.	L. P. Soneji . . .	"	04-1-1980 (F.N.)
4.	S. R. Chowkekar . . .	"	05-1-1980 (F.N.)
5.	N. A. Gangawane . . .	"	03-1-1980 (F.N.)
6.	S. D. Nyayanirgune . . .	"	07-3-1980 (F.N.)
7.	A. B. Sardesai . . .	"	07-3-1980 (F.N.)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad. V dated 25-4-1975 from the Government of India, Ministry of Finance (Dept. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon the successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

M. L. C. D'SOUZA,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-I, Bombay

FORM ITNS

(1) Smt. Dalip Kaur D/o Shri Hazura Singh, r/o V. & P.O. Bahadur Pur, Distt. Sangrur.
(Transferor)

(1) Smt. Dalip Kaur D/o Hazura Singh, r/o V&PO Bahadur Pur, District Sangrur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. SNG/50/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 26 bighas 16 biswas (being 1/4th share of 119 bighas 3 biswas) situated at V. Bahadur Pur, P.O. Bahadur Pur, Distt. Sangrur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in **August, 1979**

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 bighas 16 biswas at V. Bahadur Pur, Distt. Sangrur (The property as mentioned in the sale deed No. 1587 of August, 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd April 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/99/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 1215, Sector 34 C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Major Nanda Kumar Nair S/o Dr. K. R. K. Nair, 10-2-317/22, Vijay Nagar Colony, Hyderabad through his general power of attorney Sh. B. C. Madhok S/o Sh. Rattan Lal r/o House No. 15, Type III, Canal Colony, Model Town, Ambala City.

(Transferor)

(2) Shri Jagpal Singh S/o Late Sh. Jawala Singh, resident of House No. 202, Sector 22A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Deputy Secretary, Education Deptt., Punjab Govt., Chandigarh.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential plot No. 1215/Sector 34C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1127 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd April 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/175/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential plot No. 1833, Sector 34D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ex. Captain Ashok Kumar Sikka S/o Lalla Charanjit Lal r/o Choudwar, Cuttack (Orissa) through his special power of attorney Sh. Darshan Lal Sachdeva S/o Shri Gopal Dass, r/o House No. 285, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Kumar (Minor) s/o Sh. Darshan Lal through his mother & natural guardian Smt. Savitri Devi W/o Sh. Darshan Lal, r/o 285, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential plot No. 1833, Sector 34D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1031 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Naunihal Singh S/o Shri Inder Singh, r/o 10, Babar Place, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/180/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 1648, situated at Sector 7C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) (i) Shri Ram Parkash S/o Shri Barkat Ram &
(ii) Smt. Soma Rani W/o Shri Ram Parkash, residents of House No. 1648, Sector 7C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Residential house No. 1648, Sector 7C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1058 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980

Scal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/345/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential plot No. 333, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Joginder Singh Puri S/o Sh. Diwan Singh Puri r/o E-476, Greater Kailash-2, New Delhi through special power of attorney Smt. Inderjit Gill w/o Sh. Gurdev Singh Gill, resident of H. No. 228, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Gill S/o Sh. Jasmer Singh Gill, resident of House No. 228, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 333, Sector 33A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1890 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Inde Kaur W/o Sh Harinder Singh, Qr No. 404, Trippari Town, Patiala Now H No. 1000, Khati Wala Tank, Indaut (M P)

(Transferor)

(2) Shri Charan Saran Harn Singh S/o Sh Atma Singh, t/o Quarters No 111, Trippari Town, Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref No PTA/262/79 80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Quarter No 404 situated at Trippari Town, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala, in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential quarter No 404, Trippari Town, Patiala (The property as mentioned in the sale deed No. 3236 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd April 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/197/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 325, situated at Sector 33A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Colonel Amar Singh Sabharwal S/o Sh. Sunder Singh r/o House No. 80, Alexandra Road, Ambala Cantt. through his special power of attorney Shri Bhulla Singh S/o Sh. Rulia Singh, r/o House No. 526 Sector 20A, Chandigarh
(Transferor)

(2) S/Shri Tarsem Singh, (ii) Gurbachan Singh (iii) Mohinder Singh & (iv) Sarwan Singh all sons of Shri Bhulla Singh r/o House No. 325/Sector 33A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 325, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1123 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**
ACQUISITION RANGE-I
LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. RAJ/123/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Booth No. 113, situated at Shopping Centre, Rajpura Township.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajpura in Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Veer Bhan S/o Sh. Pannu Ram r/o House No. 224/7, Sitar Manjil, Sarhindi Bazar, Patiala.
(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar son of Shri Asa Nand S/o Sh. Kishan Chand & Smt. Janki Devi W/o Shri Asa Nand S/o Sh. Kishan Chand r/o 2903, Rajpura Township.
(Transferee)

(3) Shri Raj Kumar Booth No. 13, Shopping Centre, Rajpura Township.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Booth No. 13, Shopping Centre, Rajpura Township (The property as mentioned in the sale deed No. 2246 of Sept., 1979 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

19—76GL/80

Date : 2nd April 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/212/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 195, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. Karam Narain Gujral S/o late Sh. Ram Narain Gujral, resident of J/4, Malwa Nagar Extension, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh Pannu S/o Shri Karam Singh, resident of House No. 463/37A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 195, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1208 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/204/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

residential plot No. 1846, situated at Sector 34-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Major Prem Chand Vijeshwar S/o Shri Sarkaru Mal, resident of Railway Road, Khanna Distt. Ludhiana through his general attorney Sh. Sat Pal S/o Sh. Sarkaru Mal, resident of Railway Road, Khanna. (Transferor)
- (2) Shri Gursewak Singh Sekhon S/o Cap. Jagir Singh, P.C.S. r/o H. No. 2524/Sector 19C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential plot No. 1846, Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1163 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2nd April 1980
Seal :

FORM ITM2

(1) Mrs. Tara Dudeja W/o Shri J. N. Dudeja, resident of House No. 135, Golf Link, New Delhi-3.
(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh Dandona S/o Shri Karam Singh Dandona, House No. 64, Sector 27A, Chandigarh.
(Transferee)

(3) Shri Shadi Lal resident of H. No. 152, Plot No. 9, Street J, Sector 27A, Chandigarh.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/191/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. (Annexe) 152, Plot No. 9, situated at Street J, Sector 27A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

House No. (Annexe) 152, Plot No. 9, Street J, Sector 27A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1140 of August, 1979, of the Registering Authority, Chandigarh).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2nd April 1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sukhdev Chand S/o Shri Hans Raj S/o Sh. Chiranji Lal, r/o House No. B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Sardar Singh S/o Shri Kishan Singh, r/o House No. B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 3rd April 1980

Ref. No. LDH/287/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 share in House No. B-XVII-49/15C, situated at Mohalla Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in House No. B-XVII-49/15C, Ludhiana (Mohalla Sandeep Nagar, Civil Lines).

(The property as mentioned in the sale deed No. 2327 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 3rd April 1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 3rd April 1980

Ref. No. LDH/288/79-80.—Whereas I, **SUKHDEV CHAND**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in House No. B-XVII-49/15C, situated at Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Narinder Kumar S/o Shri Hans Raj r/o B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
 (Transferor)

(2) Shri Sardar Singh S/o Shri Kishan Singh, R/o House No. B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar Civil Lines, Ludhiana.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in House No. B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 2328 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3rd April 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nazar Singh S/o Sh Bachan Singh of Village Dhilwan General Attorney Shri Kartar Singh S/o Sh Chuhat Singh, Village Dhilwan (Nabha) (Transferor)

(2) S/Shri Hardev Singh, Gurdev Singh S/o Shri Mohinder Singh of Village Dhilwan, Nabha (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGI, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 31st April 1980

Ref No TPA/11/79-80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Agricultural land measuring 56 kanals situated at Village Dhilwan (Nabha) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tapa in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 kanals at Village Dhilwan Nabha (The property is mentioned in the sale deed No 1256 of August, 1979 of the Registering Authority, Tapa)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 31st April 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 3rd April 1980

Ref. No. MKL/7/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 26 bighas 11½ biswas, situated at Village Hathana (Malerkotla) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jal Kaur Wd/o Shri Sahela, resident of V. Hathana, Malerkotla.
(Transferor)

(2) Shri Gurnam Singh S/o Shri Lal Singh, resident of V. Hathana, Malerkotla.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 bighas 11½ biswas situated at V. Hathana (The property as mentioned in the sale deed No. 2480 of August, 1979 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 3rd April 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH,
NAGPUR-10**

Nagpur-10, the 25th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/118/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 56 situated at Mouja Yeotmal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Yeotmal on 13-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Ismailbhai Abru Teli,
2. Shri Chunnilal Khetulal Shaima.
Both resident of Sardar Patel Chowk,
Yeotmal.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Geetabai Purushottamdasji Khorival,
2. Smt. Dropadibai Radheyshyamji Agarwal.
Both resident of Yeotmal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land 25.4 Acres bearing Survey No. 56, at and Mouja Yeotmal.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—76GI/80

FORM ITNS

- (1) The Associated Friends Cooperative Housing Society Ltd., Naik Road, Mahal, Nagpur.
(Transferor)
- (2) Magas Vargiva Adiwasī Mandal,
Plot No. 624-A, Nebrunagur, Shakkardara,
Nagpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 25th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/119/79-80.—Whereas, I,
S. K. BILLAIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Field No. 54/4, P.H. No. 34,
situated at Dighori T. & D. Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30-8-79
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land out of Field No. 54/4, P.H. No. 34, Area 1.21 Hectares of Mouja Dighori, Teh. & Dist. Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-2-1980

Seal :

FORM ITNS(1) Tukaram Kashinath Iiwankar,
At Wadi, T. & Dist. Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Sant Dyneshwar Greh Numan Sahakari Sanstha
Hanuman Nagar, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, NAGPUR**

Nagpur, the 25th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/120/79-80.—Whereas, I,

S. K. BILLAIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

P.H. No. 5, Field No. 179/9, situated at Wadi, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 13-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing P.H. No. 5, Field No. 179/9, 1.50 Acres land, Mouja Wadi, T. & Dist. Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 26-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
THAKKAR'S BUNGLOW, GRIPETH,
NAGPUR-10

Nagpur-10, the 26th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/121/79-80.—Whereas, I,
S. K. BILLAIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 106-A, House No. 105, 1764 Sq. ft.
situated at Lakedoani, Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Nagpur on 6-8-79
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Dayaram J. Rajai, "Dhanguru",
Plot No. 81/10, Swastik Co-operative Housing
Society, Chhaprunagar, Old Bhagadganj,
Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Devibai Chandulal Sugandh,
Plot No. 106-A, Near Godi Maharaj Gurdwara,
Quetta Colony, Lakadganj,
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 106-A, House No. 105, 1764 Sq. ft. Lakadganj,
Layout, Quetta Colony, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 26-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahadeorao Appaji Nimbarde,
Shanti Nagar, Circle No. 11/17,
Near Itwari Station,
Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchangauri Mansukhlal Thakkar,
Near Jamdar School, Walkar Road, Mahal,
Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
THAKKAR'S BUNGLOW, GRIPETH,
NAGPUR-10

Nagpur, the 27th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/122/79-80.—Whereas, I,
S. K. BILLAIYA,
being the competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
N.I.T. Middle Precint, Plot No. 47, House No. 954,
situated at Nagpur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Nagpur on 9-8-79
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

N.I.T. Middle Precint, Plot No. 47, House No. 954,
Circle No. 5/10, Ward No. 34, Old Bagadegan Road, C.A.
Scheme, Section III, Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JIHAKKAR'S BUNGLOW, GIRJPETH,
NAGPUR-10

Nagpur, the 27th February 1980

Ref No IAC/Acq/123/79 80—Whereas, I, S K BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 3/5th portion of Plot No 22, 2979 Sq. ft situated at Dharampeth, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 13-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Aparna Satish Mohile, Regional Officer, Film Censor Board, 44, Block 'C', Type V Hyderabad House, Napean Sea Road, Bombay-36
(Transferor)
- (2) Smt. Kailash Banwarilal Nagpal, "Shanti-Bhavan" Near Guru Nanda School, Kahdi Chowk, Nagpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/5th portion of Plot No 22, 2979 Sq. ft situated at West Court Road, Mouja Phutala, Dharampeth, in the layout of Gazetted Officers Housing Society Ltd., Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jayaprakashnayanan Radhakisanji Gupta,
Karta of H.U.F. Plot No. 9-B,
Tilaknagar, Nagpur.

(Transferor)

(2) M/s. Khosla Engineering Industries,
C/o Shri Chander Balkisan Khosla,
Plot No. 39, Navnirman Housing Society's Layout,
Pratapnagar, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH,
NAGPUR-10

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Nagpur, the 27th February 1980

Ref. No. OAC/ACQ/124/79-80.—Whereas, I,
S. K. BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. North portion of the Plot No. 38, situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 16-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

North portion of the Plot No. 38, in Hindu-Than Housing Companies Layout at Amravati Road, Nagpur (Area 6087 Sq. ft.)

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-2-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN8

(1) Shri Ganpat Pundlik Bhende,
At Waddhamna T. & Dist. Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramkumar Rambodh Tiwari,
Plot No. 160, Bajajnagar, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
3RD Floor, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 28th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/126/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Field No. 60 and 60/2 Area 2.35 Acres Waddhamna, P.H. No. 6, situated at Waddhamna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 29-8-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Field No. 60 and 60/2, Area 2.35 Acres, Waddhamna P.H. No. 6, at Waddhamna, Tah. & Dist. Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BANGLOW
3RD FLOOR SARAF CHAMBER SADAR
GIRIPETH, NAGPUR-10**

Nagpur, the 28th February 1980

No. IAC//ACQ/127/79-80.—Whereas, I,
S. K. BILLAIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. No. 1-2-145, House and Shops, Shivaji Nagar, Nanded situated at Nanded (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nanded on 29-8-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mohammad Zaheeruddin
S/o Mohammad Nasiruddin Quraishi
R/o Chahwani Nade Oli Yakootpura,
Hyderabad A.P. at present at Nanded.
(Transferor)

(2) Smt. Noorjahan begum W/o Mohammad Abdul
Karim Siddique R/o Itwara, Nanded.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal House No. 1-2-245, Shivaji Nagar, Nanded.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—76 GI/80

Date : 28-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. M. D. Oomrigar.

(Transferor)

(2) M/s. Firoze Estates Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/2816.4/Aug.79.—Whereas, I, A. H. TEJALE, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No. 16(pt) CTS No. 997/2(pt) Plot No. 12, CTS No. 997-997/1, situated at Juhu Tara Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-8-79 Document No. S. 310/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Nos. 240/78/Bom and registered on 16-8-79 with Sub-registrar Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. H. TEJALE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date :

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smti Malathy Amma, Kizhakkethottakkattu, Ernakulam, 2. Smt. Jayasree Kizhakkethottakkattu Ernakulam.

(Transferor)

(2) Shri Joseph Mathew (For M/s. Joseph Michael & Bros.,) Palai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. L.C. 322/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 4-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/8th right over 58.5 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 2829/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016**

Cochin-682016, the 12th March 1980

Ref. No. L.C.404/79-80.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Vijayapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottayam (Additional) on 2-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Joseph Mathai,
Vazhaparambil House, Erayil Kadavu,
Kottayam.

(Transferor)

(2) George Thomas (Junior)
Kallaraikel

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 cents of land in Sy. No. 67/1A/3 of Vijayapuram village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Yusuf S/o Alavi
Methale Kizakte Valappil.
Kodmgathiv.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",

ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th April 1980

Ref. No. L.C.407/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kottappuram (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodungalloor on 8-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Devassy,
2. Philomina
Valiamarathikal House, Kottapuram.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

33 Cents of land with buildings as per Schedule attached to Document No. 1929/79.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 8-4-1980

Seal :

FORM ITN#

(1) Shri K. C. Valsan.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. T. A. Sarada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th April 1980

Ref. No. I.C. 408/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Lokamaleswaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodungallur on 4-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

23 cents of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 1908/79.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Janadceepam alias
Jananadaivam Ammal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. C. Chandy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE, "ANHPARAMBH BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th April 1980

Ref. No. L.C.409/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vengannoor on 2-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

23½ Centa of Land and buildings as per Doc. No. 1993.

V. MOHANLAL
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jnanadeepam alias Jnanadaivom Ammal.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri George Mathew.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th April 1980

Ref. No. L.C.410/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Trivandrum
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vengannoor on 2-8-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

23½ Cents of land and buildings as per Schedule attached to Doc. No. 1994.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-4-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. V. Kameswaramma, W/o Late Venkata Dri,
Near Sivaji Cafe Centre, Satyanarayana Puram,
Vijayawada-11.
(Transferor)
- (2) Smt. Majeti Baby Sarojini, W/o Subba Rao, C/o
M/s. Sri Panduranga Engg. Co. Gandhinagar,
Vijayawada-3.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1036.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-30-60 situated at Bandar Road Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22-76GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule of the property is as per the registered document No. 6580/79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-4-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1037.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Narasaraopeta Guntur Dist., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Narasaraopeta on September, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Tadepalli Anjaneya Sastry,
2. Shri Tadepalli Subramanyam,
3. Smt. Tadepalli Manikyamba,
W/o Shri Laxminarayana,
4. Shri Tadepalli Seetharama Sastry and
5. Tadepalli Hanumantha Sastry,
Narasaraopeta, Guntur District.

(Transferors)

- (2) Sri Nellacheruvu Vembhotla Gupta,
minor by Guardian Veeranjaneylu,
Narasaraopeta, Guntur district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered document Nos. 4378, 4381 and 4379 registered before the S.R.O. Narasaraopeta during the F.N. ended 15-8-79.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1038.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-13-55C situated at Gandhinagar, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Ch. Tirumala Rao,
Ch. Narasimha Rao, and Ch. Ramesh,
C/o M/s. Popular Shoe Mart,
Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferor)

(2) M/s. Popular Shoe Mart,
Sanyasiraju Road, Gandhinagar,
Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5872 registered before the S.R.O. Vijayawada during the fortnight ended 15-9-79.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Ch. Tirumala Rao,
C/o M/s. Popular Shoe Mart,
Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferor)

(2) M/s. Popular Shoe Mart,
Sanyasiraju Street, Gandhinagar,
Vijayawada-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1039.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-13-55/B situated at Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), the office of the Registering Officer at Vijayawada on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 5831 Vijayawada dated September, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Korampudi Ramakrishnaiah,
Near Ramulayari Gudi,
Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Chaluvadi Satyanarayana,
Gulabchand Street, Vijayawada-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1040.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-5-53-6 situated at Gulabchand Street, Vijayawada-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 6686/79 dated September, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1041.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Ward No. 14, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) The Executive Officer,
Sri Jagannadhaswamy, Sri Anjaneyaswamy and
Venkateswaraswamy trust, Guntur.
(Transferor)
- (2) Sri T. P. Shanmukham Sundar Pillai,
No. 3 Nana Rao Naidu St.
T. Nagar, Madras.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule of the property as per the registered document No. 5069 dated August, 1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-4-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Syed Mohammed Ali,
S/o Mir Bobbarali Bondada Veedhi,
Santhapeta, Vizianagaram.
(Transferor)
- (2) Shri Pentapati Vijayaramayya,
S/o Laxmana Swamy, Chinna Veedhi,
Santhapeta, Vizianagaram.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1030.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Near Kothapet Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizianagaram on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 3055/79 registered before the S.R.O. Vizianagaram during the fortnight ended 15-8-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Venigalla Prabhakara Rao,
Lecturer, Sethavarana College,
Sitharamapuram, Vijayawada-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1031.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 33-9-18, situated at Baristers' Street Seetharamapuram Vijayawada,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on August, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Oggu Sithapathi Rao,
Town Planning Section, Municipal Office,
Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5191 registered before the S.R.O. Vijayawada during the fortnight ended 31-8-79.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 21-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Bandla Siva Prasad,
Telegiyapalem Village, Ponnur Tq.
(Transferor)

(2) Smt. Mannem Amareswari,
W/o Dr Saibabu, Nidubrolu, Ponnur Tq.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1032.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Ponnur Guntur District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ponnur on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 1058 registered before the S.R.O. Ponnur during the fortnight ended 15-8-1979.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

23—76GI/80

Date : 21-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Bondla Somaiah, Telagayapalem village, Ponnur Tq.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1033.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —— situated at Ponnur Guntur Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponnur on August '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Uppala Vasundara Devi, W/o Srlmannarayana, GOVADA Tenali Tq.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

The Schedule of the property as per the Registered Document No. 1059 registered before the S.R.O. PONNUR during the fortnight ended 15-8-79.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-3-80.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1034.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-6-1 situated at Peddapuram East Godavati Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peddapuram on August '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) i. Sri Jangareddy Madhavarao, ii. J. Gopala Rao, iii. J. Venkatarao (Sons of Laxmanaswamy), iv. Jangareddy Venkatarao, S/o Kotaiah, v. J. Koteswarao, vi. Venkataramana (v and vi are sons of J. Venkata Rao, Mujkuru,) vii. Yelisetty Vijayakumari, W/o Satyanarayana Vadlamuru, Peddapuram Tq., viii. Devalla Gurraju, S/o Kasaiah, Vadlamuru, Peddapuram tq., ix. Vundavalli Sathiraju, S/o Govindaraju, x. Nukkalapudi, Bapiraju, S/o Gopaiah, Vadlamuru, xi. J. Sreedhar (Minor) by guardian, Madhavarao, xii. Ramesh, xiii. J. Nagesh and xiv. Sreenivas (xii to xiv are minor sons of J. Venkatarao) Muzkuru. (Transferor)

(2) Sri Mattey Adinarayana, C/o Maruthi Rice Mill, Peddapuram.
ii. Smt. M. Nagamani W/o Adinarayana, Pleader's street, Peddapuram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 1800 registered before the S.R.O. Peddapuram during the fortnight ended 31-8-79.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 21-3-80.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Dwarampudi Bhanumathi, W/o Satyanarayana Reddy, Prabhakar street, Ramaraopet, Kakinada, (Transferor)
- (2) Sri Kora Bhaskaranarayananamurthy, ii. Smt. Kora Annapurna Ananta Lakshmi, 2/8-8-5, Immidivari street, Gandhinagar, Kakinada. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No 1935.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/8-3-5 situated at Red-cross st. Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on August '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 6664/79 registered before the S.R.O. Kakinada during the fortnight ended 31-8-79.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-3-80.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sri M S Raju, G P A Mohd Arshad Ali Khan,
H No 32 at Uppaliguda, Hyderabad
(Transferor)
(2) Industrial Workers and Weaker Section Co-operative
House building Society, Ltd, President Sri T Yel-
liah 805 SRT-Sanathnagar, Hyderabad
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref No RAC 1/80 81.—Whereas, I, K K VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing S No 357/1 situated at Moulali Village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East on Aug-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agriculture land in S No 357/1 situated at Moulali Village Hyderabad-East, registered vide Document No 8085/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad East

K. K VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri M. S. Raju, G.P.A. Sri Qrsheed Ali Khan, 32-1
at Upparguda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Industrial Workers and Weavers Section Cooperative
House Society Ltd., its President T. Yellalah Goud,
H. No. 803-SRT, Sanathnagar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC No. 2/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 357/1 situated at Moulali village, Hyderabad East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Aug-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land in S. No. 357/1 situated at Moulali village, Hyderabad-East registered vide Document No. 7813/79 in office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri M. S. Raju, G.P.A., Mohd Shujath Ali Khan & others, H. No. 32 at Upparguda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Industrial Workers and Weakers Section Cooperative House Building Society Ltd. its President T. Yellaiah Goud, H. No. 805-SRT, Sanathnagar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 3/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 357/1 situated at Moulali Village Hyderabad East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 357/1 (Part-2) area 14400 Sq. Yds at Moulali, village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 8010/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Imtazunisa Begum W/o Eved Afsar Ali Khan,
H. No. 1-4-760 1/B Bakaram, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri M. A. Saeed, 2, M. A. Somi, (16-A Bansilalpet,) H. No. 6-1-298/3/A & B Venkatapuram Colony, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 4/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-1-298/3/A & B situated at Venkatapuram Colony, Sec-bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 6-1-298/3/A & B at Venkatapuram Colony Padmarnanagar, Secunderabad, registered vide Document No. 2003/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s Sree Krishna Construction Co.,
5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mir Vicar Sultan, 5-4-683 at Kattalmandi,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 5/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Hall No. 4 is situated at 4-1-938/R-9 & 10 Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Hall in 4th floor of Building No. 4-1-938/R-9 and 10 of Krishna Complex Building, Tilak Road, Hyderabad registered vide Document No. 4847/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mrs. Dilawar Banu, W/o K.A. Siddiqui, H . No. 8-2-542/2 at Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)

(2) Mr. Mumtajibuddin, G.P.A. Dr. Mohd. Muniruddin, Flat No. C-1 in Dilluapartment at Begumpet, Secunderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 6/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-1 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No C-1 in Dilluapartment at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 4466/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Dillu Apartments 4-I-877 at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rama Rao, 26-C West Nehru Nagar, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 7/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat in situated at Dilluapartment, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-2 on 1st floor of Dillu Apartment at S. P. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 4003/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I**

HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC No. 8/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat B situated at Dilluapartment, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dillu Apartments, Managing partner Smt. Dilawari Banu, 8-2-542/4 Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Mohd. Ali Khan, 5-3-835 at Nalakunta, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat B-1 situated in Survey No. 69 at Rasoolpura, Secunderabad, registered vide Doc. No. 3970/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mis. Dilawar Banu W/o Sri K. A. Siddiqui,
8-2-542/4 at Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad
of M/s Dillu Apartments.

(Transferor)

(2) Mohd. Walliuddin S/o Mohd. Amanulla,
12-2-837/3 at Asifnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 9/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A/3 situated at Dilluapartment, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-3 on Second Floor at Rasoolpura, Hyderabad, registered vide Document No. 4247/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4 1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Zera Alambardar, 2. Mr. Mumtazhasan, both at H. No. 11-5-405 Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Ramgopalreddy, Plot No. 60 at Sreenagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 10/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on August 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 5 admeasuring 816 Sq. Yds, at Road No. 3 Banjara Hills Hyderabad, registered vide Document No. 2176/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 10/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-1-114/1 situated at Padmaraonagar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Minathi Roy Chowdhary, W/o Sri A. K. Ray Chowdhary, H. No. 4-Judges Court Road, Calcutta-700047.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Shirley Sunder Raj, 6-1-114/1 at Padmaraonagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Building No 6-1-114/1 at Padmaraonagar, Secunderabad, registered vide Document No. 1916/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 12/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8 in Main Plot No. 10 situated at Lalapet Secunderabad (and more fully described in the Sechedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bommakanti Venkataamma & others,
H. No. 19/4 at RT-Barkatpura, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Peddi Kanakatara, W/o Sri Rajiah,
Rampally-Village, Medical-Tq, Rangareddy-Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub-plot No. 8 in main plot No. 10 survey No. 182 at Bathakamakunta a/ Lalaguda, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1933/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sri Ram Bhai, S/o Ranchodji Patel, 9-10-Sarjan Society, Jakatnaka, Athwa lines, Surat, Gujarat-State.

(Transferor)

(2) Sri M. Venkat Rao, S/o Janardhan Rao, 10-2-4 at East Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 13/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 141/4 situated at Nadergul Rangareddy-Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 141/4 at Nadergul village, Hyderabad-East Rangareddy-Dist, registered vide Doc. No. 8246/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—76GI/80

Date : 2-4-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Sri Vallaba Bhau, H. No. 9-10 Surajan Society, Surat-Gujart-State,
G.P.A. Nathubhai S/o Lathabhai Patel.
(Transferor)
- (2) Sri M. Venkata Rao, 10-2-4 at East Maradpally, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 14/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land S. No. 141/3 situated at Nadergul Village Hyderabad-East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 141/3 situated at Nadergul village Hyderabad-East, Rangareddy-Dist, 8.12 Acres, registered vide Document No. 8245/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980.
Seal :

FORM ITNS —

(1) Sri Yaski Sangiah, S/o Narayan, Dhubgalli Tandur
Rangareddy Dist.

(Transferor)

(2) Sri Gopi Kishan Baldava, S/o Ramjiwan Marwari,
Tandur, Rangareddy Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad the 2nd April 1980

Ref. No. RAC No. 15/80-81.—Whereas J. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-88 situated at Gunj Bazar Tandur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tandur on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 4-1-88 situated at Gunj Bazar, Tandur, Rangareddy Dist. registered vide Doc. No. 851/79 in the office of the Sub-Registrar Tandur.

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 16/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 48 situated at Adarshanagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Sri Maddi Ranganath Sai, S/o Sri Maddi Sudershanam, Guntur, C/o Sudershan Hotel, Guntur. (Transferor)
- (2) Sri G. S. Reddy, S/o G. R. Reddy, Suryapet, Nalgonda Dist. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property whichever period expires later;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 48 at Adarshanagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc No 4913/79 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 17/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-1218/6/2/B, situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Zaiba Farzana C/o M/s. A. P. Construction Co., 10-3-304/12 at Humayaungar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Koneru Uma Rani, 6-3-1218/6/2/B at Umanagar, Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-1218/6/2/B at Umanagar, Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 2146/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Mohd. Anwar Hussain, 12-2-826/2 at Goddimalkapur, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Fatima Begum W/o Maqsood Ahmed, 12-2-826/2 Gaddimalkapur, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 18/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-826/2 situated at Gaddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 12-2-826/2 at Guddimalkapur, Hyderabad, registered vide Document No. 4786/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980

Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. P. Rajalingamma, W/o Sri Raj Veeriah, H.
No. 8-153 at Gaddiannaram, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Vijay Kumar Upadhyaya, 16-2-501/D/2 at
Malakpet, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 19/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-153, situated at Gaddiannaram Villg. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East in August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-153 situated at Gaddiannaram, in plot No. 4, Hyderabad, registered vide Doc. No. 8732/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 20/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent-Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 6, 7, 8, situated at Bahadurguda Villg. Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on August 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Aneez Azmath Khatoon,
16-11-15/19/2 at Saleemnagar Colony,
Hyderabad (Malakpet).

(Transferor)

(2) State Bank of Hyderabad Employees Co-operative Housing Society Ltd., Bahadurguda-II, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land bearing S. No. 6, 7, and 8 admeasuring 9 Acres 18 Guntas at Bahadurguda village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 8448/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vastavai Janikaiah, W/o Venkatarama Raju,
Manchili, Tanuku Tq.

(Transferor)

(2) Sri Rudraraju Ramalinga Raju, D No. 13-19, Pra-
kashnagar, Rajahmundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1026.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Prakashnagar, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4226 dated August 1979 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26- 76GI/80

Dated : 12-3-1980
Seal

FORM ITNS

(1) Sri Jetender Raj, H. No. 6-3-1238 at Somajiguda
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhanalaxmi Cooperative Housing Society, By its
Secretary Sri RamaKrishna Reddy, Shop No. 16 at
Indoor Stadium Fathe Maidan Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 21/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot. No. 6 & 7 situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 6 and 7 at Somajiguda, Hyderabad, admeasuring 1200 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2335/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10 4-1980

Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

- (1) S/Shri Prem Raj, 2. Behrulal, 3. Sardarmull,
 4. Poonamchand, 5. Dilip Kumar all residing at 15-8-
 249, 285 Begum Bazar, Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Sri K. C. Manakchand Gong, H. No. 10, Dharmarajakoil Street, Saidapet, Madras.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storeyed building bearing M. No. 15-8-249, 285, to 287 at Begum Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4635/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Mozamzahi Market, Hyderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980
 Seal :

FORM ITNS —————

(1) Sri K. Ravi Prakash, 2, Sri K. Shahi Kumar, H. No. 7-1-50/1/B at Ameerpet, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Taher Ali, S/o Gulam Ali,
1-3-176/20/1 at Kavaliguda, Hyderabad-3.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 23/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot No. T-1-128/A situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Khairtabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot in premises No. 7-1-28/A at Ameerpet, Hyderabad, registered vide Document No. 2331/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rudrakshi Shetty, W/o Sri B. Raghava Shetty,
Plot No. 12, S.B.I., Officer's Colony, Bakaram,
Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt. K. Kamalamma, W/o K. Siva Bushanachary,
Iala Kaman Street, Bellary, 2. Smt. K. Savithri, W/o
K. Subrahmayam, 16-11-310/15/3 at Saleemnagar,
Hyderabad-36.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 24/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. S. No. 90, 91 situated at Bakaram, Sector 22D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other personin terested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 ((1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957));

THE SCHEDULE

Open plot measuring 568 Sq. Yds. in survey No. 90 and 91 at Bakaram, Hyderabad, plot No. 52, 53, 54 and 55, registered vide Doc. No 5040/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10 4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 25/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5-9-22/33 situated at Adarshnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri I. Subba Rao, R/o Ramachandrapuram, East-Godavari Dist.
 2. Sri K. Satrughna Sarma, R/o Ramaraopet, Kakinada.

(Transferor)

(2) Smt. Rajarani Makhija, W/o Sardar Amlok Singh, 5-9-22/33 Adrshnagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 5-9-22/33 at Adarshnagar, Hyderabad, admeasuring 391 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 4937/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Zohra Siddiqui, W/o Sri Moind. Siddiqui, H. No. 1-4-461 at Musheerabad, Hyderabad.

(2) Dr. Mohd. Imam Hannore, Quarter No. 3 at University Quarters Osmania University Campus, Hyderabad-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 26/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Port. 1-4-443 situated at Musheerabad Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 1-4-443 at Musheerabad, Hyderabad, admeasuring 683 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5048/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM IINS

(1) Sri Chandra Reddy, S/o Gour Reddy, Agriculturist,
Zaheerabad, Medak Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No 27/80-81 —Whereas, I, K. K. VEFR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-140/1/3 situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 3-6-140/1/3 at Himayatnagar, Hyderabad, ad-measuring 440 Sq. Yds registered vide Doc No. 4866/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10 4-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Nawab Bhojay Jah Bahadur, H. No. 3-5-141/E/6
Eden Bagh, Ramkote, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Nani Bai W/o Sri Ram Walab, 15-8-333
Begum Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 28/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-5-141/E-6 situated at Eden Bagh, Ramkot-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 3-5-141/E/6 at Eden Bagh, Ramkote, Hyderabad, area 396 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 4796/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely
27—76 GI/80

Date : 10-4-1980
Seal :

FORM ITNB

(1) Sri Nawab Bhojat Jah Bahadur, 3-5-141/E/6 Eden Bagh Ramkote, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Vijaya Kumar H. No. 15-6-502 at Begum Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. RAC. No. 29/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port 3-5-141/F/6 situated at Edengarden Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 3-5-141/E/6 at Eden Bagh Ramkote, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4797/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Syed Mohammed Badruddin H. No 4-1-648,
Troop Bazar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Haji Mohammed Ali, and Smt. Ameen Begum
W/o Haji Mohammed Ali, H No 4-1-648 Hindustani Lane, Troop Bazar, Hyderabad
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No RAC No 30/80-81.—Whereas, I, K K VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 4-1-648 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No 4-1-648 portion, Hindustani Lane, Troop Bazar Hyderabad, registered vide Document No 4636/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980

Seal .

FORM ITNS

(1) Sri Bhuvankar Sambasivarao, 8-2-283/2 at Shivaji-nagar, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ragi Madhavi, W/o Prakash, H. No. 17 Hyderbasti, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 31/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I-B plot situated at 142 Prenderghast Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad, on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land bearing M. No. 1-B, in premises No. 142 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide document No 1931/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No RAC. No. 32/80-81—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot No. 7 in situated at S. No 29, Begumpet, Sec-bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Meheurnisa Begum, 5-5-204, Nampally, Hyd.
 2. Smt. Nazeem Jahan Khullah, R/o Ameerpet, Hyd.
 3. Sri Mohd. Bashluthalla,
 4. Sri Omar Bin Awad, 14-4-551/1 Yakutpura, Hyderabad,
 5. Sri Sayed Mustaq Hussain, 16-11-1/1A Mala-keta, Hyd.
 6. M. A. Gaffoor, 102/C Agahapura, Hyd.
 7. Mir Farooq Ali Khan, 9-4-84/21 at Kakatiya-nagar, Colony, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Emani Anasuya, W/o late Sri E. Veera Swami, H. No. 52-A Sebastian Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7 in S. No 29, and 189, M No 1-10-66/A Begumpet, Hyderabad registered vide Doc No. 1900/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquistion Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980
 Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 33/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot S. No. 123 situated at Moosapet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. P. Sujata, W/o P. V. Koteswara Rao, H. No. 28-29-26 Suryaopet, Vijayawada (G.P.A. Sri P. Nageshwara Rao).
(Transferor)
- (2) Sri M. Sudarshan Rao, H. No. 3-52 Kukatpally, Hyderabad.
2. P. Bashirah, 3-67 Kukatpally, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in S. No. 123/A, 123/A, 123/B admeasuring 2561 Sq. Yds. situated at Moosapet, Hyderabad-East, registered vide Document No. 1762/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sri G. Mahadevan, 2, Sri H. Narayan, both residing at Santa Cruz-West, Bombay-54.
 (Transferor)
- (2) Smt. Sarla Kapoor, 7-1-27/1 at Ameerpet, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 34/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-27/1 situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building M. No. 7-1-27/1 on plot No. 4, at Ameerpet, Hyderabad, registered vide Document No. 2283/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'b' notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri P. Ch. Jogi Rajan, 8-2-335 Road No. 3 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Surjit Singh Kohli, 8-2-350/6 Road No. 3 Banjara Hills, Hyderabad.
2. Smt. Charanjit Seema, W/o Surjit Singh Kohli, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC No 35/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-335 situated at Banjara Hills Hyderabad, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Building measuring 403 Sq. Mts at. at 8-2-335 Road No. 3 Banjara Hills Hyderabad, registered vide Doc. No. 2397/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. Srirama Rao, G.P.A. Sri B. Butchi Raju, H.
No. 3-4-490 at Barkatpura, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. T. Lakshmi Bai, W/o T. Bala Goud,
2, T. Subash Goud, both at 8-2-120/45 Road No. 2
Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 36/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot in 8-2-120/45 situated at Banjara Hills Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8-2-120/45 at Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4960/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—76GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref No RAC. No. 37/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-120/45 situated at Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Laxmi Bal, W/o Krishna Murthy, G.P.A. Sri R. Buchi Raju, 3-4-390 at Baratapura, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. T. Sangamma, W/o T. Bala Goud, 2. T. Pramila D/O Bala Goud, both residing at (Himayatnagar, Hyderabad). 8-2-120/45 at Banjara Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot in M. No. 8-2-120/45 Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 4959/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE****HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th April 1980

- (1) Smt. Amtul Hameed, W/o Sri Mohd. Abdul Hasan,
10-3-304/12 at Humayaun Nagar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Dr. Rukhsana Moosavi, W/o Mr. Mohammed
Riazul Hasan H. No. 11-6-186 at Public garden
Road, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 38/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-636/8/1 situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 7-1-636/8/1 admeasuring 210 Sq. Yds. at Bahalookhanguda Hyderabad, registered vide Document No. 5027/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. K. Swarana Kumari, 9-45-Gaddiannaram,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. A. Kanthi, H. No. 9-45 at Gaddiannaram,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 39/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-45 situated at Gaddiannaram, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. 9-45 in plot No. 86, at Gaddiannaram, Hyderabad, registered vide Document No. 4882/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM IENS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Mebrunnisa Begum, W/o late Assadaullah and 6 others, H. No. 5-5-204 at Nampally, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Tota Savitri, W/o T. A. V. Redhakrishna-murthy R/o Nehrunagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No 40/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8 situated at S. No. 29, 189 Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 8 in survey No. 29 and 189, admeasuring 553 Sq. Yds. situated at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 2643/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980
Seal :

FORM ITN8

(1) Sri M. Vidyasagar Reddy, S/o M. Bhoji Reddy,
3-2-792 at Kachiguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Associated Hen Complex, Managing Director
Sri V. Satyanarayana, H. No. 16-11-515/1 Dilseukhnagar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,**

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 41/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 71 situated at Kishenguda Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land survey No. 71 at Kishenguda, Village, Rangareddy-Dt. total area 10 acres registered vide Document No. 1750/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

— (1) Sri G. Somi Reddy, S/o G. Nagi Reddy, 13/678 at Ramnagar, Ananthapur.

(Transferor)

(2) Sri K. Mohana Reddy, S/o K. V. Ramakrishna Reddy Kadalavariyally, R/o Ranakal, Kadiri-Tq. Ananthapur-Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 42/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land TS No. 2142/3 situated at Ananthapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land T. S. No. 2142/3 at Ward No. 12-Ananthapur Town, Ananthapur, registered vide Document No. 5482/79 in the office of the Sub-Registrar Ananthapur.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980

Seal :

FORM IIMS.**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sri T. S. Naidu, 26/C New No. 10-2-271 at Nehru-nagar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. S. Jaisoorya, S/o T. S. Naidu, and Kumari T. S. Chitra, D/o T. S. Naidu 26-C Nehru-nagar, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,****HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 43/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/C situated at 10-2-271 Nehru-nagar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor portion of H. No. 26/C new No. 10-2-271 at Nehru-nagar Secunderabad, registered vide Document No. 2042/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,****HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th April 1980

Ref. No. RAC. No. 44/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land in situated at Thokatha Village Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. A. Venkatamma.
2. A. Bal Reddy.
3. A. Krishna Reddy.
4. A. Sunitha.
5. A. Sridhar Reddy.
6. A. Srikant Reddy.
R/o H. No. 1-9-47, Thokatha Village, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) The ICRISAT Employees Co-Op Housing Society by K. C. Saxena, Secretary, Plot No. 65, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All the open land measuring one acre in Survey Nos. 117 and 118 situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad tonment Registered Vide document No. 2107/79, Sub Registrars Office Secunderabad in August 1979.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-4-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—76GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE****HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th April 1980

Ref. No. RAC. No. 45/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land in situated at Thokatha Village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. A. Venkatamma.
2. A. Bal Reddy.
3. A. Krishna Reddy.
4. A. Sunitha.
5. A. Srikhar Reddy.
6. A. Srikanth Reddy.
R/o H. No. 1-9-7, Thokatha Village, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) The ICRISAT Employees Co-Op Housing Society by K. C. Saxena, Secretary, Plot No. 65, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the open land measuring 33 guntas in Survey No. 119 situated at Peada Thokatha Village, Secunderabad Cantonment Registered Vide Document No. 2074/79, Sub Registrars Office, Secunderabad in August 1979.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-4-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. No. 46/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri I. A. Venkatamma, 2. A. Bal Reddy
3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunitha,
5. A Sridhar Reddy, 6. A Srikanth Reddy,
R/o H. No. 1-9-45/47, Thokatha Village,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) The CRISAT Employees Co-Op. Housing Society
by K. C. Saxena, Secretary,
Plot No. 65, Srinagar Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the open land measuring one acre one gunta in Survey No. 117 situated at Pedda Thokata Village, Secunderabad Cantonment, registered vide document No. 2119/79 Sub Registrar's Office, Secunderabad on August, 1979.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th April 1980

RAC No. 47/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri 1. A Venkatamma, 2. A. Ball Reddy
3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunitha,
5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Srikanth Reddy,
R/o H. No. 1-9-47, Thokatha Village,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) The CRISAT Employees Co-op. Housing Society
by K. C. Saxena, Secretary,
Plot No. 65, Srinagar Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the open land measuring NIL acres 30 guntas in survey No. 119 situated at Bhoinpalli, Secunderabad Registered Vide document No. 2054/79 Sub Registrars Office, Secunderabad in August, 1979.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

RAC No. 48/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land, situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri 1. A Venkatanuma, 2. A. Ball Reddy
 3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunita,
 5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Sikant Reddy,
 R/o H. No. 1-9-45/47, Thokatha
 Secunderabad.

(Transferor)

(2) The ICRISAT Employees Co-Op. Housing Society
 by K. C. Saxena, Secretary,
 Plot No. 65, Srinagar Colony,
 Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All the open land measuring 31 guntas in Survey Nos. 118, 119 & 120, situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad Contonment. Registered Vide Document No. 2090/79 in the Sub Registrars Office Secunderabad in August, 79.

K. K. VEER,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. No. 49/80-81.—Wheras, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acqulstion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. A. Venkatamma, 2. A. Bal Reddy,
3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunitha,
5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Srikanth Reddy,
R/o H. No. 1-9-45/47, Thokatha Village,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) The ICRISAT Employees Co-Op. Housing Society
by K. C. Saxena, Secretary,
Plot No. 65, Srinagar Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the open land measuring one acre one gunta in Survey No. 117 situated at Pedda Thokata Village, Secunderabad Cantonment Registered Vide Document No. 2138/79 Sub Registrars Office in August, 1979.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

RAC No. 50/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. A. Venkatamma, 2. A. Bal Reddy,
3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunitha,
5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Srikanth Reddy,
R/o H. No. 1-9-45/47, Thokatha Village,
Secunderabad.

(Transferees)

(2) The ICRISAT Employees Co-Op. Housing Society
by K. C. Saxena, Secretary,
Plot No. 65, Srinagar Colony,
Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the open land measuring 1 acre 1 gunta in survey Nos. 113, 114 & 120 situated at New Hoenpalli, Secunderabad Registered Vide document No. 2053/79 Sub Registrars Office Secunderabad in August, 1979.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC No. 51/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land in situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri A. Lachhamma, 2. A. Balamani
3. A Chandramani,
R/o H. No. 1-9-7, Thokatha Village,
Secunderabad.

(Transferors)

(2) The IC RISAT Employees Co-Op. Housing Society
by K. C. Saxena, Secretary,
Plot No. 65, Srinagar Colony,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the open land measuring one acre bearing Survey No. 119, situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad Cantonment Registered Vide document No. 2089/79 in Sub Registrars Office August, 1979.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. S/Shri A. Lachamma, 2. A. Balamani,
 3. A Chandramani,
 R/o H. No. 1-9-7 Thokatha Village,
 Secunderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) The ICRISAT Employees Co-op. Housing Society
 by K. C. Saxena, Secretary,
 Plot No. 65, Srinagar Colony,
 Secunderabad.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 17th April 1980

RAC No. 52/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land in situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All the open land measuring 36 guntas in Survey Nos. 120 & 119 situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad Registered Vide document No. 2073/79, Sub Registrars Office Secunderabad in August, 1979.

K. K. VEER,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-76GI/80

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. No. 53/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. A. Lachamma, 2. A. Balamani,
3. A. Chandramani
R/o H. No. 1-9-7, Tokatha Village,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) The ICRISAT Employees Co-Op. Housing Society
3. A. Chandramani,
Plot No. 65, Srinagar Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the open land measuring 35 guntas in Survey No. 121, situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad Registered Vide Document No. 2108/79 Sub Registrars Office, Secunderabad in August, 1979.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Gopal,
11-A/2 West Extension Area, New Delhi-5
(Transferor)

(2) Smt. Jyothika Vidyarthi
Plot No. 16, S No. 74/6, Addagutta,
East Maredipalli, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No RAC No 54/80-81—Whereas, I, K K VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House P No 16 situated at East Maredipalli, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 16 in Survey No 74/6 and 74/10 with building thereon, admeasuring 612 Sq yards equivalent to 512 Sq. Meters situated at East Maredipally, Secunderabad Registered vide document No 2009/79 Sub Registrars office Secunderabad

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date . 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

RAC No. 55/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Gandhinagar Bholakpur, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri B. Pandurangarao,
Fourth Asst. Judge, City Civil Court,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sh. G. Gopala Krishna Reddy
R/o 4-2-203, Old Bhoiguda,
Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 6-6-402, Gandhinagar, Bholakpur, Secunderabad consisting ground and first floor with 1406 Sq. ft. in measurement Registered Vide Document No. 2013/79, Sub Registrar Office, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. T. Kumaraswamy & Others,
Warangal.

(Transferor)

(2) Sh. K. Naiasaiah
R/o Mattewada, Warangal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. RAC. No. 56/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Mattewada, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Warangal in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A tiled house situated at Mattewada, Warangal Registered vide document No. 2737/79, Sub Registrar Warangal in August, 1979

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. T. Hanumaiyah & Others,
1-49, Moosapet Village, R.R. Distt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Dinubhai D. Desai & Others
4-3-314, Bank Street, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. No. 57/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land situated at Moosapet Village R.R. Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad West in August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of agricultural dry land in the village of Moosapet Taluk Hyderabad West District Rangareddy in the jurisdiction of the Sub-Registrar Hyderabad West and in the Gram Panchayat of Moosapet Registered Vide Document No. 1915/79, Sub Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Amutul Hameed, C/o A. P. Construction Co.
H. No. 10-3-30/12 Humayunnagar, Hyderabad,
(Transferor)

(2) Shri Anil D. Desai & Others, H. No. 4-4-322, Kothi,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC.58/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-636/8/1, situated at Bahalool Khanguda, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on August, 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land with double storeyed house in unfinished condition nearing completion with water connection in plot No. 7-1-636/8/1 admeasuring 167 Sq. yards i.e. 146.30 Sq. meters situated at Bahloolkhanguda, Amccpet, Hyderabad Registered Vide Document No. 2425/79, Sub Registrar's Office, Khairatabad.

(K. K. VEER),
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-4-1980.
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC-59/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-1-636/8/1 situated at Bahlool Khanguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August, 79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Amtul Hameed C/o. A. P. Construction Co. 10-3-30/12, Humayunnagar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri Dinubhai Desai & Others, H. No. 4-3-314, Bank Street, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with double storeyed house in unfinished condition nearing completion without water connection in plot No. 7-1-636/8/1 admeasuring 210 Sq. yards i.e. 181-21 Sq. meters situated at Bahloolkhanguda, Ameerpet, Hyderabad Registered Vide Document No. 2424/79 Sub Registrars Office, Khairatabad

(K. K. VEER),
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-4-1980.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nizamuddin Ahmed & Others, 6-3-248/3/A-4,
Kakatiyanagar, Hyderabad.
(Transferor)(2) M/s Virgo Construction Co. Lakidikapool, Hy-
derabad (Dwaraka Buildings).
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC.60/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land situated at Punjagutta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August, 79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that area of plots admeasuring about 5,016.73 Sq. meters situated in Survey No. 161 of village Punjagutta, Khairatabad, Hyderabad Registered Vide document No. 2495/79, Sub Registrar office, Khairatabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 17-4-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31-- 76GI/80

FORM ITNS

(1) Shri Ramkishanao Nilker, H. No 3-4-206, Lingampally, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Shri K. Sathaiah & Others, H. No. 2-87, Moosapet, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC.61/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open Land situated at Moosapet Village, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad—West, on August, 79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Nos. land in S. No. 36/1 area 1 acre and 2 guntas at Moosapet Village, Hyderabad Registered Vide Document No. 1968/79 Sub Registrar office Hyderabad—West.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated . 17-4-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) K. Janardhan Reddy,
Hashamatpet Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) S. B. I. Employees Co-Op. Housing Society,
H.A.L. Campus, Balanagar,
Hyderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. 62/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land, situated at Hashmatpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

2.00 Acres of land in S. No. 74, 75 & 76 on the Hashmatpet Road, Secunderabad Cantonment Registered vide Document No. 2085/79 Sub Registrar office, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) K. Rajya Laxmi & Others,
East Maredipally,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) A. Swaroopani
C/o A. Premasagar, Bholakpur,
Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. 63/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-8-54/1/A, situated at Prenderghast Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

No. 1-8-54/A/1 built No. 37/B Prenderghast Road, Secunderabad (N) 25 Road (S) Plot No. 41, (E) No. 1-8-54/A (W) Plot No. 36 Registered vide Document No. 2015/79 Sub Registrar Office, Secunderabad in August, 79.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dte : 17-4-1980
Seal :

FORM ITNS —————(1) T. Hanumalah & Others,
1-40, Moosapet Village,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Jayanthilal & Others
8-4-310, Erragadda,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. 64/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open plot, situated at Moosapet Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2057 Square yards in S. Nos. 121/2 and 126/2 of Moosapet Hyderabad West Taluk Rangareddy District. Registered vide Document No. 1940/79 Sub Registrar Office, Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-4-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. The India Sugar and Refineries Limited,
Hospet-583201.
(Transferor)

(2) M/s. Pampasar Distillery Limited,
Hospet-583201.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th March 1980

Notice number : 267/79-80.—Whereas I, H. TIMMAIAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 234/83, 243, 1, 2, 220, 221 and 222, situated at Mudlapur, Amaravati and Hospet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hospet, under document number 654 on 20-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 654/79-80 Dated : 20-8-1979]

- (1) Land admeasuring 7.42 acres with Distillery buildings Plant and Machineries and other structures standing and erected thereon, being survey No. 234/83 (Part) of Mudlapur village, S. No. 243 (Part) of Amaravati village and S. No. 1 (Part) of Hospet.
- (2) Land admeasuring 11.25 acres with residential quarters and other structures standing and erected thereon being survey No. 1 & 2 (Part) of Hospet.
- (3) Open land admeasuring 18.30 acres of land being survey No. 220, 221, 222 of Amaravati village Hospet Taluk.

H. TIMMAIAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore 560001, the 13th March 1980

C R No 62/24786/79 80/Acq/B.—Whereas I, H. THIMMIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2/103, 104, situated at Periyanna lane, Sadarpatrappa road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghandhinagar, Bangalore Doc No. 1598/79-80 on 16-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt Hammeda Bi Alias Pyanbi,
2. Sri Abdul Gafoor Alias Amerjan
No. 2/103-104 Periyappa lane,
Saidnippur road cross,
Bangalore-560002

(Transferor)

(2) Smt Shataj Begum w/o Azeezullah
No 39, Sadarpatrappa road,
Bangalore-560002

(Transferee)

(3) M/s Muniklal Traders

2 M/s Instruments & Chemicals (P) Ltd.
3 Sri Jhawar Bhai
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered document No 1598/79-80. Dated 16-8-79]

House property being No 2/103-104, situated at Periyanna lane Sadar Patrappa road, Bangalore.

H. THIMMIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 13 3 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) I. G. Chandra S/o
Guruchannabasappa
Kasturba Extn. Tumkur.

(Transferor)

(2) Shri H. Gurunatha Kamath,
No. 2443, 2nd Main Road,
Vinayaknagar, Tumkur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

C. R. No. 62/24689/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding situated at 2nd Main, Vinayak nagar, Tumkur 2nd Main, Vinayak nagar, Tumkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur Doc. No. 1260/79-80 on 24-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 1260/79-80 Dated 24-8-79]

House property No. 2443, situated at 2nd Main Road, Vinayaknagar, Tumkur.

H. THIMMIAH
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th March 1980

C.R. No. 62/24881/79/80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. 46, situated at Casaba Bazar village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 330/79-80 on 24-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) A Hussainabba, S/o. Late Adyan Ahmed Haji Kandaka, Mangalore-2.
(Transferor)
- (2) Shri M. Achuthan S/o. Chathu, S.L. Mathias Road, Falair, Mangalore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 330/79-80, dated 24-8-79)
House property TS. 46, Casaba Bazar Village, Mangalore.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 12th March 1980

C.R. No. 62/25892/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H THIMMAIH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Makkala Basavanna Temple Street, Ganigarpet, Nagarpet Cross, Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 3122/79-80 on 21-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Sathya Lakshamma,
W/o. P. S. Dosaratharamaiah Setty,
No. 227, 3E Main Road, Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Sri Ajithnath Jain Swethamber,
Murthy Puja Sangh Makkala Basavanna
Temple Street, Nagarpet, Bangalore-560002.
By its chairman : Sri Dungarmal Punamchandji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3122/79-80, dated 21-12-1979)
Property bearing No. 4, MBT Street, Ganigarpet, Nagarpet, Cross, Bangalore-city.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1980.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th March 1980

C.R. No. 62/24801/79-80/ACQ/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Makkala Basavanna Temple Street, Nagarpet, B'lore City. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'lore, Doc. No. 1661/79-80 on 21-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. (1) Rikabchand,
(2) Sri Mangilal,
No. 100/1, Mamulpet, B'lore-2.

(Transferor)

2. Shri Ajithnath Jain Sevetamber
Murty Pujak Sangh, Makkala Basavanna Temple St.,
Nagarpet, B'lore-2. Rep. by its Chairman Sri
Daugamal Punamchandji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1661/79-80. Dated 21-8-79)
House property No. 5, Makkala Basavanna Temple St.,
Nagarpet, B'lore.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-3-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 15th March 1980

C.R. No. 62/24777/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 108 situated at 11th Cross Road, Malleswaram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Doc., No. 1931/79-80 on 11-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Pankajan,
W/o. Sri T. S. Rajam,
No. 109, 11th Cross Road,
Malleswaram, Bangalore.
(Transferor)

(2) Master R. Dinesh,
S/o. Sri R. Ramachandran,
Minor By Natural Mother Guardian
Mrs. Indu Ramachandran,
No. 16, Jawahar Road, Chokkikulam,
Madurai-625002.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1931/79-80. Dated 11-8-1979.)
Vacant site bearing No. 108, 11th Cross, Road, Malleswaram, Bangalore-560003.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri (1) M. S. P. Rajes, (2) Vijayan Rajes Both Residents of "Cauvery Peak Estates" Yercaud-636601, Salem District (Tamil Nadu).

(Transferor)

(2) S/Shri (1) A. N. Kannappa Chettiar, (2) Kannappa Vallappa, (3) K. N. Sundram, (4) K. N. Rathnam, (5) K. N. Meenakshi Sundram, (6) K. N. Subbaiah, (7) A. N. Subramanian Chettiar, (8) S. P. Theivanai Achi, (9) Meenakshi Achi (10) A. N. Prema, (11) A. N. Naichiappa Chettiar, (12) N. Kannappan, (13) N. Nichiappan Alias Rajamani, (14) P. L. Dheivanai (15) N. Arunachalam Chettiar (16) N.A.R. Meenakshi Achi (17) N. Ar. Arunachalam (18) N. Ar. Thannimalai, 1 to 13 & 15 to 18 Bankers. Resident of Kallal, Ramanathapuram District, Tamil Nadu. No. 14, Bankers Resident of Nachiapuram, Ramanathapuram District, Tamil Nadu.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 28th March 1980

C.R. No. 62/171(2)/79-80/Acq/B.—Whereas, I. H. THIMMIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. as mentioned in saledeed. Property known as "Annamalai Estate" (Hosamane Watchalli, Baithney Villages situated at Arehalli Hobli, Belur Taluk, Hassan District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belur Doc. No. 365/79-80 dt. 10-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 365/79-80. Dated 10-8-1979)

The property consists of coffee lands known as Annamalai Estate situated at Hosmane, Watchalli & Baithney villages, Arehalli Hobli, Belur Taluk, Hassan District.

The Survey Numbers as mentioned in saledeed.

H. THIMMIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-560001.

Date : 28-3-1980.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 28th March 1980

C.R. No. 62/174(2)/79-80/Acq/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per sale deed. The property consisting of coffee lands known as Annamalai Estate. Situated at : Arehally village, Belur Taluk, Hassan District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belur. Document No. 417/79-80 on 20-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceed the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(1) Shrimati (1) Sundra Rajes, (2) Mr. Dayalan Rajes, (3) Mrs. Hema Dayalan, (4) Mr. Mohan Rajes, (5) Mrs. Gowri Pandiyathan. Sl. No. 1 to 5 Residents of Mohanad peak estate, Semmanatham P.O., Yercaud-636602 (Tamil Nadu). (Transferors)

(2) A. N. Kannappa, (2) Kannappa valliappa, (3) K. N. Sundram, (4) K. N. Rathnam, (5) K. N. Meenakshi, (6) K. N. Subbaiah, (7) A. N. Subramanian Chettiar, (8) S. P. Thivanni Achi, (9) K. R. Meenakshi Achi, (10) A. N. Prema, (11) A. N. Nichiappa Chettiar, (12) N. Kannappa, (13) N. Naichiappan Alias Rajamani, (14) P. L. Dheivanai, (15) N. Arunachalam, (16) N. AR. Meenakshi, (17) N. A. R. Arunachalam, (18) N. AR. Tahnnimalai. Sl. No. 1 to 13 and 15 to 18 Bankers, Residents of Kallol, Ramanathpuram District (Tamil Nadu) Sl. No. 14, Banker Resident of Nachiapuram Ramanathapuram District (Tamil Nadu).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 417/79-80. Dated 20-8-79)

The Survey numbers as mentioned in sale deed. The property consisting of coffee lands known as "Annamalai estate" situated at Arehally Village, Belur Taluk, Hassan District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-3-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,****BANGALORE**

Bangalore-560001, the 25th March 1980

C.R. No. 62/24847/79-80/ACQ/B.—Whereas, T. H. THIMMIAIAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 96-E, situated at V Block, Jayanagar Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore, Doc. No. 1400/79-80 on 16-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati M. K. Parvathi Devi W/o C. N. Oopavarsha, No. 172, 1st Block East, Jayanagar, Bangalore-560011.
(Transferor)
- (2) Shri (Dr.) P. Srinath, S/o H. P. Padmanabhan No. 331, I 'A' Main 7th Block, Bangalore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1400/79-80 dated 16-8-79)
House bearing No. 96 E, Vth Block, Jayanagar Extension,
Bangalore-11.

Bounded on : East by Site No. 135/B.
West by Road.
North by Site No. 96/D.
South by Site No. 96/F.

H. THIMMIAIAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-3-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri K. C. Vijayendra Reddy, No. 18, Bellary Road, Sadashivanagar, Bangalore-6.
(Transferors)
- (2) Shrimati Bakul V. Hemmad, No. 274/1-A, 9th 'A' Main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.**

Bangalore-560001, dated the 26th March 1980

C.R. No. 62/24850/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 274/1-'A' 9th 'A' Main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore Doc. No. 1429/79-80 on 20-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1429/79-80 dated 20-8-1979)
House premises No. 274/1-A, 9th 'A' Main Road, II Block Jayanagar, Bangalore-11.
Bounded on: East by Premises No. 274,
West by 9th 'A' Main Road,
North by Premises belonging to K. C. Sudarshan Reddy,
South by 8th Cross Road.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-
1 of Section 269D of the said Act, to the following
namely :—

Date : 26-3-1980.

Seal :